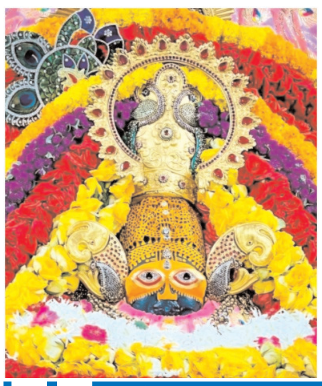

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :16 । अंक:06। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 01 सितंबर 2026 (मंगलवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

बिहार-झारखंड के बीच 25 साल पुराना सोन जल विवाद खत्म

केंद्रीय मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में समझौता

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में सोमवार को नई दिल्ली में बिहार और झारखंड के बीच सोन नदी के जल बंटवारे से संबंधित समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल, बिहार के उपमुख्यमंत्री, केंद्रीय गृह सचिव और भारत सरकार और दोनों राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि बिहार और झारखंड के बीच आज के

समझौते से पूर्वी भारत के बहुप्रतीक्षित जलविवाद का समाधान हुआ है। उन्होंने कहा कि इस समझौते से बिहार और झारखंड के बहुत बड़े ग्रामीण क्षेत्रों के लाखों किसानों को सिंचाई के लिए जल मिलने के साथ ही लोगों को पीने का पानी उपलब्ध होगा।

अमित शाह ने कहा कि सोन नदी के बंटवारे के संबंध में आज हुआ समझौता प्रधानमंत्री मोदी द्वारा की गई टीम भारत की परिकल्पना और सहकारी संघवाद का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने कहा कि देश के सभी राज्यों का अलग अलग अस्तित्व तो है ही मगर भारत के परिप्रेक्ष्य में सभी राज्य टीम इंडिया बनकर आगे बढ़ें तो कोई समस्या ऐसी नहीं है जिसका निराकरण न हो सके। शाह कहा कि इस वर्ष अभी तक विभिन्न राज्यों के बीच यह चौथा जल समझौता है जिससे सिंचाई, ग्रामीण विकास और पेयजल के लिए जल उपलब्धता में वृद्धि होगी।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि बिहार और झारखंड के बीच लगभग 25 साल पुराने जल विवाद के हल के लिए आज हुआ यह समझौता इस बात का उदाहरण है कि सहकारी संघवाद की भावना के साथ संवाद हो तो हर समस्या का समाधान संभव है। दोनों राज्यों के एक बहुत बड़े भौगोलिक क्षेत्र, किसानों, ग्रामीण क्षेत्र और पीने के जल की समस्या का हमेशा के लिए आज निराकरण हो गया है।

शाह ने कहा कि इस समझौते से बिहार के भोजपुर, बक्सर, रोहतास, कैमूर, औरंगाबाद, अरवल, गया और पटना की बड़ी आबादी के लिए पीने के पानी और सिंचाई के लिए पर्याप्त मात्रा में जल उपलब्ध हो जाएगा। इसके साथ ही, झारखंड के पलामू, गढ़वा और अन्य क्षेत्रों में सिंचाई और पीने के पानी के लिए पानी उपलब्ध हो जाएगा।

जम्मू-कश्मीर के शोपियां में आतंकियों के ठिकाने का भंडाफोड़

हथियार और गोला-बारूद बरामद

एजेंसी

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में सोमवार को संयुक्त सुरक्षा बलों ने आतंकियों के एक ठिकाने का भंडाफोड़ किया और ऑपरेशन के दौरान हथियार और गोला-बारूद बरामद किए। अधिकारियों ने बताया कि यह संयुक्त ऑपरेशन जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना की 44 राष्ट्रीय राइफल्स और सीआरपीएफ ने जिले के नाइकपोरा मेमेंडर इलाके में खास जानकारी मिलने के बाद शुरू किया था। अधिकारियों ने कहा, 'एक बाग वाले इलाके में तलाशी के दौरान, टीम ने एक ठिकाने का पता लगाया और हथियार व गोला-बारूद बरामद किए, जिनमें एक एके-47, दो एके-47 मैगजीन, 7.62 एमएम के 60 राउंड गोला-बारूद, एक पिस्तौल, एक ग्रेनेड और 9 एमएम के 6 राउंड गोला-बारूद शामिल हैं।' अधिकारियों ने आगे कहा, 'बरामद हथियारों के स्रोत और

उनके संभावित इस्तेमाल का पता लगाने के लिए आगे की जांच शुरू कर दी गई है।' सुरक्षा बलों ने हाल ही में दक्षिण कश्मीर के कुलगाम, अनंतनाग और शोपियां जिलों में सुरक्षा के कड़े इंतजामों के बीच कई बड़े एंटी-मिलिटेंसी ऑपरेशन और घेराबंदी अभियान चलाए हैं। कुलगाम जिले में, हाई-टेक सर्विलांस उपकरणों और खास बलों का इस्तेमाल करते हुए अखल देवसर और गुद्दार के जंगली इलाकों में संयुक्त ऑपरेशन चलाए गए।

'युद्ध खत्म करना जरूरी'

बिश्केक में व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात के दौरान पीएम मोदी का बयान

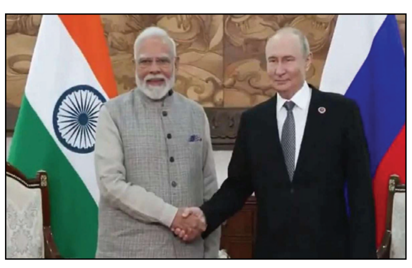

एजेंसी

बिश्केक । बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन के लिए पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से द्विपक्षीय मुलाकात की। इस मुलाकात में पीएम मोदी ने यूक्रेन के साथ युद्ध को समाप्त करने पर जोर दिया। इस द्विपक्षीय मुलाकात में पीएम मोदी ने कहा, 'हम यूक्रेन के मुद्दे पर लगातार बातचीत करते रहे हैं। पिछली मुलाकात में भी आपने मुझे इस मामले से जुड़े सभी पहलुओं की विस्तार से जानकारी दी थी। भारत हमेशा से शांति के प्रयासों का समर्थन करता रहा है और आगे भी करता रहेगा। प्रधानमंत्री ने आगे कहा, 'युद्ध का हर बीता हुआ दिन मानवता को पीछे धकेलने का काम करता है, जबकि शांति की दिशा में उठाया गया हर कदम दुनिया में नई उम्मीद पैदा करता है। इसलिए हमें युद्ध को जारी रखने के बजाय उसे समाप्त करने की दिशा में आगे बढ़ना होगा। यह पूरी मानवता के हित में है।' प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि सभी विवादों और मुद्दों का जल्द से जल्द शांतिपूर्ण समाधान निकालना आज की सबसे बड़ी जरूरत है और यही भारत का स्पष्ट संदेश भी है। पीएम मोदी ने कहा कि गांधी और बुद्ध की धरती से दुनिया को हमेशा एक ही संदेश मिला है–शांति और संवाद का रास्ता ही आगे बढ़ने का रास्ता है।

सीजेपी के 5 सितंबर मार्च पर रोक से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

कहा- कानून व्यवस्था बिगड़ने का आधार नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) द्वारा 5 सितंबर को प्रस्तावित विरोध मार्च के खिलाफ कोई अंतरिम आदेश पारित करने से इनकार कर दिया। अदालत ने कहा कि इस स्तर पर यह मानने का कोई ठोस कारण नहीं है कि इस प्रदर्शन से कानून-व्यवस्था की कोई समस्या उत्पन्न होगी। सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और वी. मोहना की पीठ ने प्रस्तावित मार्च को चुनौती देने वाले एक आवेदन पर नोटिस जारी किया, लेकिन मामले को 5 सितंबर से पहले सूचीबद्ध करने से इनकार कर दिया। छात्र

विरोध प्रदर्शनों से संबंधित अन्य लंबित मामलों के साथ इस मामले की विस्तृत सुनवाई 10 सितंबर को तय की गई थी। यह आवेदन दिल्ली पुलिस के सेवानिवृत्त अधिकारी राजेंद्र सिंह ने दायर किया था, जिसमें उन्होंने आवश्यक अनुमति के बिना राष्ट्रीय राजधानी के संवेदनशील क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन या विरोध मार्च आयोजित करने पर रोक लगाने के निर्देश देने की मांग की थी।

याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए अधिवक्ता रिजवान अहमद ने इंडिया गेट से नई दिल्ली पुलिस मुख्यालय तक निकाले जाने वाले मार्च पर चिंता व्यक्त की। अहमद ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में होने वाले आगामी ब्रिक्स शिखर सम्मेलन को देखते हुए इस प्रदर्शन से कानून-व्यवस्था और सुरक्षा संबंधी चुनौतियां पैदा हो सकती हैं।

ममता बनर्जी ने 2021 में हार के बाद नंदीग्राम को विकास से वंचित रखा : सुवेंदु अधिकारी

एजेंसी

कोलकाता । पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने सोमवार को आरोप लगाया कि पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 2021 विधानसभा चुनाव में नंदीग्राम से हारने के बाद बदले की भावना से वहां के लोगों को विकास कार्यों से वंचित रखा। गौरतलब है कि 2021 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी को नंदीग्राम सीट से सुवेंदु अधिकारी ने लगभग 2,000 वोटों के अंतर से हराया था। बाद में ममता बनर्जी ने उसी वर्ष दक्षिण कोलकाता की भवानीपुर विधानसभा सीट से उपचुनाव जीतकर मुख्यमंत्री पद बरकरार रखा और लगातार तीसरी बार मुख्यमंत्री बनीं। सुवेंदु अधिकारी ने कहा, 'पिछले पांच वर्षों (2021 से 2026) में नंदीग्राम के लोगों को विकास कार्यों से दूर रखा गया। ममता बनर्जी 2021 में यहां से हारने के कारण नाराज थीं और इसी वजह से उन्होंने नंदीग्राम की उपेक्षा की।' उन्होंने कहा कि नंदीग्राम में रेलवे स्टेशन बनाने की मांग लंबे समय से की जा रही थी। इसके लिए सिर्फ छह एकड़ जमीन की जरूरत थी, लेकिन पिछली सरकार ने जमीन तक आवंटित नहीं की। अधिकारी ने दावा किया, 'मुख्यमंत्री

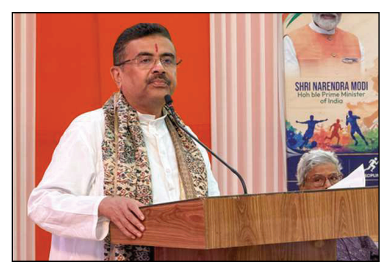

बनने के बाद मैंने रेलवे स्टेशन के लिए 3.5 एकड़ जमीन आवंटित कर भारतीय रेलवे को सौंप दी है। बाकी जमीन भी जल्द दी जाएगी। नंदीग्राम रेलवे स्टेशन का निर्माण अगले साल मार्च तक पूरा हो जाएगा। उस स्टेशन से ट्रेन में बैठने वाला पहला व्यक्ति मैं ही बनूंगा।

बाढ़ प्रभावितों के लिए युद्ध स्तर पर सरकार का राहत अभियान जारी

भोजन से लेकर सुरक्षित ठिकाने तक के इंतजाम

एजेंसी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में बाढ़ की चुनौती के बीच योगी सरकार ने राहत एवं बचाव कार्यों को प्राथमिकता देते हुए प्रशासनिक मशीनरी को पूरी तरह सक्रिय कर दिया है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने के साथ ही उनके लिए भोजन, आश्रय, स्वास्थ्य सुविधाएं और पशुओं के लिए चारे की व्यवस्था लगातार की जा रही है। उत्तर प्रदेश राहत आयुक्त कार्यालय के मुताबिक, रविवार तक प्रदेश के 17 जिले बाढ़ से प्रभावित हैं। अब तक प्रदेश में कोई जनहानि नहीं व पशुहानि नहीं होने पाई है। योगी सरकार की निगरानी में राहत कार्य प्रभावित क्षेत्रों में लगातार जारी हैं। वर्तमान में बाढ़ से करीब 1.70 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। ऐसे में सरकार का पूरा जोर प्रभावित आबादी को तत्काल राहत सहायता उपलब्ध कराने और लोगों को सुरक्षित रखने पर है।

इसके लिए प्रभावित इलाकों में अब तक कुल 1,633 बाढ़ चौकियां स्थापित की जा चुकी हैं। इन चौकियों के माध्यम से स्थानीय स्तर पर राहत एवं बचाव गतिविधियों की निगरानी की जा रही है। बाढ़ जैसी आपदा में सबसे बड़ी जरूरत प्रभावित परिवारों तक भोजन पहुंचाने की है। योगी सरकार ने इस मोर्चे पर भी व्यापक इंतजाम किए हैं। रविवार की स्थिति के मुताबिक 2,024 बाढ़ राहत खाद्यान्न पैकेट और 10,784 लंच पैकेट वितरित किए गए हैं। अब तक कुल 55,572 खाद्यान्न पैकेट और 3.02 लाख लंच पैकेट प्रभावित लोगों तक पहुंचाए जा चुके हैं। इससे राहत शिविरों और प्रभावित क्षेत्रों में रह रहे लोगों को भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित करने में मदद मिल रही है। प्रशासन द्वारा जरूरत के अनुसार राहत सामग्री का वितरण लगातार किया जा रहा है, ताकि बाढ़ के कारण रोजमर्रा की जिंदगी प्रभावित होने के बावजूद लोगों को भोजन के लिए परेशान न होना पड़े।

सिंधु जल संधि विवादः भारत ने खारिज किया मध्यस्थता अदालत का फैसला

कहा- संप्रभु फैसलों पर अधिकार नहीं

ज्योति दर्पण

नई दिल्ली। भारत ने सोमवार को विश्व बैंक द्वारा गठित सिंधु जल संधि से जुड़ी मध्यस्थता अदालत के फैसले को खारिज करते हुए उसे अवैध रूप से गठित निकाय बताया है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि इस अदालत का भारत के संप्रभु फैसलों पर कोई अधिकार क्षेत्र नहीं है और भारत द्वारा सिंधु जल संधि को स्थगित रखने का फैसला लागू रहेगा। वहीं, मध्यस्थता अदालत ने कहा है कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद संधि को स्थगित करने के लिए भारत द्वारा दिए गए आधार पर्याप्त नहीं हैं और संधि अभी भी पूरी तरह लागू है।

भारत ने अदालत के गठन पर ही उठाए सवाल

विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि विश्व बैंक ने संधि की शर्तों का स्पष्ट उल्लंघन करते हुए इस तथाकथित मध्यस्थता अदालत का गठन किया है। भारत इस तथाकथित अदालत के फैसले को उसी तरह खारिज करता है, जिस तरह

उसने पहले भी इस 'अवैध रूप से गठित' संस्था की सभी टिप्पणियों और फैसलों को खारिज किया है। भारत ने कानून की नजर में इस अवैध रूप से गठित तथाकथित मध्यस्थता अदालत के अस्तित्व को कभी मान्यता नहीं दी है और लगातार यह रुख कायम रखा है कि इस कथित मध्यस्थता निकाय की स्थापना ही सिंधु जल संधि का गंभीर उल्लंघन है।

भारत ने कार्यवाही में हिस्सा लेने से किया इनकार

विदेश मंत्रालय के मुताबिक, 'भारत ने इस निकाय के सामने कभी पैरवी नहीं की और इसके पहले दिए गए किसी भी फैसले या टिप्पणी को मानने से भी इनकार किया है। भारत ने इस निकाय के सामने कभी उपस्थिति दर्ज नहीं कराई और इसके पहले के किसी भी फैसले पर कोई संज्ञान लेने से इनकार किया है।' विदेश मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया कि इस मध्यस्थता अदालत के पास भारत के संप्रभु फैसलों पर किसी भी तरह का अधिकार क्षेत्र नहीं है। अब या भविष्य में इसके दिए गए किसी भी फैसले का भारत द्वारा शुरू की गई परियोजनाओं से जुड़े उसके कदमों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

एअर इंडिया की सऊदी अरब-दिल्ली फ्लाइट में बम की धमकी

क्रू को टॉयलेट में धमकी लिखा टिश्यू पेपर मिला; अहमदाबाद में इमरजेंसी लैंडिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। बम की धमकी मिलने के बाद सोमवार को एअर इंडिया की एक फ्लाइट की अहमदाबाद एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। सऊदी अरब के दम्माम से नई दिल्ली जा रही इस फ्लाइट को एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने बम की धमकी मिलने के बाद अहमदाबाद की ओर मोड़ दिया था। क्रू मेंबर को टॉयलेट में अंग्रेजी में 'बम' लिखा हुआ एक टिश्यू पेपर मिला था। क्रू ने पायलट को सूचना दी और सुरक्षा प्रोटोकॉल के मुताबिक, पायलट ने करीब के अहमदाबाद एयरपोर्ट पर संपर्क कर इमरजेंसी लैंडिंग की परमिशन मांगी। मैसेज मिलते ही अहमदाबाद एयरपोर्ट ने सभी इमरजेंसी सेवाओं को एक्टिव कर दिया था। अहमदाबाद रनवे पर विमान के लैंड होते ही प्लेन को आइसोलेशन बे में ले जाया गया। इसके बाद, प्लेन में सवार सभी 32 पैसेंजर्स को उतारकर एयरपोर्ट बस से टर्मिनल तक सुरक्षित पहुंचाया गया।

पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट से पूरी इमारत जमींदोज, 11 की मौत

एक घंटे रोकना पड़ा ट्रेनों का संचालन

एजेंसी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के कौशांबी में सोमवार को पटाखा फैक्ट्री में हुए भीषण विस्फोट से 11 लोगों की मौत हो गई। इस विस्फोट की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि घटनास्थल के बगल

से गुजर रही दिल्ली-हावड़ा लाइन पर रेलगाड़ियों का संचालन एक घंटे के लिए रोक दिया गया था। न्यूज एजेंसी के अनुसार, घटनास्थल के पास पहुंची अजमेर सियालदह एक्सप्रेस को मनोरी रेलवे स्टेशन पर वापस भेज दिया गया। दिल्ली से बनारस जा रही वंदे भारत ट्रेन को एक स्टेशन पीछे सैयद सरावा रेलवे स्टेशन पर रोक दिया गया था।

कौशांबी-प्रयागराज सीमा के पास हुआ हादसा

कौशांबी के मनौरी स्थित थाना पुरामुफ्ती क्षेत्र में हुए इस हादसे में कई लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटनास्थल प्रयागराज और कौशांबी की सीमा के पास बताया जा रहा है। विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि फैक्ट्री के आसपास करीब 50 मीटर के दायरे में स्थित 5 से 7 मकान भी क्षतिग्रस्त हो गए। धमाके के बाद पूरे इलाके में धुएं का गुबार छा गया। फैक्ट्री में रखे पटाखों में आग लगने के कारण काफी देर तक धमाकों की आवाज आती रही। बताया जा रहा है कि विस्फोट की आवाज करीब दो किलोमीटर दूर तक सुनाई दी।

मंदिर आने वाले भक्त सावधान! ज़ोन-7 LCB ने माताजी का भूत बनकर ठगी करने वाले 'मदारी गैंग' के दो साथियों को पकड़ा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद शहर ज़ोन-7 LCB (लोकल क्राइम ब्रांच) टीम ने शातिर 'मदारी गैंग' का पर्दाफाश किया है जो धर्म और माताजी की भक्ति के नाम पर भोले-भाले भक्तों को लूटता और फंसाता था। पुलिस ने माताजी का भूत बनकर मंदिर आने वाले भक्तों को ठगने वाले दो आदतन आरोपियों को गिरफ्तार करके क्राइम की दुनिया में हलचल मचा दी है।खास जानकारी के आधार पर, ज़ोन-7 LCB टीम ने एक कड़ा जाल बिछाकर मदारी गैंग के दो मुख्य साथियों पवनथ मदारी और रमेशनाथ मदारी को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में पता चला है कि ये दोनों आरोपी न केवल अहमदाबाद बल्कि वडोदरा शहर में भी लंबे समय से गंभीर अपराधों में वॉन्टेड थे। माताजी के नाम पर ठगी करते थे। इन शातिर आरोपियों का काम करने का तरीका बहुत खतरनाक था: भोले-भाले भक्तों को टारगेट करना: आरोपी धार्मिक जगहों और मंदिरों के बाहर रेकी करते थे। भूत बनकर: भक्तों के सामने माताजी या आने वाले साधु का भूत बनकर आते थे। अंधविश्वास का जाल: परिवार पर कोई मुसीबत आने या दुख दूर करने के लिए पूजा-पाठ करने के बहाने सोने-चांदी के गहने और कैश छीन लेते थे। वटवा ठगी केस का हल: तीन महीने पहले की थी वारदात जोन-7 LCB की पूछताछ में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि इन दोनों आरोपियों ने तीन महीने पहले अहमदाबाद के वटवा इलाके में एक भक्त को अपने जाल में फंसाकर बड़ी ठगी की थी। इस घटना के बाद से ही पुलिस इनकी तलाश कर रही थी। वडोदरा और अहमदाबाद में वारदात करके भागने के बाद ये अपराधी आखिरकार LCB की गिरफ्त में आ गए हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की है और उनसे गहराई से पूछताछ शुरू कर दी है ताकि पता चल सके कि इस गैंग ने गुजरात के और किन शहरों में भोले-भाले भक्तों को अपना निशाना बनाया है। किसी अनजान व्यक्ति या धर्म और अंधविश्वास के नाम पर खुद को भुवा-साधु कहने वाले लोगों को अपने कीमती गहने या कैश न दें। अगर आपको ऐसा कोई संदिग्ध व्यक्ति मिले, तो तुरंत लोकल पुलिस को बताएं।

चकलासी पुलिस सोती रही और खेड़ा-नडियाद LCB ने जुए के अड्डों पर छापा मारा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

चकलासी/नडियाद। खेड़ा जिले के चहल-पहल वाले अड्डों पर जुआरी ऐसे बेलगाम हो गए हैं जैसे उन्हें लोकल पुलिस का कोई डर ही न हो। लेकिन, खेड़ा-नडियाद क्राइम ब्रांच ने चकलासी थाने की हद में चल रहे जुए के अड्डों पर कार्रवाई करके अपराधियों में खलबली मचा दी है। मंघरोली धूमला इलाके से हार-जीत का जुआ खेल रहे लोगों को उनके कीमती सामान के साथ गिरफ्तार किया गया है। मिली जानकारी के मुताबिक, खेड़ा-नडियाद क्राइम ब्रांच को खास जानकारी मिली थी कि चकलासी थाना इलाके के मंघरोली धूमला गांव में बड़े पैमाने पर ताश के पत्तों पर जुआ खेला जा रहा है। लोकल पुलिस को अंधेरे में रखकर LCB टीम ने मंघरोली धूमला इलाके में छापा मारा। पुलिस को देखते ही जुआरियों में भगदड़ मच गई, लेकिन LCB की निगरानी में उन्होंने इलाके को घेर लिया और जुआरियों को रंगे हाथों पकड़ लिया। पुलिस ने मौके से कैश, जुए का साहित्य और दूसरा सामान बरामद किया और कुल 16,500 रुपये कैश ज़ब्त किया। पकड़े गए जुआरियों के खिलाफ चकलासी पुलिस स्टेशन में केस दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई की गई है। जुए के अड्डे चलाने वालों में गहरी खामोशी छा गई है।

12 लाख के बदले 25 लाख वसूलने के बाद भी धमकी रानीप पुलिस ने देसाई भाइयों के खिलाफ केस दर्ज किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद शहर में सूदखोरों की परेशान करने और वसूली का काला धंधा लगातार बढ़ रहा है। अब तो कानून की रक्षा करने वाले पुलिस परिवार के सदस्य भी इन सूदखोरों के चंगुल से नहीं बच पाए हैं! अहमदाबाद के सैटेलाइट इलाके के दो शातिर सूदखोर भाइयों के खिलाफ रानीप पुलिस स्टेशन में ?12 लाख की पूंजी के बदले ?25 लाख से ज़्यादा की वसूली करने की गंभीर शिकायत दर्ज हुई है, जिससे हड़कंप मच गया है। साबरमती सेंट्रल जेल क्वार्टर में रहने वाले एक पीड़ित युवक और जेल गार्ड के बेटे ने रानीप पुलिस स्टेशन में अपनी आपबीती बताते हुए शिकायत दर्ज कराई है। शातिर आरोपी: विक्रम उर्फ ??परेश मगनभाई देसाई और जयेश मगनभाई देसाई, सैटेलाइट इलाके में रहने वाले एक रिटायर्ड पुलिसवाले के बेटे। गलत ब्याज और पेनल्टी: आरोपियों ने महंगे ब्याज और बहुत ज़्यादा पेनल्टी के नाम पर युवक से किश्तों में कुल 25 लाख रुपये वसूले थे। उन्होंने उसे खाली चेक दिए और 'ऑनलाइन गेमिंग' खेलकर ब्याज चुकाने के लिए मजबूर किया! इन सूदखोरों की हिम्मत इतनी बढ़ गई थी कि 25 लाख रुपये लेने के बाद भी उनका मन नहीं भरा। आरोपियों ने सिक्योरिटी के नाम पर युवक से जबरन साइन करवाए गए खाली चेक भी हड़प लिए थे। चौंकाने वाली बात यह है कि आरोपी सूदखोर भाई लगातार युवक पर मेंटल प्रेशर डाल रहे थे और उसे ज़्यादा ब्याज देने के लिए ऑनलाइन गेमिंग खेलकर पैसे कमाने के लिए मजबूर कर रहे थे! जान से मारने की धमकी और ब्याज के चक्कर में फंसे युवक को धमकाने के बाद, आखिरकार पीड़ित ने हिम्मत जुटाई और राणिप पुलिस से संपर्क किया। रिटायर्ड पुलिस बेटों के सूदखोरी के काले धंधे में शामिल होने की घटना से अहमदाबाद पुलिस फोर्स में भी भारी हंगामा मचा हुआ है।

BJP के लिए यह एक बड़ी पॉलिटिकल पहेली क्यों बन गया है?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली / अहमदाबाद: दिल्ली के जंतर-मंतर पर सोशल मीडिया पर शुरू हुए 'रिज़र्वेशन हटाओ आंदोलन' और रिज़र्वेशन सुधारों की मांग को लेकर हो रहे विरोध प्रदर्शनों ने देश की पॉलिटिक्स को गरमा दिया है। युवा आंदोलनकारी जाति-आधारित रिज़र्वेशन सिस्टम को खत्म करने और 'एक परिवार, एक रिज़र्वेशन' जैसी पॉलिसी लागू करने की मांग कर रहे हैं। इन आंदोलनों और विरोध प्रदर्शनों ने केंद्र में सत्ताधारी BJP के लिए बहुत ही मुश्किल और नाजुक पॉलिटिकल हालात पैदा कर दिए हैं। BJP का पारंपरिक और मज़बूत बेस अपर कास्ट (जनरल कैटेगरी) कम्युनिटी रहा है। जंतर-मंतर पर जमा हुए युवाओं और स्टूडेंट्स का गुस्सा मुख्य रूप से सरकारी नौकरियों, एंट्रेंस एग्जाम और GC पॉलिसी के खिलाफ है। अगर BJP इन युवाओं का गुस्सा शांत करने में नाकाम रहती है या उनकी मांगों को सीधे तौर पर खारिज कर देती है, तो उसे अपने कोर अपर कास्ट वोट बैंक में बड़ा झटका लग सकता है। दूसरी तरफ, BJP ने पिछले एक दशक में OBC, SC और ST समुदायों को अपने पाले में करने के लिए राजनीतिक रूप से कड़ी मेहनत की है। अगर BJP आंदोलनकारियों की आर्थिक आधार पर आरक्षण या जाति आधारित आरक्षण खत्म करने की मांग के खिलाफ थोड़ा भी नरम रुख दिखाती है, तो विपक्षी दल इसे 'आरक्षण विरोधी' कहकर SC, ST और OBC वर्गों में BJP के खिलाफ बगावत कर सकते हैं। NDA सरकार में दलित और पिछड़े वर्ग के नेता और गठबंधन सहयोगी जाति आधारित आरक्षण के साथ किसी भी तरह की छेड़छाड़ बर्दाश्त करने को तैयार नहीं हैं। सरकार के लिए अपने गठबंधन सहयोगियों को बचाना और साथ ही ऊंची जाति के युवाओं का गुस्सा शांत करना तलवार की धार पर चलने जैसा हो गया है। 4. जेपी नड्डा का दौरा और सरकार की दुविधा जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के बाद, BJP के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा ने दिल्ली में आंदोलन के प्रतिनिधियों के साथ मीटिंग की।

वडोदरा जिला पंचायत अध्यक्ष के पति का बड़ौदा डेयरी में करोड़ों का घोटाला

ऑडिट रिपोर्ट में भ्रष्टाचार का खुलासा! निष्पक्ष जांच की मांग ने पकड़ा जोर

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

वडोदरा। वडोदरा जिले की राजनीति और डेयरी सेक्टर में भ्रष्टाचार का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। सरकारी ऑडिट रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है कि वडोदरा जिला पंचायत अध्यक्ष के पति ने बड़ौदा डेयरी के करजन तालुका के सागडोल में मौजूद चिलिंग प्लांट में लाखों रुपये का गबन किया है। यह पशुपालकों और दूध उत्पादकों की मेहनत की कमाई से अपनी जेबें भरने का खुला खेल है।

ऑडिट रिपोर्ट में भ्रष्टाचार के काले कारनामे उजागर

झूठे बिल और फर्जी पेमेंट: ऑडिट रिपोर्ट के मुताबिक, सागडोल चिलिंग प्लांट के नाम पर फर्जी और झूठे बिल लगाकर लाखों रुपये का गबन किया गया है। टेंडर प्रोसेस में बड़ी गड़बड़ियां: सभी नियम-कानूनों को ताक पर रखकर अपनी पसंदीदा कंपनियों और चमचों को भारी मात्रा में काम दिया गया। नियमों का उल्लंघन और ज़्यादा पेमेंट: सरकारी और डेयरी नियमों का घोर उल्लंघन करके और खास कागज़ों पर असली कीमत से ज़्यादा पेमेंट दिखाकर एक बहुत बड़ा स्कैम किया गया है।

क्या यह स्कैम BJP के किसी 'बाहुबली' नेता की छत्रछाया में दब जाएगा?

सूत्रों से मिली बेहद चौंकाने वाली जानकारी के मुताबिक, करजन तालुका में एक्टिव एक BJP 'बाहुबली' नेता का इस पूरे स्कैम और इसके आकाओं में सीधा हाथ है। राजनीतिक ताकत और ताकत के दम पर इस करप्शन को दबाने की पूरी कोशिश की जा रही है। अब सबसे बड़ा सवाल यह उठता है

क्या BJP सरकार अपनी ही पार्टी के पदाधिकारियों और नेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की हिम्मत करेगी?

क्या विजिलेंस या एंटी-करप्शन ब्यूरो इन स्कैमर्स के खिलाफ जांच सौंपेगी या हर बार की तरह 'जांच के नाम पर ड्रामा' करके इस मामले को रफा-दफा कर दिया जाएगा? राज्य सरकार को तुरंत एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम बनानी चाहिए! यह मामला सिर्फ़ कुछ लाख रुपये का नहीं है, बल्कि करजण और पूरे वडोदरा ज़िले के हज़ारों गरीब पशुपालकों की मेहनत की कमाई का है। राज्य के मुख्यमंत्री और गृह विभाग को बिना किसी देरी के इस मामले की निष्पक्ष जांच का आदेश देना चाहिए। अगर वडोदरा ज़िला पंचायत अध्यक्ष के पति और उनके आकाओं के ख़िलाफ़ तुरंत FIR दर्ज नहीं की गई और कार्रवाई नहीं की गई, तो 'पाको गुजरात' इस घोटाले के एक-एक कागज़ और पर्दे के पीछे के 'बाहुबली' चेहरों को जनता की अदालत में उजागर करता रहेगा।

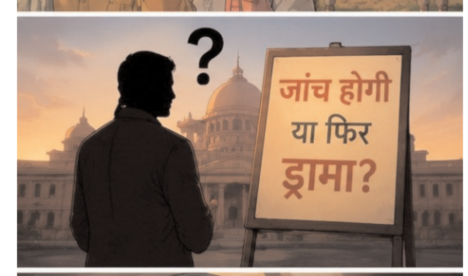

सूरत में सिर्फ़ पांच साल में पुल गिराए जाएंगे: NH-48 पर सावा और नंदाव पुल गिराने का काम शुरू

घटिया क्वालिटी और भ्रष्टाचार के विस्फोटक आरोपों से सिस्टम में भारी हंगामा

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

सूरत। लोगों की मेहनत की कमाई और सरकारी खजाने के करोड़ों रुपये बर्बाद होने का एक और जीता-जागता सबूत सूरत से सामने आया है। नेशनल हाईवे-48 (NH-48) पर सावा और नंदाव पुल, जो सिर्फ़ पांच साल पहले लाखों-करोड़ों की लागत से बने थे, उन्हें अब बुलडोजर और JCB मशीनों से गिराने का काम शुरू हो गया है। जैसे ही नवासवा पुल को इस तरह गिराने का समय आया है, कंस्ट्रक्शन सेक्टर में हो रहे बेहिसाब भ्रष्टाचार और घटिया क्वालिटी के काम पर कई तीखे सवाल उठने लगे हैं।

पुल की मिट्टी धंस गई और स्ट्रक्चर खोखला साबित हुआ

मिली जानकारी के मुताबिक, पुल बनाने में बड़ी लापरवाही हुई। बिना सही मटीरियल और सही टेक्नीक के बनाए गए पुल की मिट्टी धंसने से पुल का पूरा स्ट्रक्चर कमजोर हो गया। सिर्फ़ पाँच साल के छोटे से समय में ही पुल की क्वालिटी पर गंभीर सवाल उठने लगे, जिससे गाड़ी चलाने वालों की जान को खतरा बढ़ गया। आखिर में, प्रशासन को किसी हादसे या किसी बड़ी आपदा से पहले विवादित पुल को गिराने में अपनी लाचारी दिखानी पड़ी। ठेकेदारों और अधिकारियों की मिलीभगत पर कड़ा प्रहार जिस पुल को दशकों तक मज़बूती से खड़ा रहना चाहिए था, उसे सिर्फ़ पाँच साल में गिराना पड़ा, यह ठेकेदारों और हाईवे अथॉरिटी के भ्रष्ट अधिकारियों की मिलीभगत का साफ़ सबूत है। स्थानीय लोग और विपक्षी दल ज़ोरदार आरोप लगा रहे हैं कि

पुल बनाते समय सुपरवाइज़िंग इंजीनियर और अधिकारी क्या सो रहे थे?

घटिया मटीरियल और खराब मिट्टी इस्तेमाल करने वाले ठेकेदार के ख़िलाफ़ कब सख़्त कार्रवाई होगी?ठु क्या इस नुकसान की भरपाई उन लेदर वर्करों से की जाएगी जिन्होंने जनता के टैक्स के करोड़ों रुपये आँख बंद करके बर्बाद कर दिए?

हाईवे पर गाड़ी चलाने वाले परेशान

एक तरफ़, पुल गिराने के काम की वजह से ह॥-48 पर ट्रैफ़िक जाम की गंभीर समस्या बन रही है, जिससे गाड़ी चलाने वालों को काफ़ी परेशानी हो रही है। दूसरी तरफ, जब तक नया पुल नहीं बन जाता, इस सड़क पर हादसों का खतरा बना रहेगा। क्या प्रशासन सिर्फ़ पुल गिराकर अपनी ज़िम्मेदारी से बच जाएगा? क्या अपनी जेबें भरने वाले भ्रष्ट ठेकेदारों और अधिकारियों के ख़िलाफ़ कानूनी कार्रवाई होगी, या हमेशा की तरह कागज़ों पर जांच का नाटक करके मामले को दबा दिया जाएगा? जनता अब इन भ्रष्ट लोगों के ख़िलाफ़ सख़्त कार्रवाई की मांग कर रही है।

पढ़ने वालों पर हमला और समाज की चुप्पी: आइडियोलॉजी के नाम पर गुंडागर्दी या लाइसेंसी बदमाशी?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। जिस राज्य और शहर में किताबें पढ़ना, आइडियाज़ का लेन-देन करना और नॉलेज शेयर करना क्राइम बन जाए, वहां डेमोक्रेसी और आइडियोलॉजिकल फ्रीडम के कौन से वैल्यूज़ बचे हैं? अहमदाबाद शहर में एक बहुत ही शर्मनाक और चिंताजनक घटना सामने आई है, जहां शांति से पढ़ने के लिए इकट्ठा हुए बेकसूर लोगों पर खुद को 'बजरंग दल' के एक्टिविस्ट कहने वाले एंटी-सोशल एलिमेंट्स ने हमला किया और उन्हें पीटा। अहमदाबाद में लिटरेचर और बुक लवर्स एक जगह इकट्ठा होकर शांति से पढ़ रहे थे। यह मीटिंग, जो बिना किसी शोर-शराबे या कानून के उल्लंघन के चल रही थी, अचानक कुछ भीड़ ने हमला कर दिया। खुद को बजरंग दल से बताने वाले इन एलिमेंट्स ने वहां बैठे लोगों से तीखी बहस की और सबके सामने उनसे लड़ना और पीटना शुरू कर दिया। शांति से हाथ में किताबें लेकर बैठे बेगुनाह पढ़ने वालों पर हिंसा करना न सिर्फ़ कानून की बेइज़्ज़ती है, बल्कि समाज के नैतिक पतन की पराकाष्ठा भी है।

आइडियोलॉजी के नाम पर समाज की चुप्पी सबसे बड़ा जुर्म है!

इस घटना से भी ज़्यादा डरावनी बात यह है कि समाज ऐसी गुंडागर्दी और गुंडागर्दी के सामने चुपचाप बैठा है।

आइडियोलॉजी का अंधापन: क्या किसी खास आइडियोलॉजी या संगठन का नाम जुड़ने से गुंडों को नागरिकों पर हाथ उठाने का लाइसेंस मिल जाता है?

समाज की चुप्पी: जब कोई आकर पब्लिक में पढ़ने और सोचने वाले लोगों को मार डालता है और समाज यह कहकर चुप रहता है, 'हमारा क्या?' या 'यह उनकी आइडियोलॉजी का मामला है ', तो उस चुप्पी को सपोर्ट के अलावा और क्या कहा जा सकता है?

डर का माहौल: ऐसी घटनाएं सीधे तौर पर देश और राज्य में आज़ाद सोच और इंटेलेक्चुअल माहौल को नुकसान पहुंचाती हैं।

लॉ एंड ऑर्डर पर तीखे सवाल

अब अहमदाबाद पुलिस और होम डिपार्टमेंट पर तीखे सवाल उठ रहे हैं:

1. पब्लिक जगहों पर शांति से किताबें पढ़ रहे नागरिकों की सुरक्षा का क्या? 2. क्या किसी संगठन के नाम पर आकर कानून हाथ में लेने वाले इन गुंडों के खिलाफ सख्त PASA (पासा) या क्रिमिनल एक्शन लिया जाएगा?

3. क्या अब सभ्य गुजरात में किताब पढ़ने के लिए किसी खास ग्रुप से परमिशन लेनी होगी?

जिस समाज में किताबों और पढ़ने वालों पर लाठियां उठाई जाती हैं और समाज आइडियोलॉजी के नाम पर मुंह पर उंगली रखता है, उस समाज को समझना चाहिए कि आज किसी और की बारी है, कल आपकी भी हो सकती है। कानून का चाबुक उन लोगों के खिलाफ इस्तेमाल होना चाहिए जो विरोध और हिंसा के बीच का फर्क भूल गए हैं।

निकोल के अनंता हॉस्पिटल में डॉक्टरों की दादागिरी और बड़ा खेल? रिटायर्ड PSI के परिवार ने लगाए गंभीर आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद के पूर्वी इलाके के हॉस्पिटल एक बार फिर विवादों और गंभीर आरोपों से घिरे हुए हैं। नरोडा इलाके में रहने वाले एक रिटायर्ड PSI के परिवार ने निकोल में मौजूद 'अनंता हॉस्पिटल' के डॉक्टर उत्सव और भावेश ठक्कर पर गंभीर और चौंकाने वाले आरोप लगाए हैं, जिससे पूरे मेडिकल जगत में भारी हंगामा मच गया है। पीड़ित परिवार के मुताबिक, सीने में दर्द की शिकायत के बाद मरीज को तुरंत इलाज के लिए निकोल के अनंता हॉस्पिटल में शिफ्ट किया गया। जहां ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टरों ने मरीज की गंभीर हालत बताते हुए दिल में 'बैलून/स्टेंट' लगाने की सलाह दी। मरीज़ की जान बचाने के लिए परिवार ने डॉक्टरों की सलाह मान ली और स्टेंट लगाने दिया। हालांकि, परिवार ने इस पूरे प्रोसेस के दौरान हॉस्पिटल द्वारा इस्तेमाल किए गए स्टेंट/मेडिकल किट के बॉक्स पर सवाल उठाए हैं। परिवार का सीधा आरोप है कि डॉक्टरों द्वारा इस्तेमाल किया गया बॉक्स एक्सपायरी डेट पार कर चुका था! परिवार का गुस्सा यहीं नहीं रुका। रिटायर्ड PSI के परिवार ने हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन और डॉक्टरों पर बेहद शर्मनाक आरोप लगाते हुए कहा है मरीज़ की मौत हो जाने के बाद भी डॉक्टरों ने सिर्फ़ स्टैटिस्टिकल बिल बढ़ाने और पैसे ऐंठने के लिए गलत इलाज जारी रखने का नाटक किया। अनंता हॉस्पिटल की भूमिका सवालों के घेरे में अगर एक रिटायर्ड पुलिस ऑफिसर के परिवार के साथ ऐसा है, तो आम लोगों का क्या? ऐसे तीखे सवाल अब पब्लिक में चर्चा में हैं परिवार के आरोप सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं।

अख़बारनगर अंडरपास में दिल दहला देने वाला हादसा: पीक आवर्स में एक साथ 5 गाड़ियां टकराईं

बिज़ी अंडरपास में चेन एक्सीडेंट हुआ, खुशकिस्मती से बड़ा हादसा टल गया, ट्रैफिक जाम की वजह से गाड़ी चलाने वाले सदमे में

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद के पश्चिमी इलाके के सबसे बिज़ी माने जाने वाले अख़बारनगर अंडरपास में आज पीक आवर्स में एक भयानक हादसा हुआ। अंडरपास में काम और ऑफिस जाने वाले गाड़ी चलाने वालों की भीड़ थी, तभी अचानक एक के बाद एक पांच फोर-व्हीलर चेन एक्सीडेंट में टकरा गए। हादसा इतना ज़बरदस्त था कि पांचों गाड़ियों को भारी नुकसान हुआ और उनके आगे-पीछे के हिस्से चकनाचूर हो गए। मिली जानकारी के मुताबिक, सुबह जब अख़बारनगर अंडरपास पर ट्रैफिक का भारी दबाव था, तो आगे चल रही एक कार ने अचानक ब्रेक लगाया या अपनी स्पीड पर कंट्रोल खो दिया, जिससे पीछे आ रही गाड़ियां आपस में टकरा गईं। एक ही पल में, धमाके के साथ पांच कारें आपस में टकरा गईं, जिससे अंडरपास में ज़ोरदार आवाज़ हुई और लोगों में अफ़रा-तफ़री मच गई।

कारें चकनाचूर हो गईं, खुशकिस्मती से एक बड़ा हादसा टल गया।

हादसा इतना भयानक था कि कारों के बोनट, बंपर और खिड़कियां चकनाचूर हो गईं। हालांकि, एयरबैग खुलने और गाड़ियों की स्पीड कम होने की वजह से कारों में बैठे लोग बच गए। खुशकिस्मती से, इस भयानक हादसे में किसी के गंभीर रूप से घायल होने की खबर नहीं है, लेकिन सभी कारों को लाखों रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ है।

अंडरपास में गाड़ियों की लंबी कतारें, ट्रैफिक पुलिस दौड़ी।

पीक आवर्स में, अंडरपास के अंदर 5 गाड़ियों के एक्सीडेंट की वजह से अंडरपास का पूरा हिस्सा ब्लॉक हो गया। जिसकी वजह से अखबारनगर और उसके आस-पास की मुख्य सड़कों पर गाड़ियों की लंबी कतारें लग गईं और ट्रैफिक जाम के नज़ारे बन गए। घटना की खबर मिलते ही ट्रैफिक पुलिस का एक काफिला मौके पर पहुंचा और एक्सीडेंट वाली गाड़ियों को क्रेन की मदद से हटाकर ट्रैफिक को आसान बनाने की कोशिश शुरू की। खासकर पीक आवर्स में, अंडरपास या पुल पर गाड़ी चलाते समय आगे वाली गाड़ी से सुरक्षित दूरी बनाए रखें। ऐसे भयानक चेन-एक्सीडेंट जल्दबाजी में अचानक ब्रेक लगाने या तेज़ गाड़ी चलाने से होते हैं।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (मंगलवार)
01 सितंबर 2026

वडाज के लोगों के लिए अच्छी खबरः 4 चालियों और झुग्गियों का होगा कायाकल्प

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद शहर के बीचों-बीच बसे वडाज इलाके के हज़ारों गरीब और मिडिल क्लास परिवारों के लिए खुशी और राहत की एक बड़ी खबर सामने आई है। सालों से टूटी-फूटी चालियों और झुग्गियों में छप्पर के नीचे रह रहे लोकल लोगों का अब पक्के घरों का सपना पूरा होने वाला है। म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने वडाज इलाके की 4 मेन चालियों और झुग्गियों को रीडेवलप करने का फैसला किया है। मिली जानकारी के मुताबिक, यह पूरा प्रोजेक्ट स्लम रीडेवलपमेंट पॉलिसी के तहत किया जाएगा। पहले फेज में, सिस्टम झुग्गी-झोपड़ियों और स्लम एरिया का इंटेंसिव बायोमेट्रिक और डॉक्यूमेंट सर्वे करेगा। सर्वे पूरा होने के बाद, एलिजिबल बेनिफिशियरी की लिस्ट तैयार की जाएगी। उसके बाद, सभी रहने वालों को नया घर बनने तक किराया देकर खाली कराया जाएगा और वहां मॉडर्न सुविधाओं वाले पक्के घर बनाए जाएंगे। नई सोसाइटी और घर कैसे होंगे? बेसिक सुविधाएंः फ्लैट में लिफ्ट, 24 घंटे पानी, पक्की सड़कें, स्ट्रीट लाइट और सीवर लाइन जैसी सभी सुविधाएं दी जाएंगी। **ओनरशिप राइट्सः** तय टाइम फ्रेम में कंस्ट्रक्शन पूरा होने के बाद, सभी ओरिजिनल रहने वालों को उनके हक के पक्के घर अलॉट किए जाएंगे। जब वडाज एरिया में इन मिट्टी के घरों और झुग्गियों की जगह नई टाउनशिप और हाई-राइज बिल्डिंग बनेंगी, तो पूरे वडाज एरिया का नक्शा बदल जाएगा। गंदगी और सुविधाओं की कमी से जूझ रहे मज़दूर वर्ग के परिवारों को एक सुरक्षित और सम्मानजनक जीवनशैली मिलेगी।

मेहसाणा में गैंगवार और अंधाधुंध फायरिंग के बाद पुलिस की कार्रवाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मेहसाणा. कल मेहसाणा में दो ग्रुप के बीच हुए भयानक गैंगवार और पब्लिक रोड पर अंधाधुंध फायरिंग की सनसनीखेज घटना के बाद पुलिस एक्शन मोड में आ गई है। कानून-व्यवस्था को हिला देने वाली इस हिंसक घटना में मेहसाणा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए भावेश झिलिया को गैर-कानूनी हथियार रखने के आरोप में गिरफ्तार किया है। इस गिरफ्तारी के बाद क्राइम की दुनिया में भारी सन्नाटा छा गया है।कल मेहसाणा में 'गैंगवार में क्या हुआ था? मिली जानकारी के मुताबिक, मेहसाणा इलाके में पुरानी रंजिश और दबदबे की लड़ाई में जोरावर सिंह दरबार (कटोसन स्टेट) और विरोधी ग्रुप के बीच बाजार में हिंसक झड़प हो गई. झड़प के दौरान जोरावर सिंह ने रिवॉल्वर/पिस्टल से हवा में और विरोधी ग्रुप पर अंधाधुंध फायरिंग की, जिससे आस-पास के व्यापारियों और राहगीरों में भगदड़ मच गई। स्कॉर्पियो गाड़ी पर हमलाः गैंगवार के दौरान स्कॉर्पियो समेत गाड़ियों के शीशे तोड़ दिए गए और तोड़फोड़ की गई, और फिल्मी अंदाज में सड़क पर दहशत फैलाई गई। पब्लिक रोड बनी जंग का मैदानः दरबार और रबारी ग्रुप के बीच टकराव के कारण कुछ देर के लिए कटोसन रोड और आसपास का इलाका जंग के मैदान में बदल गया। अपराध की गंभीरता को देखते हुए, गृह मंत्री हर्ष संघवी के निर्देश और सीनियर पुलिस अधिकारियों के आदेश पर पुलिस ने अलग-अलग टीमें बनाकर छापेमारी की। इस जांच के दौरान, पुलिस ने भावेश झिलिया को पकड़ा है, जो गैर-कानूनी खतरनाक हथियार लेकर हिंसा भड़काने में शामिल था। इस गैंगवार में शामिल जोरावर सिंह और भानुभा समेत दूसरे खास साथियों को पकड़ने के लिए, मेहसाणा पुलिस और LCB की टीमों ने संभावित ठिकानों पर इंटेंसिव सर्च ऑपरेशन चलाए हैं। पुलिस ने CCTV फुटेज और वायरल वीडियो के आधार पर और आरोपियों की पहचान बताकर सख्त कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

कांग्रेस के 'सूखे से प्रभावित क्रिकेट कप' को रोकने के लिए BJP सरकार की चाल?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद/राजकोट। गुजरात में सूखे जैसे हालात और पानी के लिए मची चीख-पुकार के बीच अब सियासत गरमा गई है। किसान नेता और कांग्रेस नेता पालभाई अंबिलया ने केंद्र और राज्य की BJP सरकार पर अब तक का सबसे तीखा और ताना मारने वाला हमला किया है। पालभाई अंबिलया ने खलीखाम डैम में 'नहाने' से जुड़े सरकार के अजीब नोटिफिकेशन को सरकार की डरपोक सोच और अपनी नाकामी छिपाने की चाल बताया है। पालभाई अंबलिया ने एक बड़ा सवाल उठाते हुए कहा है कि जिस नदी के नीचे बने डैम में नहाने जा सकते हैं, जहाँ पीने या सिंचाई के पानी की एक भी बूंद नहीं बची है? और अगर पानी ही नहीं है, तो कोई कैसे डूब सकता है? जिला कांग्रेस कमेटी ने सूखे और खाली डैम के नीचे 'सूखा प्रभावित क्रिकेट कप' खेलने का फैसला किया था। इस अनोखे टूर्नामेंट में खेलने के लिए 109 टीमों ने रजिस्टर किया था और इस मैच को देखने के लिए हज़ारों लोकल लोग इकट्ठा होने वाले थे। गर सूखे डैम के नीचे क्रिकेट खेला जाता, तो सरकार के 'पानी बचाने' और विकास के बड़े-बड़े दावे हवा हो जाते। पालभाई अंबलिया ने कड़े शब्दों में कहा कि अगर सूखे डैम में 109 टीमें क्रिकेट खेलतीं और हज़ारों लोग जमा होते, तो पानी के मैनेजमेंट में BJP सरकार की एडमिनिस्ट्रेटिव नाकामी पूरे राज्य और देश के सामने आ जाती। इस सच्चाई के सामने आने के डर से, एडमिनिस्ट्रेशन ने जल्दबाजी में 'खाली डैम में नहाने पर रोक' का नोटिफिकेशन जारी कर दिया है और प्रोग्राम को रोकने का अजीब तरीका अपनाया है। जहां एक तरफ राज्य में किसान और आम जनता पानी के लिए चिल्ला रही है, वहीं दूसरी तरफ, यह आरोप कि सरकार अपने ही विरोध और विरोधी पार्टी के अनोखे आंदोलनों को दबाने के लिए ऐसे नोटिफिकेशन का सहारा ले रही है, गुजरात की पॉलिटिक्स में काफी बहस छिड़ गई है।

गृह मंत्री हर्ष सांघवी के गृहनगर सूरत में बेटियां असुरक्षित लिंबायत, कतारगाम और अमरोली की घटनाओं ने हिलाया सूरत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत. सूरत, जो एक 'सुरक्षित शहर' और आर्थिक राजधानी माना जाता है और गृह मंत्री हर्ष सांघवी का गृह नगर है, में अब महिलाओं और मासूम लड़कियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर और ज्वलंत सवाल खड़े हो गए हैं। जिस तरह सूरत शहर असामाजिक तत्वों और विक्षिप्त मानसिकता वाले अपराधियों के लिए खुला मैदान बनता जा रहा है, उसी तरह एक ही दिन में लिंबायत, कतारगाम और अमरोली इलाके में 3 शर्मनाक घटनाओं ने पूरे गुजरात को हिलाकर रख दिया है। लिंबायत इलाके में इंसानियत को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है, जहां खेल रहे 5 साल के बच्चे के साथ नराधम ने दुष्कर्म करने की कोशिश की। मासूम बच्ची की चीख और परिवार की सतर्कता से अपराधी पकड़ा गया. कतारगाम इलाके में सोशल मीडिया या परिचित के नाम पर नाबालिग को प्रेम जाल में फंसाया और उसकी मजबूरी और अज्ञानता का फायदा उठाया। कानून से अंजान मासूम बेटी के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले इस अपराधी ने दोस्ती के पवित्र रिश्ते को शर्मसार कर दिया है। अमरोली पुलिस स्टेशन की सीमा में एक और चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां एक लड़की को उसकी शादी का दिखावा दिखाकर, नकली शादी का नाटक करके लगातार शारीरिक शोषण किया गया। पितृसत्तात्मक और विकृत मानसिकता वाले पुरुषों ने लड़की की ज़िंदगी बर्बाद कर दी थी. सूरत पुलिस ने तीनों गंभीर घटनाओं में कड़ी धाराओं, POCSO और दुष्कर्म के तहत मामला दर्ज किया है और जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। लेकिन सबसे बड़ा सवाल ये है कि कानून का डर कहां गायब हो गया है? हमारी बेटियां गली, मोहल्ले और डिजिटल स्पेस में कब और कैसे सुरक्षित रहेंगी? क्या घटना के बाद पुलिस द्वारा मामला दर्ज कर लेना ही काफी है या फिर ऐसे राक्षसों के खिलाफ कोई अनुकरणीय और त्वरित सजा की व्यवस्था होगी? एक समाज के रूप में हम कहाँ जा रहे हैं? जब 5 साल की बच्ची भी सुरक्षित नहीं है तो यह न सिर्फ कानून व्यवस्था की विफलता है बल्कि सामाजिक नपुंसकता की निशानी है। दुष्ट मानसिकता वाले अपराधियों को ऐसी सजा मिलनी चाहिए कि सिर्फ सूरत ही नहीं, बल्कि पूरा गुजरात एक लड़की को बुरी नजर से देखने से कांप उठे।

मदुराई में पहली बार निकली भव्य कावड़ यात्रा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मदुराई। भगवान भोलेनाथ की भक्ति, आस्था एवं श्रद्धा को समर्पित मदुराई की पहली भव्य कावड़ यात्रा रविवार, 30 अगस्त 2026 को हर्षोल्लास एवं भक्तिमय वातावरण में सम्पन्न हुई। यात्रा का शुभारंभ रविवार रात्रि 12 बजे पंचमुखी हनुमान मंदिर प्रांगण से हुआ। बड़ी संख्या में शिवभक्त केसरिया वस्त्र धारण कर कावड़ लेकर यात्रा में शामिल हुए। प्रवासी समाज प्रवक्ता दिनेश सालेचा ने बताया कि मदुराई में आयोजित इस भव्य कावड़ यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। यात्रा के दौरान श्रद्धालु भगवान महादेव का जलाभिषेक एवं पूजा-अर्चना करने के लिए श्रद्धा एवं भक्ति भाव से सहभागी बने। यात्रा अलगर कोविल क्षेत्र से होकर मदुराई स्थित इननन्मै थरुवर शिवन मंदिर तक पहुंची, जहां भगवान शिव का जलाभिषेक एवं पूजा-अर्चना कर यात्रा का विधिवत समापन किया गया। पूरी यात्रा के दौरान 'हर-हर महादेव', 'बम-बम भोले' के जयघोष से वातावरण शिवमय एवं भक्तिमय बना रहा। जगह-जगह श्रद्धालुओं ने कावड़ यात्रियों का उत्साहवर्धन किया। कावड़ यात्रा के शुभारंभ से पूर्व पंचमुखी हनुमान मंदिर प्रांगण में भजन संध्या का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से भजनों का गुणगान किया तथा सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ कर भगवान हनुमान एवं भोलेनाथ का स्मरण किया। इसके बाद जयकारों के बीच कावड़ यात्रा को रवाना किया गया। शहर के विभिन्न समाजों एवं संस्थाओं के गणमान्यजन भी इस अवसर पर उपस्थित रहे। उन्होंने कावड़ यात्रियों को शुभकामनाएं एवं बधाई देते हुए पंचमुखी हनुमान मंदिर से यात्रा को विधिवत रवाना किया। श्रद्धालुओं में यात्रा को लेकर खासा उत्साह नजर आया और पूरा मंदिर परिसर भगवा रंग में रंगा दिखाई दिया। कावड़ यात्रा में युवाओं सहित विभिन्न समाजों के श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। हाथों में भगवा ध्वज, कंधों पर कावड़ और मुख पर 'हर-हर महादेव' का जयघोष यात्रा की विशेष पहचान बना रहा। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने अनुशासन एवं धार्मिक मर्यादा का पालन करते हुए भक्तिभाव से अपनी यात्रा पूरी की। यात्रा की व्यवस्थाओं में शंकर सिंह राजपुरोहित, विक्रम प्रजापत, रमेशकुमार चौधरी, अशोक प्रजापत, भंवरलाल घांची, भगाराम प्रजापत सहित मदुराई के विभिन्न समाजों के कर्मठ कार्यकर्ताओं का विशेष सहयोग रहा। कार्यकर्ताओं ने पूरी यात्रा को सफल, सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

दादा गुरुदेव की जन्म द्विशताब्दी महोत्सव का संदेश लेकर नागदा पहुंचा भरतपुर तीर्थ का प्रतिनिधि मंडल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागदा। गुरु राजेन्द्र की जन्मभूमि राजस्थान की पावन तीर्थभूमि श्री भरतपुर महातीर्थ में आयोजित होने वाले दादा गुरुदेव परम पूज्य श्रीमद् विजय राजेन्द्रसूरीश्वरजी म.सा. की जन्म द्विशताब्दी महोत्सव का भावपूर्ण अग्रिम निमंत्रण लेकर श्री राजेन्द्रसूरि जैन कीर्ति मंदिर तीर्थ, भरतपुर के ट्रस्टीगण नागदा पहुंचे। प्रतिनिधिमंडल ने सर्वप्रथम नागदा में चातुर्मास हेतु विराजमान पूज्य साध्वी श्री अर्हमव्रता श्रीजी म.सा. आदि ठाणा-4 के दर्शन-वंदन कर मांगलिक श्रवण किया तथा दादा गुरुदेव श्री की जन्म द्विशताब्दी के अवसर पर आयोजित होने वाले भव्यातिभव्य महोत्सव का भावपूर्ण अग्रिम निमंत्रण श्रीसंघ को प्रदान किया। अखिल भारतीय श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी ब्रजेश बोहरा ने बताया कि भरतपुर तीर्थ से नागदा पधारे प्रतिनिधिमंडल में तीर्थ ट्रस्ट अध्यक्ष श्री बाबूलालजी लालचंदजी कटारिया संघवी (धानसा-दिल्ली), महामंत्री श्री विमलकुमारजी नैनमलजी वेदमूथा (भूति-सूरत), उपाध्यक्ष श्री शेषमलजी बाबूलालजी क्षत्रीय वोरा (सुराणा-दिल्ली), कोषाध्यक्ष श्री कान्तीलालजी मगराजजी संघवी (आकोली-अहमदाबाद), सहकोषाध्यक्ष श्री राजेन्द्रकुमारजी शंकरलालजी दंगवाड़ा (बड़नगर) तथा सहमहामंत्री श्री मुकेशकुमारजी सोमतमलजी दोशी (भीनमाल-मुंबई) शामिल रहे। इस अवसर पर नागदा श्री श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन श्रीसंघ के अध्यक्ष मनीष ओरा के नेतृत्व में श्रीसंघ के पदाधिकारियों एवं समाजजनों ने भरतपुर तीर्थ के सभी ट्रस्टीगण का आत्मीय बहुमान किया। बहुमान करने वालों में श्रीसंघ उपाध्यक्ष सुरेन्द्र कांकरिया, चातुर्मास समिति अध्यक्ष शरद आंचलिया, ट्रस्टी अभय चोपड़ा, श्री राजेन्द्र सूरि जैन ज्ञान मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष ब्रजेश बोहरा, ट्रस्टी सुभाष गेलड़ा तथा सुरेश ओरा प्रमुख रूप से उपस्थित थे। दादा गुरुदेव श्रीमद् विजय राजेन्द्रसूरीश्वरजी म.सा. की जन्म द्विशताब्दी के उपलक्ष्य में 8 जनवरी से 16 जनवरी 2027 तक भव्यातिभव्य अष्टाह्निका महोत्सव गुरु राजेन्द्र की जन्मभूमि श्री भरतपुर महातीर्थ में आयोजित किया जाएगा।

अहमदाबाद में AMC के दबाव हटाने के अभियान का दोहरा चेहराः नरोदा में छोटे लॉरी-बोरी मालिकों पर सख्त कार्रवाई, बड़े व्यापारियों को सुरक्षा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की एस्टेट टीम ने शहर के नॉर्थ ज़ोन के नरोदा इलाके में गैर-कानूनी कब्ज़ों और पार्किंग के खिलाफ़ बड़ी कार्रवाई की. है। सड़कों और फुटपाथों से कब्ज़ा हटाने के नाम पर,स्ष्ट टीम ने 183 कब्ज़े ज़ब्त किए और 12 गाड़ियां बंद करके 8,100 रुपये का एडमिनिस्ट्रेटिव चार्ज वसूला। लेकिन इस कार्रवाई के बाद अब स्थानीय लोगों में,स्ष्ट की दोहरी नीति और दोहरे चेहरे के खिलाफ़ बहुत गुस्सा है। जब भी,स्ष्ट की एस्टेट टीम कब्ज़ा हटाने निकलती है, तो उनका मुख्य निशाना सिर्फ़ गरीब और आम लॉरी-बोरी मालिक या पत्थर-खंभे वाले होते हैं। रोज़ाना कमाने वाले छोटे व्यापारियों का सामान ज़ब्त कर लिया जाता है और उनकी रोज़ी-रोटी पर सीधा हमला किया जाता है। नरोदा इलाके में भी यही नज़ारा देखने को मिला, जहाँ प्रशासन की खाकी और छत गरीब ट्रक मालिकों को दिखाई गई। स्थानीय लोगों और पीड़ितों का आरोप है कि प्रशासन बड़े शोरूम, कमर्शियल बिल्डिंग और प्रभावशाली व्यापारियों के लगातार दबाव के खिलाफ पूरी तरह चुप है। बड़े शोरूम मालिक सड़क और फुटपाथ पर सामान फेंक देते हैं और उनके ग्राहकों की गाड़ियों के कारण पूरी सड़क पर ट्रैफिक जाम हो जाता है, फिर भी उनके खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जाती। यह बड़ा अंतर दिखाता है कि प्रशासन का मालिकों और बड़े व्यापारियों पर पूरा साया है। AMC ने दावा किया है कि सड़कों और फुटपाथों को दबाव से मुक्त रखने के लिए आने वाले दिनों में भी ऐसा ही सघन अभियान जारी रखा जाएगा। लेकिन जनता अब सवाल पूछ रही है क्या AMC का बुलडोजर कभी बड़े शोरूम के गैर-कानूनी दबावों पर चलेगा? अहमदाबाद के लोगों की मांग है कि अगर सिस्टम सच में ट्रैफिक और दबाव की समस्या को हल करना चाहता है, तो उसे बिना किसी भेदभाव के सभी के खिलाफ बराबर कार्रवाई करनी चाहिए, नहीं तो AMC का यह दोहरा चेहरा और भी सामने आएगा।

महंगाई की मारः गरीबों का कस्तूरी माने जाने वाले प्याज के दाम अचानक आसमान छू रहे हैं, जिससे घर की महिलाओं का बजट बिगड़ रहा है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। शहर समेत पूरे तालुका में महंगाई का दानव दिन-ब-दिन और खतरनाक होता जा रहा है। पेट्रोल, डीजल और ज़रूरी किराने के सामान की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी के बीच, सब्जियों के दाम भी आसमान छू रहे हैं। रसोई की पहचान और गरीबों का कस्तूरी माने जाने वाले प्याज के दाम में अचानक बढ़ोतरी ने आम और मिडिल क्लास परिवारों की कमर तोड़ दी है। प्याज का दाम, जो कुछ समय पहले तक लोकल सब्जी मंडी में ?20 से ?30 प्रति द्मद्द के नॉर्मल दाम पर आसानी से मिल जाता था, आज तेज़ी से बढ़कर ?70 से ?80 प्रति द्मद्द तक पहुंच गया है। कुछ ही दिनों में दाम दोगुने से ज़्यादा होने से घर की महिलाएं शॉपिंग करते समय बहुत कंफ्यूजन में हैं। किचन का स्वाद बिगड़ा, घर की औरतें परेशान प्याज गुजराती खाने का एक ज़रूरी हिस्सा है। चाहे कोई भी सब्ज़ी बनानी हो, दाल-कढ़ी बनानी हो या कच्चे सलाद के तौर पर इस्तेमाल करना हो, प्याज के बिना खाना अधूरा है। लेकिन इस बेहिसाब कीमत बढ़ोतरी ने एक आम परिवार की रसोई का स्वाद पूरी तरह बिगाड़ दिया है। महीने का किचन बजट पूरी तरह बिगड़ जाने से, घर की औरतें अब ज़रूरत से बहुत कम मात्रा में प्याज खरीदने को मजबूर हैं व्यापारियों की राय और इनकम में कमी स्थानीय सब्ज़ी व्यापारियों के अनुसार, हाल ही में उनकी मुख्य इनकम में बड़ी गिरावट आई है। होलसेल मार्केट और मंडियों से आने वाले प्याज की इनकम में कमी और लिमिटेड सप्लाई के कारण रिटेल मार्केट में इतनी बड़ी कीमत में बढ़ोतरी देखी जा रही है। ऐसा माना जा रहा है कि अगर आने वाले दिनों में नई इनकम शुरू नहीं हुई, तो कीमत और बढ़ सकती है। प्याज जो आम आदमी को असल में रुलाता है एक तरफ महंगाई का दबाव और दूसरी तरफ प्याज की आसमान छूती कीमत ने अब गरीब और मिडिल क्लास के लिए घर चलाना एक बहुत बड़ी चुनौती बना दिया है। प्याज, जिसे पहले गरीबों का सहारा माना जाता था, आज महंगा हो रहा है और सचमुच आम आदमी की आंखों में आंसू ला रहा है। लोग अब सरकार से महंगाई पर लगाम लगाने और राहत देने की मांग कर रहे हैं।

मॉडर्निटी या मेंटल डिसऑर्डर? 'वाइफ स्वैपिंग' और शादी के ऑनलाइन अंधेरे कोने इस संस्था के शिकार हैं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। आज के मॉडर्न ज़माने में सोशल मीडिया और डिजिटल टेक्नोलॉजी जितनी काम की साबित हो रही है, उतनी ही इसका बहुत ही काला और हवस भरा चेहरा भी सामने आ रहा है। भारतीय संस्कृति में शादी सिर्फ़ एक कॉन्ट्रैक्ट नहीं बल्कि सात जन्मों का पवित्र रिश्ता है। लेकिन आज के 'हाई-फाई' समाज कल्चर और ऑनलाइन सीक्रेट ग्रुप्स की आड़ में एक ऐसा गलत खेल खेला जा रहा है जिसने नैतिक पतन की सारी हदें पार कर दी हैं। सोशल मीडिया और खासकर टेलीग्राम जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर 'वाइफ स्वैपिंग इंडिया ', 'वाइफ स्वैपिंग गुजरात ', 'कपल्स स्वैपिंग क्लब' और 'रियल मीट गुजरात' जैसे नामों वाले पब्लिक और प्राइवेट ग्रुप्स खूब फल-फूल रहे हैं। शाइनी वर्डप्लेः एडवर्टाइजमेंट में 'बहुत खुले विचारों वाला कपल ', 'कोई सोशल कॉम्प्लिकेशन नहीं' और 'ओपन रिलेशनशिप' जैसे गुमराह करने वाले शब्दों का इस्तेमाल किया जाता है। बोली लगाना और खरीदना-बेचनाः इन सीक्रेट ग्रुप्स में, लोग अपने जीवनसाथी की फोटो और डिटेल्स शेयर करके दूसरे कपल्स से 'वाइफ स्वैपिंग' के लिए बातचीत करते हैं। ऑनलाइन मीडिया अब खराब सोच वाले लोगों के लिए एक अड्डा बन गया है, जहां भरोसे और सीमाओं की खुलेआम नीलामी होती है। ऐसे प्राइवेट क्लब बड़े शहरों के पॉश इलाकों, फार्महाउस और सीक्रेट रिसॉर्ट्स में चलाए जाते हैं। जहां लोग चेहरे पर 'नकाब' पहनकर इकट्ठा होते हैं और अंधेरे कमरों में अपने पार्टनर बदलते हैं। यह अब पैसे, प्रॉपर्टी और स्टेटस के अहंकार में अंधे एक खास वर्ग के लिए 'लाइफस्टाइल' या 'शौक' बनता जा रहा है। इस ब्लैक बिजनेस का सबसे दर्दनाक पहलू महिलाओं का शोषण है। 1. पत्नियों पर बहुत ज़्यादा दबावः मतलबी सोच वाले पति अपनी पत्नियों को मेंटली और फिजिकली ऐसी गलत आदतों में शामिल होने के लिए मजबूर करते हैं। जो औरतें मना करती हैं, उन्हें नशा देकर या प्राइवेट वीडियो-फोटो से ब्लैकमेल करके इस गंदगी में धकेल दिया जाता है। लोग समाज में शादीशुदा होने का दिखावा करते हैं और बाद में अपनी पत्नियों का अपने ही दोस्तों या अनजान लोगों से शोषण करवाते हैं। जो बात शुरू में मज़ाक, फैशन या शर्म के तौर पर शुरू होती है, वह धीरे-धीरे दिमाग में एक मेंटल बीमारी और ज़हर की तरह जड़ें जमा लेती है। साइबर क्राइम और पुलिस सिस्टम के लिए अब समय आ गया है कि वे ऐसे ब्लैक ऑनलाइन नेटवर्क पर डिजिटल सर्जिकल स्ट्राइक करें।

भायली गैंगरेप केस में ऐतिहासिक इंसाफः सभी पांचों दोषियों को उम्रकैद की सजा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। वडोदरा स्पेशल POCSO कोर्ट ने नवरात्रि की रात हुए पूरे गुजरात को हिला देने वाले खौफनाक भायली गैंगरेप केस में ऐतिहासिक और मिसाल देने वाला फैसला सुनाया है। साल 2024 में दूसरे नवरात्रि की रात गरबा खेलकर लौट रही नाबालिग से गैंगरेप करने वाले सभी पांचों आरोपियों को आखिरी सांस तक सश्रम उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। कोर्ट ने सभी आरोपियों पर भारी जुर्माना भी लगाया है। इस फैसले से आखिरकार पीड़िता और उसके परिवार को इंसाफ मिला है, वहीं अपराधियों पर समाज पर एक बड़ा कानूनी चाबुक चला है। अक्टूबर 2024 में नवरात्रि की दूसरी रात, भायली इलाके में गरबा खेलकर अपनी दोस्त के साथ लौट रही एक 16 साल की लड़की को इन अपराधियों ने एक अनजान जगह पर घेर लिया।धमकी और टॉर्चरः आरोपी मुन्ना अब्बास बंजारा, ममताज उर्फ आफताब बंजारा, शाहरुख बंजारा, सैफ अली बंजारा और अजमल बंजारा नाम के पांच अपराधी बाइक पर आए और लड़की और उसकी दोस्त को धमकाया। जुल्म की हदः गाड़ी की चाबी छीनने के बाद, परिवार को बताने की धमकी देते हुए, नाबालिग के दोस्त को पीटा गया और उन पांचों ने बारी-बारी से मासूम नाबालिग के साथ गैंगरेप किया। घटना के बाद वडोदरा समेत पूरे गुजरात राज्य में गुस्से का ज्वालामुखी फूट पड़ा। वडोदरा पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए तंदलजा इलाके के रहने वाले सभी पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। जांच के दौरान, पुलिस ने करीब 45 गवाहों के बयान दर्ज किए। कोर्ट के सामने 350 से ज़्यादा फिजिकल और साइंटिफिक सबूत जैसे फॉरेंसिक साइंस पीड़िता के कपड़ों पर मिले ष्ठहृ्र मैचिंग और ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज पेश किए गए। सरकारी वकील और उनकी टीम ने कोर्ट में मज़बूत दलीलें दीं कि ऐसे अपराधी समाज के लिए कैंसर की तरह हैं और उन्हें किसी भी हालत में दया का हकदार नहीं माना जा सकता।

पर्युषण पर्व पर ई-अटेंडेंस में छूट और मांस दुकानें-बूचड़खाने बंद कराने की मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल/इंदौर। सकल जैन समाज के आगामी पर्यूषण महापर्व को लेकर राष्ट्रीय जिनशासन एकता संघ ने मध्यप्रदेश सरकार से दो प्रमुख मांगें उठाई हैं। संघ के प्रचारक राजेश जैन दद्दू और केंद्रीय संघ नायक राकेश जैन गोहिल ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर इस पर त्वरित कार्रवाई का आग्रह किया है। एवं सरकार के पुर्व आदेश का महापर्व पर सरकार अमल कराएं। 1. ई-अटेंडेंस ऐप में आ रही बाधा, पुराने आदेश का पालन हो। संघ के मंयक जैन ने बताया कि शासन के दो पुराने आदेश आज भी प्रभावी हैं आदेश क्र. रू3-5/1990/1/4 दिनांक 17 जनवरी 1992 के अनुसार सकल जैन समाज के पर्युषण पर्व के दौरान जैन कर्मचारियों को दोपहर 12 बजे तक उपस्थिति की छूट है। आदेश क्र. रू3-15/85/1/4 दिनांक 2 अगस्त 1985 के अनुसार अनंत चतुर्दशी पर विशेष आकस्मिक अवकाश का प्रावधान है।परंतु वर्तमान में लागू ई-अटेंडेंस ऐप में सुबह 10:45 बजे तक ही पंचिंग और 6 घंटे उपस्थिति अनिवार्य होने से जैन कर्मचारी पूजा-अर्चना के बाद कार्यालय पहुंचने पर अनुपस्थित माने जा रहे हैं। प्रशासन की ढिलाई से पर्वों पर भी दुकानें खुली रहती हैं। भारत वर्षीय सकल जैन समाज की मांग है कि आगामी पर्यूषण महापर्व के दौरान सभी अभक्ष्य (मांस-मटन) दुकानों, बूचड़खानों को बंद रखने का सख्त आदेश जारी हो। पर्व से 2 दिन पूर्व ही नगर निगम, नगरपालिका, पंचायतों को लिखित निर्देश दिए जाएं तथा गोवंश वध और अवैध पशु परिवहन पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित हो। राष्ट्रीय जिन शासन, भारत वर्षीय सकल जैन समाज, एवं सोशल ग्रुप फेडरेशन एवं महिला परिषद् की संभागीय अध्यक्ष श्रीमती मुक्ता जैन ने कहा - पर्यूषण महापर्व सकल जैन समाज का सबसे बड़ा आत्मशुद्धि पर्व है, इसकी पवित्रता बनाए रखने के लिए शासन प्रशासन का सहयोग आवश्यक है।

पाटन में लाठा जैसे हालात का डर? चांसमा के दो गांवों में देसी शराब पीने से 2 लोगों की मौत, पुलिस के काम पर गंभीर सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात। कागजों पर सख्त शराब बैन के दावों के बीच, पाटन जिले से एक बहुत ही चौंकाने वाली और डरावनी खबर सामने आई है। चांसमा तालुका के दो अलग-अलग गांवों में देसी शराब पीने से 2 लोगों की दुखद मौत से पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई है। इस घटना के बाद, पाटन इलाके में एक बार फिर पहले की लाठा घटना जैसी भयानक स्थिति का डर फैल गया है। मिली जानकारी के मुताबिक, चांसमा तालुका के गांवों में देसी शराब पीने के बाद दो अलग-अलग लोगों की तबीयत अचानक बिगड़ गई। दोनों की गंभीर हालत में इलाज मिलने से पहले ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों के मुताबिक, इस बात की पूरी संभावना है कि यह हादसा जहरीली या केमिकल वाली शराब पीने से हुआ हो। इस घटना से मृतकों के परिवारों में बहुत दुख और गुस्सा है। पुलिस और वसूली के खिलाफ लोगों में गुस्सा गांधी के गुजरात में शराबबंदी के बावजूद, हर कोने में देसी और विदेशी शराब का काला धंधा फल-फूल रहा है, यह अब किसी से छिपा नहीं है। इस घटना के बाद, लोकल पुलिस की निष्क्रियता और काम पर कई तीखे सवाल उठे हैं। गंभीर आरोप लग रहे हैं कि खाकी की छत्रछाया में शराब तस्कर बिना किसी झिझक के जहरीली शराब बेच रहे हैं। क्या पुलिस डिपार्टमेंट की लापरवाही और वसूली की वजह से इन बेगुनाह लोगों की जान गई है? जनता ऐसे ही कड़े सवाल पूछ रही है। जैसे ही दो मौतों की खबर जंगल में आग की तरह फैली, पुलिस और एडमिनिस्ट्रेटिव सिस्टम में भारी हलचल मच गई है। घटना की गंभीरता को देखते हुए, बड़े पुलिस अधिकारियों का काफिला मौके पर पहुंच गया है और पूरे मामले को दबाने या जोरदार जांच शुरू करने की कोशिश कर रहा है। लोकल लोगों में चर्चा है कि अगर सही जांच नहीं हुई, तो आने वाले समय में बड़ी लिंचिंग की घटना हो सकती है जिसमें बड़ी मौतें हो सकती हैं। असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कब होगी.

भारत की अर्थव्यवस्था ने फिर पकड़ी रफ्तार, 7.8 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि ने जगाई नई उम्मीद

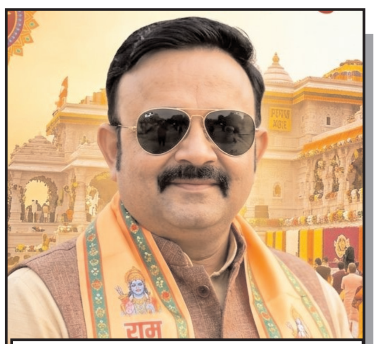

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

विनोद सिंह 'तकियावाला'

> आँकड़ों की चमक तभी सार्थक होगी जब उसकी रोशनी देश के अंतिम व्यक्ति के घर तक पहुँचे। भारत की अर्थव्यवस्था की असली ताकत केवल लाखों करोड़ रुपये की जीडीपी में नहीं, बल्कि उस जीडीपी से पैदा होने वाले अवसरों में है। इसलिए अब चुनौती विकास की गति को बनाए रखने से आगे बढ़कर उसे रोजगारपरक, समावेशी और जनकल्याणकारी बनाने की है।

विकास के आँकड़े उत्साहजनक, मगर असली चुनौती रोजगार, आमदनी और आम आदमी की खुशहाली तक आर्थिक रफ्तार पहुँचाने की...

भारतीय अर्थव्यवस्था ने एक बार फिर दुनिया को अपनी आर्थिक मजबूती का एहसास कराया है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में जारी अनिश्चितता,भू-राजनीतिक तनाव, व्यापारिक चुनौतियों और बदलती वैश्विक परिस्थितियों के बीच वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही यानी अप्रैल से जून के दौरान भारत की वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद यानी GDP वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत दर्ज की गई है। केन्द्र सरकार के सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों ने भारतीय अर्थव्यवस्था की तस्वीर को एक बार फिर उम्मीद से भर दिया है।

स्थिर कीमतों पर पहली तिमाही में वास्तविक GDP 81.36 लाख करोड़ रुपये आंकी गई है, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह 75.46 लाख करोड़ रुपये थी। मौजूदा कीमतों पर नाममात्र GDP 88.27 लाख करोड़ रुपये रही, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 10.3 प्रतिशत की वृद्धि दशार्ती है।वहीं वास्तविक GVA 73.82 लाख करोड़ रुपये रहा और इसमें 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। नाममात्र GVA में 11.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।आँकड़ों की यह तस्वीर निश्चित रूप से उत्साह बढ़ाने वाली है। मगर आर्थिक विकास की असली कहानी केवल GDP की ऊँची दर में नहीं छिपी होती। सवाल यह भी है कि आर्थिक विकास की यह रफ्तार देश के गांवों, कस्बों, छोटे कारोबारियों, किसानों, मजदूरों और युवाओं के जीवन में कितनी दिखाई देती है। अर्थव्यवस्था का आकार बढ़ना महत्वपूर्ण है, मगर उस बढ़ती अर्थव्यवस्था में आम आदमी की हिस्सेदारी बढ़ना उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है।

भारत की आर्थिक विकास यात्रा में सेवा क्षेत्र लगातार महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।वित्तीय, रियल एस्टेट, सूचना प्रौद्योगिकी और पेशेवर सेवाओं सहित सेवा क्षेत्र की गतिविधियों ने आर्थिक विस्तार को गति दी है। पहली तिमाही में व्यापक सेवा क्षेत्र की वास्तविक GVA वृद्धि 10 प्रतिशत रही, जबकि वित्तीय, रियल एस्टेट, क्ळ और पेशेवर सेवाओं से जुड़े क्षेत्र में 12.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

विनिर्माण और निर्माण क्षेत्र की स्थिति भी अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण संकेत दे रही है। द्वितीयक क्षेत्र में वास्तविक वृद्धि 8.6 प्रतिशत रही। पूंजीगत वस्तुओं के औद्योगिक उत्पादन में 15.2 प्रतिशत, विद्युत उपकरणों के विनिर्माण में 27 प्रतिशत और अन्य परिवहन उपकरणों के विनिर्माण में 19.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इलेक्ट्रॉनिक तथा ऑप्टिकल उत्पादों के विनिर्माण में भी 12.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

इन आँकड़ों को भारत के बदलते औद्योगिक स्वरूप से जोड़कर देखा जाना चाहिए। देश अब केवल सेवा आधारित अर्थव्यवस्था के सहारे आगे बढ़ने की कोशिश नहीं कर रहा है, बल्कि विनिर्माण, इलेक्ट्रॉनिक्स, परिवहन उपकरण, विद्युत उपकरण और मशीनरी जैसे क्षेत्रों में उत्पादन क्षमता बढ़ाने की दिशा में भी आगे बढ़ रहा है। आत्मनिर्भर भारत की आर्थिक सोच के लिए यह बदलाव महत्वपूर्ण है।

निवेश के मोर्चे पर भी आँकड़े उम्मीद जगाते हैं। पहली तिमाही में सकल स्थिर पूंजी निर्माण में 11.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। यह संकेत देता है कि उत्पादन क्षमता बढ़ाने, मशीनरी, संयंत्र और बुनियादी ढांचे में निवेश की गतिविधियां जारी हैं। निजी अंतिम उपभोग व्यय में भी 7.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है।

आर्थिक विकास का पहिया तभी तेजी से घूमता है जब निवेश और उपभोग दोनों साथ-साथ आगे बढ़ें। निवेश से उत्पादन क्षमता बढ़ती है और उपभोग से बाजार में मांग पैदा होती है। मांग बढ़ती है तो उद्योग उत्पादन बढ़ाते हैं, उत्पादन बढ़ता है तो रोजगार और आय के अवसर पैदा होने की संभावना बढ़ती है। इसलिए पहली तिमाही के आंकड़ों में निवेश और उपभोग की मजबूती को विशेष महत्व देना होगा।

ग्रामीण भारत की तस्वीर भी इस आर्थिक कहानी का अहम हिस्सा है। प्राथमिक क्षेत्र की वास्तविक वृद्धि 2.9 प्रतिशत रही, जबकि कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों में 3.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। भारत की अर्थव्यवस्था में कृषि की भूमिका आज भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। कृषि क्षेत्र का प्रदर्शन सीधे ग्रामीण मांग से जुड़ता है और ग्रामीण मांग का प्रभाव छोटे दुकानदारों, स्थानीय बाजारों, परिवहन, निर्माण और उपभोक्ता वस्तुओं तक दिखाई देता है।

निर्यात के आँकड़े भी भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक संकेत दे रहे हैं। पहली तिमाही में वस्तुओं और सेवाओं के निर्यात में 25.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। परिवहन वस्तुओं के निर्यात में 52.2 प्रतिशत और मशीनरी एवं उपकरणों के निर्यात में 31.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह भारत की वैश्विक बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने की कोशिशों का संकेत है।

हालाँकि दूसरी तरफ आयात में भी तेज वृद्धि हुई है। वस्तुओं और सेवाओं के आयात में 30.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। मशीनरी और उपकरणों के आयात में 51.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसे एक ओर देश में निवेश और उत्पादन की बढ़ती जरूरत के रूप में देखा जा सकता है,वहीं दूसरी ओर आयात निर्भरता कम करने की चुनौती भी इससे जुड़ी हुई है।भारत के लिए आने वाला समय इसलिए केवल तेज आर्थिक वृद्धि का नहीं, बल्कि उस वृद्धि की गुणवत्ता का भी समय है। GDP की 7.8 प्रतिशत वृद्धि निश्चित रूप से उपलब्धि है, मगर क्या यह वृद्धि पर्याप्त रोजगार पैदा कर रही है? क्या युवाओं को उनकी योग्यता के अनुरूप अवसर मिल रहे हैं? क्या किसानों और ग्रामीण परिवारों की वास्तविक आय बढ़ रही है? क्या छोटे और मध्यम उद्योग इस आर्थिक विस्तार का पर्याप्त लाभ उठा रहे हैं? ये प्रश्न भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पहले भी GDP के मजबूत आंकड़ों को अर्थव्यवस्था की मजबूती, सुधारों की सफलता और देशवासियों की मेहनत से जोड़ चुके हैं। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की वास्तविक GDP वृद्धि 7.7 प्रतिशत रही थी और उसकी चौथी तिमाही में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई थी। पहली तिमाही में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि यह संकेत देती है कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने अपनी गति को बनाए रखा है।मगर वैश्विक परिस्थितियां लगातार बदल रही हैं। कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में बदलाव, व्यापारिक तनाव और अंतरराष्ट्रीय बाजार में मांग की अनिश्चितता भारत के सामने आने वाली चुनौतियां हैं। इसलिए आर्थिक विकास को केवल सरकारी खर्च या किसी एक क्षेत्र के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। निजी निवेश, घरेलू मांग, निर्यात, विनिर्माण और रोजगार के बीच संतुलन बनाना होगा।

सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है कि GDP की इस रफ्तार को टिकाऊ बनाया जाए। बुनियादी ढांचे पर निवेश जारी रखना होगा, एमएसएमई को वित्त और बाजार उपलब्ध कराने होंगे, विनिर्माण क्षेत्र को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाना होगा और युवाओं को रोजगार योग्य बनाने के लिए कौशल विकास पर और अधिक ध्यान देना होगा। आज भारत दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में अपनी जगह मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। मगर दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्था बनना और देश के हर नागरिक के जीवन को बेहतर बनाना दो अलग-अलग लक्ष्य नहीं हो सकते। दोनों को साथ लेकर चलना होगा।

GDP का आँकड़ा जब 7.8 प्रतिशत की वृद्धि की कहानी सुनाता है तो देश को निश्चित रूप से गर्व होना चाहिए। मगर उस आंकड़े की असली सफलता तब होगी जब किसान की आय में सुधार दिखाई दे, मजदूर की मजदूरी और रोजगार की सुरक्षा बढ़े, छोटे व्यापारी के कारोबार में रौनक लौटे, युवाओं को रोजगार मिले और मध्यम वर्ग के परिवार को महँगाई तथा भविष्य की चिंता से राहत मिले।भारत की अर्थव्यवस्था ने पहली तिमाही में मजबूत शुरूआत की है। निवेश बढ़ा है, उपभोग बढ़ा है, विनिर्माण में गति दिखाई दे रही है, सेवाएं मजबूत हैं और निर्यात में उल्लेखनीय विस्तार हुआ है। ये सभी संकेत भारत के आर्थिक भविष्य के लिए उम्मीद जगाते हैं।

मगर आर्थिक विकास की असली मंजिल अभी दूर है। 7.8 प्रतिशत की विकास दर मंजिल नहीं, बल्कि उस लंबी यात्रा का एक पड़ाव है जिसमें भारत को आर्थिक रूप से मजबूत होने के साथ सामाजिक रूप से अधिक समावेशी भी बनना है।

आँकड़ों की चमक तभी सार्थक होगी जब उसकी रोशनी देश के अंतिम व्यक्ति के घर तक पहुँचे। भारत की अर्थव्यवस्था की असली ताकत केवल लाखों करोड़ रुपये की GDP में नहीं, बल्कि उस GDP से पैदा होने वाले अवसरों में है। इसलिए अब चुनौती विकास की गति को बनाए रखने से आगे बढ़कर उसे रोजगारपरक, समावेशी और जनकल्याणकारी बनाने की है।

पहली तिमाही के 7.8 प्रतिशत के आंकड़े ने उम्मीद का दरवाजा खोल दिया है। अब जरूरत इस दरवाजे से आगे बढ़कर ऐसी आर्थिक व्यवस्था बनाने की है जिसमें विकास के आंकड़े और आम आदमी की जिंदगी के आंकड़े एक-दूसरे से अलग दिखाई न दें।आलेख में GDP, GVA, निवेश, उपभोग, कृषि, विनिर्माण और निर्यात के आंकड़े उसी नई GDP श्रृंखला (आधार वर्ष 2022-23) के अनुरूप रखे गए हैं,जिसे MoSPI ने फरवरी 2026 में जारी किया था।

संपादकीय

डिजिटल जाल में बचपन

भारत में लंबे समय से अभिभावक, शोध निष्कर्ष और मीडिया बता रहा था कि बच्चों पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का घातक प्रभाव पड़ रहा है। लेकिन हमारे नीति-नियंता इस तरह के मामलों में तब ध्यान देते हैं जब इस बाबत निष्कर्ष पश्चिमी देशों, खासकर अमेरिका से आएं। फेसबुक और इंस्टाग्राम से बच्चों को हुए नुकसान को लेकर पिछले दिनों अमेरिका की अदालतों में वाद दायर किए गए। इस बाबत किए गए दावों के बाद मेटा को 18 अरब डॉलर तक भुगतान करने का फैसला अदालतों ने दिया। इस जुमार्ने से इस बात को भी मान्यता मिली है कि नुकसान सिर्फ सोशल मीडिया के इस्तेमाल के तरीके से ही नहीं होता, बल्कि उसके डिजाइन से भी हो सकता है। आरोप लगे थे कि इन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि बच्चों को इसकी लत लग जाती है। दरअसल, यह निष्कर्ष महत्वपूर्ण है कि किस तरह बच्चों को उपभोक्ता में तब्दील किया जा रहा है। चिंता की बात यह है कि माता-पिता स्क्रीन टाइम को तो सीमित कर सकते हैं, लेकिन वे उन एल्गोरिदम को नहीं देख सकते हैं, जो यह तय करते हैं कि उन घंटों के दौरान बच्चा क्या देखता है। दरअसल, इन प्लेटफॉर्म द्वारा बड़ी ही चालकी से इनफिनेट स्क्रॉलिंग, पर्सनलाइज्ड रिकमेंडेशन, नोटिफिकेशन, लाइक्स और दूसरे एंगेजमेंट टूल इस तरह डिजाइन किए जाते हैं कि वे बच्चों का बार-बार ध्यान खींचें और उन्हें छोटी स्क्रीन पर वापस लाएं। दरअसल, अभिभावकों ने अमेरिकी अदालत में कहा कि प्रश्न यह नहीं है कि बच्चे अधिक समय तक ऑनलाइन रहते हैं, बल्कि यह है कि प्लेटफॉर्म को बच्चों को लत लगाने के लिये डिजाइन किया गया है। मेटा ने कुछ सुरक्षा उपायों को लेकर प्रस्ताव रखे हैं, जिसमें रोजाना की सीमाएं, रात के समय की पाबंदियां तथा लगातार बढ़ावा देने वाले फीचर्स में बदलाव शामिल है। लेकिन इसके बावजूद कंपनी का विज्ञापन आधारित बिजनेस मॉडल काफी हद तक वैसा ही बना रहेगा। इससे अभिभावकों की चिंता बढ़ी है कि जब तक कंपनी का व्यावसायिक मॉडल नहीं बदलेगा, सकारात्मक नतीजों की उम्मीद बेमानी होगी। अमेरिका में अभिभावकों की जीत के बाद भारत को सबक लेते हुए जल्दबाजी में इस पर पूरी तरह बैन लगाने से बचना चाहिए। सारी जिम्मेदारी अभिभावकों की भी न हो। इसके लिये जो डिजिटल नियम बनें, उनमें प्लेटफॉर्म्स को प्रोडक्ट डिजाइन से होने वाले संभावित नुकसान हेतु जवाबदेह बनाना चाहिए। साथ ही बच्चों को लक्षित करने वाले व्यवहार संबंधी विज्ञापनों पर सख्त रोक लगानी चाहिए। बच्चों द्वारा प्रयुक्त किए जाने वाले रिकमेंडेशन सिस्टम का स्वतंत्र ऑडिट हो। वहीं उम्र की पुष्टि करने वाले सिस्टम को बच्चों की निजी जानकारी का ऐसा डेटाबेस नहीं बनाना चाहिए, जो उनकी निजता में हस्तक्षेप कर सके। फोन में सेप्टी सेटिंग्स हमेशा विद्यमान रहनी चाहिए, ताकि मां-बाप को माथापच्ची कर-के उसे ढूंढ कर चालू न करना पड़े। निस्संदेह, जिन प्लेटफॉर्म्स के पास बच्चों को लत लगाने की तकनीक है, उनके पास ही नुकसान को कम करने की तकनीक भी है। अतः जिम्मेदारी प्लेटफॉर्म की हो।

चिंतन-मनन

ध्यान से खुल जाते हैं आत्मा के सारे चक्र

उपदेशों और सिद्धांतों की इतनी भरमार है कि परमात्मा को अर्थात अपने जीवन के परम लक्ष्य को ढूंढना घास में से सुई खोजने के बराबर हो गया है। कुछ लोगों के लिए आध्यात्मिकता, माया से मुक्त होने का साधन है तो कुछ लोगों के लिए यह तप और भक्ति से भी अधिक उच्च स्तर का मार्ग है। भले ही परमलक्ष्य तक पहुंचने के विभिन्न मार्ग क्यों न हों, लेकिन योग उनमें किसी प्रकार का भेद नहीं करता। एक योगी के लिए यह संपूर्ण सृष्टि किसी नाटक के समान है। चरित्रों और दृष्यों से प्रभावित हुए बिना इस नाटक का अनुभव करना ही परम उद्देश्य है। आवश्यकता कर्म से ऊपर उठने की है। कृष्ण ने अपनी लीला से इस महत्व को समझाया कि नाटक के मोह में नहीं बंधना है। न ही इससे प्रभावित होना है। यही निष्काम कर्म है। जो सुख- दुःख से परे रखता है। मनुष्य में आध्यात्मिक उत्थान की प्रक्रिया शुरू होती और आगे बढ़ती है तो आत्मा विभिन्न चक्रों और जीवन के पहलुओं से होते हुए निरंतर आरोहण करने लगती है।

हिमालय के ग्लेशियर और हिमस्खलनः विकास की कीमत कहीं विनाश तो नहीं?

सनत जैन

हिमालय केवल भारत, नेपाल, भूटान, चीन और पाकिस्तान की भौगोलिक सीमा नहीं है, बल्कि यह एशिया की जलवायु, नदियों, जैव-विविधता और करोड़ों लोगों के जीवन का आधार है। पिछले तीन दशकों में विकास के नाम पर जिस तेजी से पहाड़ों को काटा गया, जंगलों को कम किया गया, नदियों के प्राकृतिक प्रवाह में हस्तक्षेप हुआ और अत्याधिक निर्माण किया गया, उसके परिणाम अब इनक्रीसिंगली दिखाई देने लगे हैं। ग्लेशियरों का सिकुड़ना, हिमस्खलन, अचानक बाढ़, बादल फटना और पहाड़ों का दरकना अब अलग-अलग घटनाएं नहीं रह गई हैं, बल्कि एक बड़े पर्यावरणीय संकट की चेतावनी हैं। हिमालय की पारिस्थितिकी अत्यंत संवेदनशील है। यहां सड़क, सुरंग, बांध, होटल, रिसॉर्ट और अन्य निर्माण यदि वैज्ञानिक क्षमता और स्थानीय भौगोलिक परिस्थितियों को नजरअंदाज करके किए जाएं तो उनका प्रभाव केवल उस क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता। एक पहाड़ का कमजोर होना पूरी घाटी के जलप्रवाह को बदल सकता है। मलबा नदी में पहुंचकर उसका मार्ग रोक सकता है। देखते ही देखते शांत नदी विनाशकारी बाढ़ का रूप ले सकती है। कहीं नदी का रास्ता बदल जाता है तो कहीं मलबे और चट्टानों का नया पहाड़ खड़ा हो जाता है। सबसे गंभीर चिंता जलवायु परिवर्तन की है। वैश्विक तापमान में वृद्धि का सीधा प्रभाव हिमालय के ग्लेशियरों पर पड़ रहा है। ग्लेशियरों का पीछे हटना केवल बर्फ के कम होने की कहानी नहीं है। यही ग्लेशियर सिंधु, गंगा और ब्रह्मपुत्र जैसी विशाल नदी प्रणालियों को पानी उपलब्ध कराते हैं। यदि हिमनदों का संतुलन बिगड़ता है तो आने वाले समय में एक तरफ अचानक बाढ़ और दूसरी तरफ जल-संकट दोनों का खतरा बढ़ सकता है। इस संकट का असर केवल मनुष्य पर नहीं होगा। हिमालय हजारों वनस्पतियों, पशु-पक्षियों और सूक्ष्म जीवों का घर है। तापमान और वर्षा के पैटर्न में बदलाव से जैविक संरचना बदल रही है। कुछ प्रजातियां ऊंचाई की ओर जाने को मजबूर होंगी, कुछ के लिए ऐसा करना संभव नहीं होगा। जंगलों की संरचना बदलेगी और उसके साथ पूरी खाद्य-श्रृंखला प्रभावित हो सकती है। प्रकृति का कोई भी हिस्सा अलग-थलग नहीं है। एक परिवर्तन दूसरे परिवर्तन को जन्म देता है। दुर्भाग्य यह है कि पर्यावरणीय चेतावनियां वैज्ञानिक वर्षों से दे रहे हैं, लेकिन विकास की हमारी परिभाषा अभी भी सड़क, पुल, भवन और ऊर्जा परियोजनाओं की संख्या से तय होती है। सवाल यह नहीं है कि विकास होना चाहिए या नहीं। सवाल यह है कि क्या ऐसा विकास होना चाहिए जो आने वाली पीढ़ियों के अस्तित्व को ही खतरे में डाल दे? भारत, नेपाल, चीन और पाकिस्तान के लिए हिमालय साझा प्राकृतिक व्यवस्था है। राजनीतिक सीमाएं अलग हो सकती हैं, लेकिन ग्लेशियर, नदियां, हवा और मौसम सीमाओं को नहीं मानते। नेपाल में होने वाली हिमालयी आपदा का प्रभाव भारत तक पहुंच सकता है और हिमालय में होने वाला पर्यावरणीय परिवर्तन पूरे दक्षिण एशिया की जल-सुरक्षा को प्रभावित कर सकता है। इसलिए अब इन देशों को राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर साझा हिमालय नीति बनानी होगी। ग्लेशियरों की लगातार निगरानी, वैज्ञानिक आधार पर निर्माण, संवेदनशील क्षेत्रों में निर्माण पर प्रतिबंध, जंगलों की रक्षा, नदी के प्राकृतिक मार्गों को सुरक्षित रखना और आपदा की पूर्व चेतावनी प्रणाली को मजबूत करना समय की आवश्यकता है।

अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं को भी केवल सम्मेलन और घोषणाओं तक सीमित रहने के बजाय उत्सर्जन और पर्यावरण संरक्षण के लक्ष्यों के वास्तविक पालन की निगरानी करनी होगी। प्रकृति को जीतने की वस्तु समझना मानव सभ्यता की सबसे बड़ी भूल है। ब्रह्मांड एक है, धरती एक है, उसकी प्राकृतिक व्यवस्था भी एक-दूसरे से जुड़ी हुई है। सीमाएं मनुष्य ने बनाई हैं, प्रकृति ने नहीं। यदि धन, सत्ता और सुविधा के लिए हम हिमालय जैसे प्राकृतिक सुरक्षा कवच को लगातार कमजोर करते रहे तो आने वाली पीढ़ियां हमें विकास का निमार्ता नहीं, बल्कि विनाश की नींव रखने वाली पीढ़ी के रूप में याद करेंगी। समय अभी भी हमारे हाथ में है। हिमालय को बचाना केवल पहाड़ों को बचाना नहीं है। यह पानी, मौसम, जैव-विविधता, अर्थव्यवस्था और मानव सभ्यता के भविष्य को बचाना है। इसके लिए जिम्मेदारी और बेहतर सोच तथा समन्वय की जरूरत है।

ईश्वर तक पहुँचने की असली कतारः मंदिर की लाइन या मानवता की सेवा? (सिफ़ारिश या सच्ची भावना?)

आज के समय में मंदिरों के बाहर कई किलोमीटर लंबी कतारें देखने को मिलती हैं। उस भीड़ के बीच इंसान अधीर होकर VIP पास या जान-पहचान की 'सिफ़ारिश' (लागवग) तलाशता रहता है, ताकि कतार तोड़कर जल्दी आगे निकल सके। पैसे और रुतबे से मिला यह शॉर्टकट शरीर को कुछ पलों के लिए गर्भगृह के करीब ज़रूर ले जाता है, लेकिन सवाल यह है कि क्या इससे ईश्वर के साथ की दूरी सच में कम होती है?

परमात्मा किसी धनवान या विशेषाधिकार वाले व्यक्ति के मोहताज नहीं हैं। ईश्वर के दरबार में जेब का वज़न या सिफ़ारिश नहीं, बल्कि हृदय की 'सच्ची भावना' और शुद्ध भाव देखा जाता है। अगर ईश्वर तक पहुँचने की कतार सच में छोटी करनी है, तो उसका एकमात्र मार्ग हैः पीड़ित, भूखे और ज़रूरतमंद की निःस्वार्थ सेवा और सत्कर्म।

'वैष्णव जन तो तेने कहिये जे पीड़ पराई जाणे रे...' – नरसिंह मेहता

एक संत भगवान के लिए भोग की थाली लेकर मंदिर जा रहे थे। रास्ते में एक असहाय वृद्ध भूख और प्यास से तड़प रहा था। संत ने बिना एक पल गंवाए थाली में रखे फल और जल उस वृद्ध को प्रेमपूर्वक खिला-पिला दिए। जब वे खाली हाथ मंदिर पहुँचे, तो पुजारी ने पूछा, 'महाराज, भगवान के लिए भोग कहाँ है?' संत ने मुस्कुराकर बेहद सुंदर उत्तर दियाः 'मैं मंदिर पहुँचता, उससे पहले ही भगवान रास्ते में भूखे बनकर मिल गए थे, और मैंने उन्हें तृप्त कर दिया! यही सनातन सत्य है। जब हम किसी बेसहारा को सहारा, भूखे को अन्न या निराश व्यक्ति को हिम्मत देते हैं, तो वह सीधा परमात्मा का ही सत्कार बनता है।

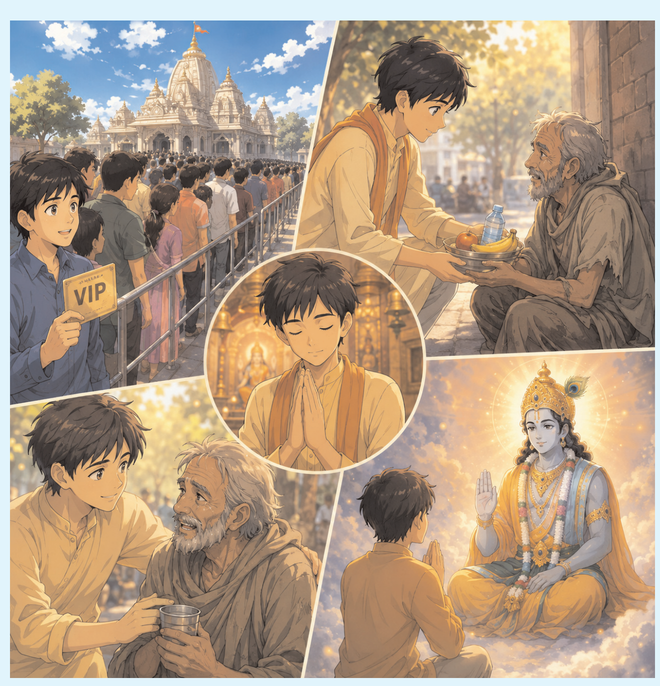

सेवा और भावना से ईश्वर तक की दूरी कैसे तुरंत मिट जाती है?

अहंकार का विसर्जनः VIP कतार में चलने वाले के मन में 'मैं खास हूँ' का सूक्ष्म अहंकार जन्म लेता है, जबकि सेवा का मार्ग अहंकार को पिघलाकर विनम्रता सिखाता है। जहाँ अहंकार शून्य होता है, वहीं प्रभु का सच्चा वास होता है। नर सेवा ही नारायण सेवाः स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि हर जीव में शिव का वास है। पत्थर की मूर्ति में आस्था रखना उत्तम है, लेकिन जीते-जागते इंसान के आँसू पोंछना साक्षात प्रभु की पूजा है। कर्म का प्रभावः दूसरों के जीवन से अंधकार मिटाने के लिए जब आप एक छोटा-सा दीपक जलाते हैं, तो उसका पहला प्रकाश आपके अपने अंतःकरण को रोशन कर देता है। जो हाथ सिर्फ प्रार्थना के लिए जुड़ते हैं, उनकी तुलना में जो हाथ किसी असहाय को सहारा देने के लिए आगे बढ़ते हैं, वे प्रभु को हज़ार गुना अधिक प्रिय होते हैं। बाहरी आडंबर,

दिखावा और पहचान की सिफ़ारिश सिर्फ आँखों को संतोष दे सकती है, आत्मा को नहीं। अगर ईश्वर के सबसे करीब बैठना है, तो मंदिर की कतार तोड़ने या सिफ़ारिश लगाने की ज़रूरत नहीं है; बस सच्ची भावना से किसी के आँसू पोंछकर उसके दिल में जगह बना लीजिए–परमात्मा वहीं आपके सामने साक्षात खड़े होंगे।

दर्शना पटेल
(नेशनल मेडलिस्ट) स्पोर्ट्स टीचर

कौशांबी-प्रयागराज बॉर्डर पर पटाखा गोदाम में भीषण विस्फोट, कई मकान चपेट में, मची चीख-पुकार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मोहम्मदपुर। प्रयागराज के पूरामुफ्ती थाना क्षेत्र स्थित मोहम्मदपुर गांव में एक पटाखा फैक्ट्री में अचानक भीषण विस्फोट हो गया. धमाका इतना जोरदार था कि आसपास के कई मकान भी इसकी चपेट में आ गए. हादसे में कई लोगों के हताहत होने की आशंका जताई जा रही है. प्रयागराज और कौशांबी बॉर्डर पर स्थित पिपरी व पूरामुफ्ती थाना क्षेत्र के मोहम्मदपुर गांव में सोमवार को एक पटाखा फैक्ट्री में अचानक भीषण

विस्फोट हो गया. तेज धमाके के कारण आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई और कई मकान इसकी चपेट में आ गए. सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंचा और स्थानीय लोगों की मदद से मलबे में फंसे लोगों की तलाश और राहत कार्य शुरू किया. फिलहाल विस्फोट के कारणों का पता नहीं चल सका है. जांच-पड़ताल की जा रही है. हादसे के बाद गांव में अफरा-तफरी का माहौल बन गया. स्थानीय लोग और पुलिस टीम मौके पर पहुंचकर मलबे में दबे लोगों को बाहर निकालने में जुटे हुए हैं. किसी अन्य अनहोनी से बचने के लिए आसपास के इलाके को खाली करा लिया गया है. घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाने की तैयारियां की जा रही हैं. विस्फोट किस वजह से हुआ, इसकी अभी स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पाई है. पुलिस और संबंधित टीमें मौके पर पहुंचकर घटना की डिटेल जांच में जुटी हैं. इसके साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि फैक्ट्री में पटाखों के निर्माण व भंडारण के लिए वैध अनुमति और सुरक्षा के जरूरी इंतजाम थे या नहीं. अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, हालांकि आग पूरी तरह से बुझने के बाद ही स्थिति साफ हो सकेगी.

11 टीमें, 4 एडिशनल SP और अब एनकाउंटर अंकित बालियान केस में DGP ने बताई मुठभेड़ की कहानी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। अंकित बालियान हत्याकांड में यूपी पुलिस और STF को बड़ी सफलता मिली है. मुठभेड़ में वारदात में शामिल दो शूटर मारे गए, जबकि दो पुलिसकर्मी घायल हुए. जांच में सामने आया कि हत्या से पहले अंकित की रेकी की गई थी. पुलिस के मुताबिक, वारदात को गोगी गैंग के जरिए अंजाम दिया गया. उत्तर प्रदेश के चर्चित अंकित बालियान हत्याकांड में यूपी पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है. पुलिस और STF की संयुक्त कार्रवाई में हत्याकांड में शामिल 2 शूटरों को मुठभेड़ में मार गिराया गया है. इस दौरान पुलिस के 2

हेड कांस्टेबल हरविंदर और प्रदीप भी घायल हुए हैं. डीजीपी राजीव कृष्ण ने सोमवार को इस कार्रवाई की जानकारी देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री योगी के अपराध और अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश के तहत पुलिस लगातार प्रभावी कार्रवाई कर रही है. ीजीपी के मुताबिक 26 अगस्त की शाम अंकित बालियान की चार हथियारबंद बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी. वारदात के बाद आरोपियों की गिरफ्तारी और पूरे मामले का खुलासा करने के लिए 11 पुलिस अधिकारियों की विशेष टीम गठित की गई. इस टीम में चार एडिशनल एसपी भी शामिल थे. पुलिस ने घटनास्थल से मिले सुरागों और अन्य साक्ष्यों के आधार पर जांच आगे बढ़ाई. जांच में पता चला कि अंकित बालियान की हत्या अचानक नहीं हुई थी. बदमाशों ने वारदात से पहले उसकी रेकी की थी. खास तौर पर अंकित के जिम आने-जाने की टाइमिंग और उसकी गतिविधियों पर नजर रखी गई थी. इसके बाद मौका देखकर हथियारबंद शूटरों ने उस पर हमला किया और उसकी हत्या कर दी. बताया कि 29 अगस्त तक पुलिस ने हत्याकांड में शामिल आरोपियों की पहचान कर ली थी. अब उनके आपराधिक इतिहास का सत्यापन कराया जा रहा है.जांच में यह भी सामने आया है कि अंकित की हत्या कथित तौर पर गोगी गैंग के जरिए कराई गई थी. पुलिस इस एंगल से भी पूरे नेटवर्क की पड़ताल कर रही है. राजीव कृष्ण ने 2021 में रोहिणी कोर्ट में हुई जितेंद्र गोगी की हत्या का भी जिक्र किया. उन्होंने बताया कि उस हत्याकांड से जुड़े एक गाने में अंकित बालियान ने अभिनय किया था.हालांकि गाने के बोल और धुन अंकित के नहीं थे. पुलिस इस कनेक्शन को भी जांच के दायरे में रखकर हत्या के पीछे की पूरी साजिश को समझने में जुटी है. DGP ने कहा कि शुरुआती जांच से साफ है कि यह कोई अचानक हुई वारदात नहीं थी.

लखनऊ में नशे में धुत दरोगा जी ने चलती कार में टिफिन संचालक को पीटा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में शराब के नशे में धुत एक दरोगा ने रविवार को टिफिन संचालक के साथ गाली-गलौज, मारपीट और कार में तोड़फोड़ की थी। आरोपी दरोगा की पहचान नाका थाने में तैनात गोपेश शर्मा के रूप में हुई है। पीड़ित ने चलती कार में दरोगा की इस करतूत का वीडियो बनाया था। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने

के बाद आरोपी दरोगा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। बताया जाता है कि पीड़ित ने आरोपी दरोगा के खिलाफ थाने में मुकदमा दर्ज करने के लिए तहरीर दी थी, लेकिन दुबग्गा थाने की पुलिस ने दोनों पक्षों को बुलाकर जबरन सुलह करा दिया। दुबग्गा के बरावन कलां के रहने वाले राहुल द्विवेदी ने बताया कि वह टिफिन सर्विस का संचालन करते हैं। दुबग्गा थाने में पूर्व तैनाती के दौरान दरोगा गोपेश शर्मा से उनका टिफिन के सिलसिले में संपर्क हुआ था। राहुल के मुताबिक, गोपेश आम्रपाली योजना में किराए पर रहते हैं। गत रविवार की सुबह करीब साढ़े 7 बजे दरोगा हाथ में शराब की बोतल लिए राहुल के घर पहुंचे और बताया कि उनका पत्नी और मकान मालकिन से विवाद हो गया है। इसमें समझौते के लिए उन्हें साथ चलना होगा। इसके बाद दरोगा अपनी बाइक वहीं छोड़कर राहुल की स्विफ्ट कार में बैठ गए और उन्हें यादव चौराहा, कुड़िया घाट व जेहटा लीलाखेड़ा की ओर ले गए। पीड़ित के अनुसार, रास्ते भर दरोगा शराब पीता रहा और अपने पारिवारिक झगड़े का गुस्सा राहुल पर निकालने लगा। लीलाखेड़ा के पास जब राहुल कुछ देर के लिए गाड़ी से उतरे तो दरोगा ने पथराव कर कार को बुरी तरह से क्षतिग्रस्त करने का प्रयास किया। इसके बाद जब राहुल उन्हें लेकर दुबग्गा थाने की ओर आ रहे थे, तब नशे में धुत गोपेश ने चलती कार में गाली-गलौज व मारपीट करते हुए पैर मारकर फ्रंट शीशा भी तोड़ दिया और राहुल के 15 हजार रुपये छीनकर फेंक दिए। राहुल ने गाड़ी चलाते हुए दारोगा की इस हरकत का वीडियो बना लिया और 112 पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी। राहुल का आरोप है कि घटना के बाद जब वह दुबग्गा थाने शिकायत लेकर पहुंचे तो स्थानीय पुलिस ने उन पर जबरन समझौते का दबाव बनाया। मामले में दोनों पक्षों में समझौता हो भी गया, वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के चलते आला अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लिया। एडीसीपी पश्चिमी धनंजय सिंह कुशवाहा ने बताया कि दरोगा गोपेश शर्मा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। पूरे प्रकरण की विभागीय जांच कराई जा रही है। बताया जा रहा है कि आरोपी दरोगा ने बीमारी के अवकाश के बाद शनिवार को ही नाका थाने में आमद कराई थी।

इंदौर में तमिलनाडु सीएम विजय के नाम पर आ रहे कॉल, 'उनका फाउंडेशन करेगी आपकी मदद' और खाली हो रहे अकाउंट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर. तमिलनाडु सीएम विजय के नाम पर इंदौर में ठगी हो रही है। सीएम विजय के नाम का इस्तेमाल कर लोगों को आर्थिक मदद, लोन और सब्सिडी दिलाने का झांसा दे रहे हैं। ठग खुद को विजय थलपति फाउंडेशन या मुख्यमंत्री के फाउंडेशन से जुड़ा बताकर लोगों से संपर्क कर रहे हैं। इसके बाद गरीबों की मदद, बिजनेस शुरू करने, स्टार्टअप के लिए पैसा देने और पढ़ाई के लिए आर्थिक सहायता दिलाने जैसी बातें कही जा रही हैं। इस मामले में इंदौर क्राइम ब्रांच और साइबर सेल तक करीब आधा दर्जन शिकायतें पहुंच चुकी हैं। शिकायतें सामने आने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस उन मोबाइल नंबरों, बैंक खातों और दूसरे डिजिटल माध्यमों की जानकारी जुटा रही है, जिनका इस्तेमाल लोगों से संपर्क करने के लिए किया गया है।

ठग सबसे पहले फोन या मैसेज के जरिए लोगों से संपर्क करते हैं। बातचीत के दौरान उन्हें बताया जाता है कि फाउंडेशन की ओर से जरूरतमंद लोगों की आर्थिक मदद की जा रही है। किसी को सब्सिडी देने की बात कही जाती है तो किसी को कम ब्याज पर लोन या बिजनेस शुरू करने के लिए रकम देने का भरोसा दिया जाता है। लोगों को भरोसे में लेने के बाद उनसे ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराने के लिए कहा जाता है। इसके लिए मोबाइल पर एक लिंक भेजा जाता है। लिंक खोलकर फॉर्म भरने और अपनी जानकारी देने के बाद ठगी का अगला चरण शुरू होता है। रजिस्ट्रेशन के बाद ठग अलग-अलग बहाने बनाकर पैसे मांगना शुरू कर देते हैं। कभी वेरिफिकेशन फीस तो कभी प्रोसेसिंग फीस के नाम पर रकम जमा कराने को कहा जाता है। कई मामलों में तस्ज्ञ और दूसरे चार्ज का हवाला भी दिया जाता है। शुरुआत में रकम कम बताई जाती है लेकिन प्रक्रिया आगे बढ़ने के साथ नए-नए शुल्क जोड़कर ज्यादा पैसे जमा कराने का दबाव बनाया जाता है। इस तरह की शिकायतें क्राइम ब्रांच में आ रही हैं। ठग खुद को विजय थलपति फाउंडेशन या मुख्यमंत्री के फाउंडेशन से जुड़ा बताते हैं। राजेश दंडोतिया, एडिशनल डीसीपी क्राइम ब्रांच उन्होंने कहा कि लोगों को कहा जाता है कि फाउंडेशन गरीबों की मदद के लिए काम कर रहा है और इसके लिए रजिस्ट्रेशन जरूरी है। रजिस्ट्रेशन, वेरिफिकेशन और प्रोसेसिंग फीस के नाम पर लोगों से बड़ी रकम ली जा रही है। पुलिस के मुताबिक ठगी के लिए सिर्फ आर्थिक सहायता का ही इस्तेमाल नहीं किया जा रहा। लोगों को बिजनेस शुरू कराने और छोटे स्टार्टअप के लिए पैसा दिलाने की बात भी कही जाती है। जिन लोगों का बैंक अकाउंट नहीं होता उन्हें अकाउंट खुलवाने और उसमें फाउंडेशन की तरफ से पैसा जमा कराने का भरोसा दिया जाता है। इस तरह की बातों से लोगों को यह महसूस कराया जाता है कि उन्हें किसी सरकारी या बड़े फाउंडेशन से आर्थिक सहायता मिलने वाली है। इसी भरोसे में आकर कई लोग ठगों की बताई प्रक्रिया पूरी करते हुए पैसे जमा कर देते हैं।

मौत के मुंह से खींच लाया RPF जवान, प्लेटफॉर्म और चलती ट्रेन के नीचे जाने से बची महिला; CCTV में कैद हुआ हादसा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

शिवपुरी. शिवपुरी रेलवे स्टेशन पर बड़ा हादसा टल गया. अशोकनगर जाने के लिए ट्रेन पकड़ने पहुंची 36 वर्षीय महिला चलती ट्रेन में चढ़ने के प्रयास में प्लेटफॉर्म और ट्रेन के बीच फंस गई. इसी दौरान वहां तैनात आरपीएफ के एएसआई वीरेंद्र कुमार तिवारी ने तत्परता दिखाते हुए महिला को पकड़कर

प्लेटफॉर्म की ओर खींच लिया और उसकी जान बचा ली. पूरी घटना स्टेशन पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है. पुरानी शिवपुरी निवासी 36 वर्षीय निर्मला ठाकुर रक्षाबंधन के अवसर पर शनिवार को अशोकनगर जाने के लिए शनिवार सुबह करीब 10 बजे शिवपुरी रेलवे स्टेशन पहुंची थीं. वह ग्वालियर-बीना ट्रेन में सवार होने का प्रयास कर रही थीं. ट्रेन के चलने के दौरान भीड़ और देरी के बीच निर्मला ने चलती ट्रेन में चढ़ने की कोशिश की, लेकिन संतुलन बिगड़ने से वह प्लेटफॉर्म और ट्रेन के बीच के गैप में जा फंसी. महिला के ट्रेन और प्लेटफॉर्म के बीच गिरते ही स्टेशन पर मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया. देखें VIDEO- इसी दौरान कुछ दूरी पर तैनात आरपीएफ के एएसआई वीरेंद्र कुमार तिवारी की नजर महिला पर पड़ गई. उन्होंने बिना समय गंवाए महिला की ओर दौड़ लगाई और उसे पकड़कर प्लेटफॉर्म की तरफ खींच लिया.समय रहते महिला को बाहर निकाल लिए जाने से उसकी जान बच गई. ASI वीरेंद्र कुमार तिवारी ने बताया कि उन्हें पहले ही आशंका हो गई थी कि महिला चलती ट्रेन में चढ़ने का प्रयास कर रही है. इसी वजह से वह पहले से उसकी ओर बढ़ रहे थे. महिला के प्लेटफॉर्म और ट्रेन के बीच फंसते ही उन्होंने तत्काल उसे पकड़ लिया और सुरक्षित बाहर निकाल लिया.

पेड़ से गिरा शख्स, हॉस्पिटल ले गए परिजन तो वहां लिफ्ट ही गिर गई... दबने से हुई दर्दनाक मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रीवा। मध्य प्रदेश के रीवा स्थित नेशनल हॉस्पिटल में लिफ्ट गिरने से 50 वर्षीय मरीज सुरेश सेन की दर्दनाक मौत हो गई. सुरेश पेड़ से गिरकर घायल होने के बाद इलाज के लिए अस्पताल पहुंचे थे. रात करीब 8 बजे उन्हें लिफ्ट से ऊपरी मंजिल पर ले जाया जा रहा था, तभी लिफ्ट अचानक नीचे गिर गई. हादसे में उनकी गर्दन फंस गई, जिससे मौत हो गई. मध्य प्रदेश के रीवा जिले में एक निजी अस्पताल में लिफ्ट गिरने से दर्दनाक हादसा हो गया. हादसा रविवार रात करीब 8 बजे नेशनल हॉस्पिटल में हुआ, जहां इलाज के लिए आए 50 वर्षीय मरीज सुरेश सेन की लिफ्ट में फंसने से मौत हो गई. हादसे में लिफ्ट में सवार अन्य लोग भी घायल हुए हैं. घटना के बाद अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया. जानकारी के मुताबिक, सुरेश सेन मैहर जिले के अमरपाटन थाना क्षेत्र के

लालपुर गांव के निवासी थे. वह पेड़ से गिरने के कारण गंभीर रूप से घायल हो गए थे. परिजन उन्हें इलाज के लिए रीवा के नेशनल हॉस्पिटल लेकर पहुंचे थे. रात करीब 8 बजे उन्हें अस्पताल के ऊपरी फ्लोर पर ले जाने के लिए लिफ्ट से परिजन ले जा रहे थे. इसी दौरान अचानक लिफ्ट भरभरा कर नीचे गिर गई. लिफ्ट के अचानक नीचे गिरने से सुरेश सेन की गर्दन उसमें फंस गई. गंभीर चोट लगने के कारण उनकी मौत हो गई. वहीं, लिफ्ट में मौजूद अन्य लोगों को भी चोटें आईं. हादसे के बाद अस्पताल में चीख-पुकार मच गई और मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई. हादसे के बाद मृतक के परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया. उनका कहना है कि हादसे वाले दिन ही अस्पताल की लिफ्ट खराब हुई थी और एक मरीज उसके अंदर फंस गया था. परिजनों का आरोप है कि इसके बावजूद लिफ्ट को ठीक कराए बिना उसका इस्तेमाल किया गया. उनका कहना है कि अगर समय रहते लिफ्ट की मरम्मत करा दी जाती तो यह हादसा टाला जा सकता था. मुआवजे की मांग पर अड़े परिजन घटना से गुस्साए मृतक के परिजनों ने अस्पताल के बाहर धरना प्रदर्शन करते हुए 50 लाख रुपये मुआवजे की मांग की. देर शाम तक परिजन प्रदर्शन करते रहे. बाद में अस्पताल प्रबंधन की ओर से 16 लाख रुपये मुआवजा देने की बात कही गई. वहीं, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पीड़ित परिवार को 2 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है. फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है.

बाइक हिलाकर दोनों कॉन्स्टेबल को गिराया और फरार हो गया आरोपी, खंडवा से पुलिस ने फिर किया गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बड़वानी. पुलिस हिरासत से फरार होने के लिए आरोपी ने ऐसा तरीका अपनाया कि उसे ले जा रहे दोनों आरक्षक सड़क पर गिर पड़े और वह हथकड़ी समेत मौके से भाग निकला। बड़वानी पुलिस ने 72 घंटे तक लगातार तलाश के बाद आरोपी शुभम मानकर (22) को खंडवा जिले के आसपास से गिरफ्तार कर लिया। फरारी के दौरान आरोपी ने अपने हाथ से हथकड़ी निकालकर उसे पहाड़ी के पास खोदकर

छिपा दिया था, जिसे पुलिस ने उसकी निशानदेही पर बरामद कर लिया। बड़वानी पुलिस के मुताबिक, जुलवानिया थाना पुलिस ने 27 अगस्त को शुभम मानकर, पिता सुभाष मानकर, निवासी जुलवानिया को शांति भंग करने के आरोप में बीएनएसएस की धारा 170 के तहत गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद उसे एसडीएम राजपुर न्यायालय में पेश किया गया। न्यायालय ने आरोपी को केंद्रीय जेल बड़वानी भेजने के निर्देश दिए थे। न्यायालय के आदेश के बाद आरक्षक सुनील और आरक्षक वीरेंद्र आरोपी को बाइक से करीब 35 किलोमीटर दूर बड़वानी स्थित केंद्रीय जेल ले जा रहे थे। पुलिस के अनुसार, बड़वानी पहुंचने के बाद केंद्रीय जेल से करीब 500 मीटर पहले पुराने सर्किट हाउस के सामने आरोपी ने अचानक बाइक को जोर से हिलाना शुरू कर दिया। इससे बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई और दोनों आरक्षक घायल हो गए। इसी दौरान आरोपी मौके का फायदा उठाकर हथकड़ी समेत फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक पद्म विलोचन शुक्ला ने 2000 का इनाम घोषित कर आरोपी की तलाश के लिए अलग-अलग पुलिस टीमें गठित कीं। घायल दोनों आरक्षकों को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं, आरोपी के खिलाफ हिरासत से फरार होने का प्रकरण भी दर्ज किया गया। बड़वानी कोतवाली थाना प्रभारी बलजीतसिंह बिसेन ने बताया कि फरार होने के बाद आरोपी आशा राम रोड की ओर स्थित पहाड़ी की तरफ भागा था। वहां पहुंचने के बाद उसने अपने हाथ से हथकड़ी निकाल ली और पहाड़ी के पास खोदकर उसे उसमें छिपा दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद उसकी निशानदेही पर पहाड़ी के पास खोदे गए से हथकड़ी बरामद कर ली। पुलिस जांच में सामने आया कि फरारी के बाद आरोपी अपने पैतृक क्षेत्र खंडवा के आसपास छिप सकता है।

केंद्रीय मंत्री के नाम पर गुजरात से आए श्रद्धालुओं का तय हुआ प्रोटोकॉल, ओंकारेश्वर मंदिर पहुंचने से पहले ही वीआईपी दर्शन के नाम पर हुई ठगी

ओंकारेश्वर में वीआईपी प्रोटोकॉल पर ठगी के नाम पर अवैध वसूली का मामला फिर सामने आया है।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खंडवा। प्रसिद्ध तीर्थक्षेत्र ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर में वीआईपी और प्रोटोकॉल दर्शन के नाम पर अवैध वसूली और श्रद्धालुओं से ठगी का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। गुजरात के सूरत से दर्शन करने आए 37 श्रद्धालुओं के एक दल से तय शुल्क 11,100 रुपए की जगह 25,900 रुपए वसूल लिए गए। हैरानी की बात यह है कि इस दल के लिए केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया के संदर्भ से निःशुल्क प्रोटोकॉल दर्शन की व्यवस्था की गई थी, इसके बावजूद होटल में सक्रिय दलाल ने श्रद्धालुओं को चूना लगा दिया। केंद्रीय मंत्री के कॉल के बाद तय हुआ था निःशुल्क प्रोटोकॉल सूरत से आए 37 श्रद्धालुओं ने रविवार दोपहर में केंद्रीय मंत्री डॉ मनसुख मंडाविया के माध्यम से दर्शन प्रभारी और डेप्युटी कलेक्टर मुकेश काशिव से संपर्क कराया था। इसके बाद प्रशासन ने शाम 6 बजे सभी 37 श्रद्धालुओं के लिए निःशुल्क प्रोटोकॉल दर्शन की व्यवस्था सुनिश्चित की थी। लेकिन मंदिर के अंदर तक पहुंचते-पहुंचते श्रद्धालुओं के साथ ऐसी ठगी हुई, जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। शाम को जब श्रद्धालु ओंकारेश्वर मंदिर पहुंचे तो उनके हाथों में वीआईपी दर्शन बैंड बंधे हुए थे। दर्शन प्रभारी डेप्युटी कलेक्टर मुकेश काशिव को

संदेह हुआ। पूछताछ करने पर उन्होंने पूछा कि जब प्रोटोकॉल बुक था तो वीआईपी टिकट कहां से लिए? श्रद्धालुओं ने बताया कि ब्रह्मपुरी घाट स्थित गोवर्धन होटल में मिले एक व्यक्ति को उन्होंने प्रति श्रद्धालु 700 रुपए के हिसाब से सभी 37 श्रद्धालुओं से कुल 25,900 रुपए नकद दिए थे। उस व्यक्ति ने तय दर 300 रुपए प्रति व्यक्ति यानी कुल 11,100 रुपए के बजाय अधिक राशि वसूली और वीआईपी बैंड लाकर दे दिए। प्रशासनिक जांच में सामने आया कि टिकट बुकिंग गोवर्धन होटल के पास से यूपीआई के जरिए ऑनलाइन की गई थी। रविवार को बैंक बंद होने के कारण ट्रांजैक्शन विवरण और आरोपी का सटीक नाम सामने नहीं आ सका। डेप्युटी कलेक्टर मुकेश काशिव ने सभी श्रद्धालुओं के नाम, पते और मोबाइल नंबर दर्ज कर उन्हें दर्शन कराकर रवाना किया। आज सोमवार को बैंक खुलने के बाद साइबर और वित्तीय रिकॉर्ड के आधार पर आरोपी की पहचान की जाएगी।

ओंकारेश्वर में अवैध वसूली के पहले भी आ चुके हैं कई मामले

6 जुलाई 2026- सुरक्षा गार्ड और पुलिसकर्मियों की मिलीभगत से 11 श्रद्धालुओं से 13,200 रुपये वसूले गए; मांधाता थाने के आरक्षक को लाइन अटैच किया गया। ?10 मई 2026- मंदिर ट्रस्ट के कर्मचारियों द्वारा 2,300 रुपये में अनाधिकृत रूप से रिस्ट बैंड बेचे जाने का मामला पकड़ा गया। 20 मार्च 2026- एक पुरोहित ने पुरानी तारीख के प्रोटोकॉल बेल्ट देकर 4 श्रद्धालुओं से प्रति व्यक्ति 1,500 रुपये के हिसाब से कुल 6,000 रुपये वसूले थे

खंडवा कलेक्टर ने कहा दर्शन व्यवस्था में और भी बरती जाएगी सख्ती

ओंकारेश्वर मंदिर में लगातार इस तरह की ठगी के मामले सामने आने के बाद खंडवा कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने इस मामले में कहा है कि अब दर्शन व्यवस्था में और भी सखुती बरती जाएगी।

मुरादाबाद में 11वां तेंदुआ पिंजरे में कैद, 4 मौतों के बाद दहशत बरकरार; बलिया समेत आसपास के गांवों में आदमखोर का खौफ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में तेंदुए का आतंक लगातार चिंता का कारण बना हुआ है. इस बीच ठाकुरद्वारा क्षेत्र के लोगी खुर्द गांव में वन विभाग के लगाए पिंजरे में एक और तेंदुआ कैद हो गया. तेंदुआ पकड़े जाने के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है. इसके साथ ही जिले में अब तक 11 तेंदुओं का रेस्क्यू किया जा चुका है. वन विभाग के मुताबिक, रेस्क्यू किए गए 11 तेंदुओं में 10 तेंदुए ठाकुरद्वारा तहसील क्षेत्र से और एक तेंदुआ कांठ तहसील क्षेत्र से पकड़ा गया है. लोगी

खुर्द में तेंदुआ पकड़े जाने की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए. हालांकि, तेंदुआ पकड़े जाने के बावजूद ग्रामीणों का डर पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है. ग्रामीणों का कहना है कि इलाके में अभी भी कई तेंदुए घूम रहे हैं. खासकर बलिया गांव और आसपास के ग्रामीण इलाकों में तेंदुए की मौजूदगी को लेकर लोगों में दहशत बनी हुई है. ग्रामीण खेतों की ओर जाने और अकेले बाहर निकलने से भी बच रहे हैं. मुरादाबाद के ग्रामीण इलाकों में तेंदुए के हमलों की घटनाओं ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है. तेंदुए के हमलों में अब तक चार लोगों की जान जा चुकी है, जबकि एक दर्जन से ज्यादा लोग घायल हुए हैं. लगातार हो रहे हमलों के बाद वन विभाग की टीमें अलग-अलग इलाकों में पिंजरे लगाने और तेंदुओं की निगरानी में जुटी हैं. ग्रामीणों का कहना है कि केवल तेंदुओं को पकड़ना ही नहीं, बल्कि उन इलाकों में लगातार निगरानी भी जरूरी है जहां तेंदुओं की गतिविधियां सामने आ रही हैं. लोगों की मांग है कि वन विभाग बाकी तेंदुओं को भी जल्द से जल्द रेस्क्यू करे, ताकि ग्रामीणों को दहशत से पूरी तरह निजात मिल सके. अब तक 11 तेंदुओं का रेस्क्यू ठाकुरद्वारा सेः 10 तेंदुए कांठ सेः 1 तेंदुआ तेंदुए के हमलों में मौतः 4 घायलः एक दर्जन से ज्यादा वन विभाग की ओर से तेंदुओं को पकड़ने के लिए पिंजरे लगाए गए हैं और संवेदनशील इलाकों में निगरानी की जा रही है. हालांकि ग्रामीणों की नजर अब इस बात पर है कि इलाके में घूम रहे बाकी तेंदुओं को कब तक पकड़ा जाता है.

'स्कूल जाते समय चोट लगती, ड्रेस भी गंदी हो जाती', 7 साल की समरा ने डीएम से लगाई सड़क बनवाने की गुहार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मऊ। नगर क्षेत्र के वार्ड संख्या 17 में सड़क की बदहाली की समस्या को लेकर सात वर्षीय छात्रा समरा नाज जिलाधिकारी कार्यालय पहुंच गई। पहली कक्षा में पढ़ने वाली बच्ची ने जिलाधिकारी से खराब सड़क की मरम्मत कराने की गुहार लगाई। मासूम बच्ची की फरियाद ने अधिकारियों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। समरा नाज ने जिलाधिकारी को बताया कि स्कूल जाते समय रास्ता बेहद खराब होने के कारण उसे आने-जाने में काफी दिक्कत होती है। खराब सड़क के चलते कई बार उसे चोट भी लग जाती है। वहीं, रास्ते की स्थिति के कारण उसकी स्कूल ड्रेस भी गंदी हो जाती है, जिसके चलते उसे स्कूल में डांट सुननी पड़ती है। जिलाधिकारी आनंद वर्धन ने बच्ची से बातचीत के दौरान पूछा कि वह स्कूल किस साधन से जाती है। इस पर समरा नाज़ ने बताया कि वह ऑटो से स्कूल जाती है, लेकिन सड़क खराब होने के कारण रास्ते में काफी परेशानी होती है। बच्ची ने डीएम से जल्द से जल्द सड़क ठीक कराने की अपील की। बच्ची की बात जिलाधिकारी आनंद वर्धन ने बेहद गंभीरता से सुनी। उन्होंने समरा नाज़ से उसकी समस्या के बारे में जानकारी ली और तत्काल कार्रवाई का भरोसा दिलाया। डीएम ने कहा कि बच्ची की

शिकायत के आधार पर सड़क की स्थिति की जांच कराई जाएगी। जिलाधिकारी आनंद वर्धन ने मीडिया को बताया कि सात वर्षीय बच्ची समरा नाज कक्षा एक में पढ़ती है, सड़क निर्माण को लेकर फरियाद लेकर उनके पास आई थी।

SC का जज बनकर धमकाने के जुर्म में सुकेश को 8 साल की सजा, दिल्ली की कोर्ट का बड़ा फैसला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। दिल्ली की तीस हजारी अदालत ने महाठगी के आरोपी सुकेश चंद्रशेखर को खुद को सुप्रीम कोर्ट का जज बताकर विशेष जज को धमकाने और जमानत के लिए दबाव बनाने के मामले में 8 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है. वहीं मामले में दिल्ली पुलिस के कांस्टेबल मंजीत की भूमिका की भी जांच के निर्देश दिए गए हैं. महाठगी के आरोपी सुकेश चंद्रशेखर को दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट ने एक गंभीर मामले में 8 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है. सुकेश ने खुद को सुप्रीम कोर्ट का जज बताकर निचली अदालत की जज को प्रभावित करने और धमकाने की कोशिश की थी. अदालत ने मामले की सुनवाई के बाद उसे भारतीय दंड संहिताकी धारा 170, 189 और 507 के तहत दोषी ठहराते हुए यह सजा सुनाई. यह मामला अप्रैल 2017 का है. सुकेश भ्रष्टाचार के मामले में पुलिस हिरासत में था. पुलिस कांस्टेबल मंजीत की हिरासत में रहते हुए सुकेश ने उसके मोबाइल फोन का इस्तेमाल किया. सुकेश ने इस फोन से मामले की सुनवाई कर रही स्पेशल जज पूनम चौधरी के आधिकारिक लैंडलाइन और मोबाइल पर संपर्क किया. उसने खुद को पहले सुप्रीम कोर्ट के जज का प्राइवेट सेक्रेटरी और फिर खुद को सुप्रीम कोर्ट का सिटिंग जज भी बताया. सुकेश ने स्पेशल जज पर अपनी जमानत जल्द से जल्द मंजूर करने का दबाव बनाया और बात न मानने पर पेशेवर नुकसान भुगतने की धमकी दी. अदालत ने उसकी इस हरकत पर सख्त टिप्पणी करते हुए इस कृत्य को संस्थागत अवहेलना बताया है. तीस हजारी कोर्ट की मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट हर्षिता मिश्रा ने सुकेश चंद्रशेखर को दोषी ठहराते हुए कहा कि यह कोई साधारण धोखाधड़ी नहीं है, बल्कि न्यायिक प्रक्रिया की स्वतंत्रता और पवित्रता पर सीधा हमला है. कोर्ट ने टिप्पणी की कि सुकेश ने अपनी इस 'मूर्खतापूर्ण नाटकीय प्रस्तुति' में मर्यादा की सीमा लांघ दी. कोर्ट में अब कांस्टेबल की भूमिका पर जांच भी चल रही है. कोर्ट ने इस बात पर भी गंभीर सवाल उठाए हैं कि सुकेश को पुलिस हिरासत में कांस्टेबल का फोन कैसे मिला? अदालत ने कांस्टेबल मंजीत की भूमिका की नए सिरे से जांच करने का निर्देश दिया है. फिलहाल इस फैसले के खिलाफ सुकेश चंद्रशेखर ने दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दायर कर निचली अदालत के निर्णय को चुनौती दी है. सुकेश पर पहले से ही तिहाड़ जेल से 200 करोड़ रुपये से अधिक की रंगदारी और ठगी करने सहित कई अन्य मामले चल रहे हैं.

दिल्ली क्राइम ब्रांच के SI और हेड कॉन्स्टेबल पर 5 लाख की रंगदारी मांगने का आरोप, रोहिणी में पुलिसवालों ने फिर की खाकी शर्मसार?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। क्राइम और खाकी के गठजोड़ की एक ऐसी सनसनीखेज कहानी सामने आई है, जिसने पुलिस महकमे में हड़कंप मचा दिया है। जिस 'दोस्त' के दम पर कई पुलिसकर्मी और इंस्पेक्टर इलाके में 'गुड वर्क' दिखाकर अपनी वाहवाही लूटते थे, दबाव पड़ते ही उसी दोस्त की बलि चढ़ा दी गई। जब वादे के मुताबिक बात नहीं बनी और मकोका जैसा सख्त शिकंजा कस गया, तो दोस्ती सीधे खुली दुश्मनी में बदल गई और पुलिसकर्मियों के खिलाफ रंगदारी वसूलने की लिखित शिकायत दर्ज हो गई है। फिलहाल क्राइम ब्रांच के स्पेशल सीपी हों या इस टीम के डीसीपी मामले पर कोई भी पुलिस का पक्ष सामने रखने को तैयार नहीं है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, रोहिणी की एक नामी सोसाइटी में करीब 4 साल तक प्रधानी चला चुके अमित नागर का पुलिस महकमे के कई अधिकारियों और स्टाफ के बीच तगड़ा रसूख था। रोहिणी, आउटर नॉर्थ और ईस्ट डिस्ट्रिक्ट के कई पुलिसवालों से अच्छी दोस्ती थी। चर्चा तो यहां तक है कि रोहिणी सोसाइटी स्थित उसके दफ्तर को पुलिसकर्मियों के लिए अय्याशी का अड्डा बना दिया गया था। खाकी की खातिरदारी में कोई कसर नहीं छोड़ी जाती थी। ब्रांडेड मोबाइल फोन, महंगी स्कॉच व्हिस्की और यहां तक कि सोने की चेन तक तोहफे में बांटी जाती थीं। जब भी पुलिस को गुड वर्क दिखाना होता, यही खास दोस्त 'समाधान' निकालता था। पुराने मामलों में वॉन्टेड चल रहे इस आरोपी को पुलिसकर्मियों ने पहले दोस्ती का हवाला देकर फोन करके बुलाया। वादा यह था कि एक मामूली या 'सिंपल अरेस्ट' दिखाकर मामला रफा-दफा कर दिया जाएगा। लेकिन आला अधिकारियों और केस के बढ़ते दबाव के आगे पुलिसकर्मियों की मजबूरी बन गई। केस में रिकवरी भी दिखानी पड़ी। क्योंकि क्राइम ब्रांच की एक दूसरी टीम ने आरोपी पर मकोका भी लगा दी। जब गिरफ्तारी और रिमांड का खेल शुरू हुआ, तो पुलिसकर्मियों ने पूरे परिवार को मुकदमे में फंसाने और एनकाउंटर का डर दिखाकर 10 लाख रुपये की भारी डिमांड रख दी। अमित की पत्नी नीलोफर खान उर्फ सिम्मी ने क्राइम ब्रांच की नॉर्दन रेंज (2) टीम के एसआई रवि राणा और हेड कॉन्स्टेबल योगेंद्र डागर के खिलाफ शिकायत दी। निलोफर का आरोप है कि दोनों पुलिसकर्मियों ने पहले तो दबाव बनाया, फिर 'अमित हमारा दोस्त है' का हवाला देकर मामला 5 लाख रुपये में तय किया। यह रकम ढाई-ढाई लाख रुपये की दो किश्तों में क्राइम ब्रांच दफ्तर और रोहिणी के एक होटल के पास दी गई। हद तो तब हो गई जब अस्पताल में मासूम बच्ची के इलाज के दौरान भी वसूली के लिए पुलिसकर्मी पहुंच गए। निलोफर ने दिल्ली के उपराज्यपाल पुलिस कमिश्नर और डीसीपी स्तर तक सीधी शिकायत भेज दी। खाकी और अपराधियों के इस गठजोड़, 'गुड वर्क' के फर्जीवाड़े और अब वसूली के आरोपों ने दिल्ली पुलिस के कई रसूखदार चेहरों की नींद उड़ा दी है। मामले की अंदरूनी जांच शुरू होते ही महकमे में खलबली मच गई है। इस पूरे मामले पर नागर के एडवोकेट संजय शर्मा का कहना है कि वह सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखवाने के लिए कोर्ट जाएंगे। वह क्राइम ब्रांच के ऑफिस, ऑफिस के सामने बैंक, जहां बच्ची का इलाज हो रहा था, उस हॉस्पिटल, क्राउन प्लाजा होटल के साथ में बनी पार्किंग और जहां नागर को मेडिकल करवाने ले जाया गया था, उस अस्पताल तक की फुटेज भी सुरक्षित रखे जाने की अपील करेंगे।

बवाना के निजी स्कूल में 3 साल की बच्ची से दरिंदगी; चॉकलेट देकर बच्ची के पीछे जाता था, 8 महीने से था स्कूल में ड्राइवर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली के बवाना में एक निजी स्कूल की तीन साल की बच्ची के साथ कथित यौन शोषण का मामला सामने आया है। बच्ची नर्सरी कक्षा में पढ़ती है। पुलिस ने मामले में स्कूल की कैब चलाने वाले विकास सिंह को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि वह बच्ची को चॉकलेट का लालच देकर कई बार अपने साथ ले जाता था और स्कूल के अंदर उसके साथ गलत हरकत करता था। मामला तब सामने आया जब बच्ची ने अपनी मां को अपने साथ हुई घटना के बारे में बताया। बच्ची आरोपी का नाम नहीं जानती थी, लेकिन उसने बताया कि स्कूल में एक आदमी उसे चॉकलेट देता था और उसके साथ गलत व्यवहार करता था। इसके बाद माता-पिता स्कूल पहुंचे। 24 अगस्त को बच्ची को स्कूल के कर्मचारियों की तस्वीरें और सीसीटीवी फुटेज दिखाए गए, जिसमें उसने आरोपी ड्राइवर की पहचान की गई, जिससे मामले की पर्दाफाश हुआ। बच्ची की हिम्मत से आरोपी तक पहुंचा जा सका। पुलिस के मुताबिक, आरोपी करीब आठ महीने से स्कूल में कैब ड्राइवर के तौर पर काम कर रहा था। बच्ची की पहचान होने के बाद उसके माता-पिता ने बवाना थाने में शिकायत दी। इसके बाद पुलिस ने यौन अपराध और पॉक्सो एक्ट की संबंधित धाराओं में एफआईआर दर्ज की और आरोपी को स्कूल परिसर से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी कथित तौर पर बच्ची के वॉशरूम जाने के दौरान उसके पीछे जाता था। पुलिस के अनुसार, वह उसे चॉकलेट देता और सीढ़ियों के पास ले जाकर उसके साथ गलत हरकत करता था। जांच में बच्ची के साथ ऐसी घटना कई बार होने की बात सामने आई है। पुलिस ने स्कूल में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज अपने कब्जे में ले ली है। जांचकर्ताओं के अनुसार, कई फुटेज में आरोपी हाथ में चॉकलेट लेकर बच्चों के आसपास दिखाई दे रहा है। पुलिस ने आरोपी का मोबाइल फोन भी जब्त किया है। जांच के दौरान फोन में छोटे बच्चों को चॉकलेट खिलाते हुए उसके कई वीडियो मिलने की बात सामने आई है।

जिस होटल में ठहरे थे, 4 घंटे बाद वही बाढ़ में बह गया, नेपाल में बाल-बाल बचे प्रदीप तेंदुलकर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नेपाल। आए विनाशकारी सैलाब के बीच महाराष्ट्र के विरार निवासी प्रदीप तेंदुलकर बाल-बाल बच गए. कैलाश मानसरोवर यात्रा पर निकले प्रदीप जिस होटल में रुके थे, उसे उन्होंने हादसे से महज चार-पांच घंटे पहले ही छोड़ दिया था. उनके निकलते ही आई तेज बाढ़ में वह पूरा होटल ताश के पत्तों की तरह बह गया. कुछ घंटों के इसी फासले ने उनकी जान बचा ली. प्रदीप तेंदुलकर 22 अगस्त को विरार से अपनी यात्रा पर निकले थे. वह फिलहाल करीब 18,500 फीट की ऊंचाई पर मौजूद डोलमा ला पास सुरक्षित पहुंच चुके हैं और उनका सफर आगे बढ़ रहा है जिस जगह प्रदीप कुछ देर पहले चाय पी रहे थे और आराम कर रहे थे, वहां अब सिर्फ मलबा बचा है. आगे बढ़ने के बाद जब उन्हें अपने होटल के बह जाने की खबर मिली, तो वह सन्न रह गए. हादसे पर दुख जताते हुए प्रदीप ने कहा कि 'हमारी जान तो बच गई, लेकिन इस त्रासदी में लोगों का जो नुकसान हुआ है, वह बेहद दर्दनाक है'.

रास्ते टूटने से बाकी यात्रियों की बढ़ी मुश्किलें

सैलाब की वजह से कई मुख्य रास्ते बंद हो गए हैं, जिससे पीछे से आ रहे कैलाश मानसरोवर यात्रियों का सफर अटक गया है. प्रभावित इलाकों में फंसे लोगों को निकालने के लिए भारत, नेपाल और चीन की टीमें लगातार राहत-बचाव में जुटी हैं. स घटना के बाद वसई-विरार के लोगों की सुरक्षा को लेकर चिंता थी. हालांकि, वसई-विरार के महापौर अजीव पाटील ने बताया कि

नेपाल की इस घटना में शहर का कोई भी नागरिक प्रभावित नहीं हुआ है. फिलहाल प्रदीप तेंदुलकर की कैलाश मानसरोवर यात्रा जारी है. जिस होटल में वह ठहरे थे, उसके बह जाने की घटना ने उनकी यात्रा को एक ऐसा अनुभव जरूर दे दिया है, जिसमें कुछ घंटों का अंतर जिंदगी और मौत के बीच का फासला बन गया.

दिल्ली सरकार अपने इस चुनावी वादे को तेजी से कर रही पूरा, अब तक 100 एकड़ जमीन वापस हासिल की

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। सरकार अपने चुनावी वादे को पूरा करने के लिए लगातार प्रयासरत है। इसी क्रम में सरकार ने दिल्ली से कूड़े के पहाड़ों को खत्म करने का काम शुरू कर दिया है। सरकार ने इसके जरिए 100 एकड़ जमीन वापस हासिल कर ली है जो कि लगभग 60 फुटबॉल मैदानों के बराबर है। सरकार प्रोसेसिंग प्लांट को भी तैयार कर रही है। नई दिल्लीः सरकार दिल्ली में कचरे के पहाड़ों को खत्म करने की होड़ में लगी है। इसी के तहत भलस्वा, ओखला और गाजीपुर में 15 लाख ट्रक कचरा हटाकर दिल्ली ने लैंडफिल की 100 एकड़ जमीन वापस हासिल कर ली है, जो कि लगभग 60 फुटबॉल मैदानों के बराबर है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के दफ्तर के मुताबिक अब तक तीनों जगहों पर लगभग 2.16 करोड़ मीट्रिक टन कचरे का निपटान किया जा चुका है। इससे आस-पास के इलाकों में रहने वाले लोगों को साफ-सुथरा माहौल देने में मदद मिली है। सबसे ज्यादा सफाई का काम नॉर्थ दिल्ली के भलस्वा में हुआ है, जहां 1 करोड़ टन कचरे का निपटान किया गया और 45 एकड़ जमीन वापस हासिल की गई। इसके बाद साउथ दिल्ली का ओखला (70 लाख टन और 35 एकड़) और ईस्ट दिल्ली का गाजीपुर (44 लाख टन और 20 एकड़) का नंबर आता है। सरकार ने दो और लैंडफिल को खत्म करने के लिए दिसंबर की डेडलाइन तय की सरकार ने भलस्वा और ओखला लैंडफिल को पूरी तरह खत्म करने के लिए इस दिसंबर की डेडलाइन तय की है, जबकि गाजीपुर के लिए डेडलाइन दिसंबर 2027 है। हालांकि, शहर में पहले भी ऐसे लक्ष्य तय किए गए हैं और डेडलाइन पूरी नहीं हो पाई हैं। ओखला के लिए लक्ष्य को कई बार आगे बढ़ाया जा चुका है, जिसमें इस साल पांचवीं बार बदलाव भी शामिल है।द्व पुराने कचरे को हटाने के लिए बायोमाइनिंग का काम चल रहा है, लेकिन लैंडफिल साइटों पर अभी भी नया कचरा पहुंच रहा है। ऐसे में सरकार के लिए असली परीक्षा यह होगी कि क्या इन नई डेडलाइन के साथ दिल्ली में कचरे के पहाड़ खत्म हो पाएंगे।

सड़कों के नीचे बेस बनाने में कचरा का उपयोग किया जा रहा

सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि गाजीपुर में कचरे की प्रोसेसिंग के बाद जो बेकार बचा हुआ मटीरियल

(इनर्ट मटीरियल) मिलता है, उसका इस्तेमाल निचले इलाकों को भरने और सड़कों के नीचे बेस बनाने में किया जा रहा है। उन्होंने कहा, इससे न केवल कचरे की वैज्ञानिक तरीके से प्रोसेसिंग सुनिश्चित हुई है, बल्कि इस प्रक्रिया से मिले मटीरियल का इस्तेमाल भी हो रहा है।एक बार जब प्रोसेसिंग प्लांट तैयार हो जाएंगे, तो सरकार हर दिन पैदा होने वाले कचरे को उसी गति से प्रोसेस करने की क्षमता विकसित कर लेगी। इससे यह सुनिश्चित होगा कि कचरा जमा न हो और कचरे के नए पहाड़ न बनें। सीएम ने कहा कि दिल्ली सरकार सभी तरह के कचरे के वैज्ञानिक प्रबंधन पर ध्यान दे रही है।

विपक्ष के साथ शिवसेना-BJP के निशाने पर मेयर रितु तावड़े, 6 महीने के कार्यकाल में इन विवादों ने बढ़ाई टेंशन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई की मेयर रितु तावड़े अक्सर सुर्खियों में रहती है। जब से वो मेयर बनी तब से कोई न कोई विवाद उनके साथ जुड़ता रहा है। इसी के चलते उन्हें विपक्ष के साथ-साथ अपनों से ही विरोध का सामना करना पड़ रहा है। विपक्ष के अलावा उन्हें बीएमसी प्रशासन, अपनी ही पार्टी के सदस्यों और यहां तक कि सत्तारूढ़ महायुति के सहयोगियों से भी टकराव का सामना करना पड़ रहा है। इसी के चलते उन्होंने हाल ही मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की है। उन्होंने सीएम मुलाकात कर बीएमसी प्रशासन में बदलाव की मांग की है। बता दें कि रितु तावड़े पहले कांग्रेस में थीं, लेकिन 2012 में बीजेपी में शामिल हुईं और घाटकोपर में अपना राजनीतिक आधार मजबूत किया। कई बार पार्षद रह चुकी तावड़े बीएमसी की शिक्षा समिति से भी जुड़ी रहीं और पार्टी में मुखर एवं आक्रामक स्थानीय नेता के रूप में उभरीं। इस साल मेयर बनने के साथ ही तावड़े ने मुंबई की सत्ता में एक बड़े बदलाव का चेहरा बनने की शुरुआत की। बीजेपी ने चार दशक से अधिक समय बाद मेयर पद पर वापसी की और शिवसेना के लंबे कब्जे को खत्म किया। हालांकि उनके मेयर कार्यकाल के 6 महीने के भीतर तस्वीर कुछ अलग नजर आ रही है। क्योंकि विवाद उनका पीछा नहीं छोड़ रहे, आइए जानते हैं उनसे जुड़े विवाद की लिस्ट। कार्यभार संभालने के तुरंत बाद तावड़े विवादों में घिर गईं। सोशल मीडिया पर दावा किया गया कि वह एक करोड़ रुपये से ज्यादा कीमत की लग्जरी रोलेक्स घड़ी पहनती हैं। तावड़े ने इस दावे को खारिज करते हुए कहा कि घड़ी माइकल कॉर्स की है और उनके बच्चों ने उन्हें उपहार में दी थी। मार्च में उनकी आधिकारिक कार और एस्कॉर्ट वाहन पर लाल-नीली फ्लैशर लाइट लगाए जाने को लेकर विवाद हुआ। तस्वीरें सामने आने के बाद आलोचना हुई और बीएमसी ने नियमों का हवाला देते हुए इन लाइटों को हटा दिया। अप्रैल में बोरीवली में महावीर जयंती कार्यक्रम के दौरान उनके एक बयान पर भी विवाद हुआ। तावड़े ने एक धार्मिक नेता के आशीर्वाद और प्रार्थना के बाद पुरानी गले की बीमारी से उबरने की बात कही थी। इस पर अंधविश्वास को बढ़ावा देने के आरोप लगे। बाद में तावड़े ने कहा कि उनके बयान को गलत समझा गया। पिछले सप्ताह भी पुलिस ने ऐसे मानहानिकारक यूट्यूब वीडियो के मामले में एफआईआर दर्ज की, जिनमें एक फोटोग्राफी शिक्षक को झूठा तरीके से मेयर का पति बताया गया था। अगस्त में मेयर कार्यालय से जुड़े नागरिक खर्च को लेकर बड़ा विवाद सामने आया। बीएमसी ने भायखला चिड़ियाघर स्थित मेयर के आधिकारिक विरासत आवास के आसपास क्षेत्र के उन्नयन और बुनियादी ढांचे के लिए करीब 2.9 करोड़ रुपये के काम का प्रस्ताव रखा। यह प्रस्ताव इसलिए भी चर्चा में आया क्योंकि कुछ महीने पहले मेयर के आवास के नवीनीकरण पर करीब 2.4 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे। तावड़े ने इस प्रस्ताव से खुद को अलग करते हुए कहा कि उन्होंने न तो यह काम मांगा था और न ही बीएमसी प्रशासन से इसे कराने को कहा था। उन्होंने स्पष्ट किया कि टेंडर बंगले के नवीनीकरण से संबंधित नहीं था। बाद में उन्होंने बीएमसी से टेंडर वापस लेने को कहा, जिसके बाद इसे रद्द कर दिया गया। उनका कहना था कि उनकी जानकारी के बिना कई प्रस्तावों को उनके नाम से जोड़ा जा रहा है। बीएमसी प्रशासन से टकराव तावड़े और बीएमसी प्रशासन के बीच टकराव उस समय खुलकर सामने आया, जब मेयर कार्यालय के सोशल मीडिया प्रबंधन के लिए 25.12 लाख रुपये का प्रस्ताव स्थायी समिति के सामने रखा गया। इसमें एक साल के लिए सोशल मीडिया सेवाएं जारी रखने की बात थी और यह भी दर्ज था कि इसके लिए टेंडर प्रक्रिया नहीं अपनाई गई। विपक्ष ने इस पर सवाल उठाए। तावड़े ने पहले कहा कि उन्हें टेंडर की जानकारी नहीं थी। उन्होंने बीएमसी आयुक्त अश्विनी भिड़े को पत्र लिखकर मांग की कि उनके नाम से जुड़े प्रस्ताव उनके कार्यालय के जरिए भेजे जाएं। उन्होंने बीएमसी के जनसंपर्क विभाग के कामकाज पर भी सवाल उठाए। उनके समर्थकों का आरोप था कि कुछ अधिकारी जानबूझकर मेयर का नाम प्रस्तावों में जोड़कर उन्हें विवाद में घसीट रहे हैं मामला इसके बाद बीएमसी से निकलकर राज्य सरकार तक पहुंच गया। तावड़े ने इस सप्ताह मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात कर बीएमसी के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी को हटाने की मांग की।

मॉल की छत पर पहुंची 20 साल की महिला, कूदने की कोशिश से मचा हड़कंप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। रोहिणी इलाके में रविवार रात उस वक्त हड़कंप मच गया, जब यूनिटी वन मॉल की छत से एक 20 वर्षीय महिला ने कूदने की कोशिश की. हालांकि समय रहते दिल्ली फायर सर्विस की टीम, पुलिस और मॉल के सुरक्षा कर्मचारियों ने संयुक्त प्रयास कर महिला को सुरक्षित बचा लिया. इस बात की जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने एक न्यूज एजेंसी को दी. दिल्ली फायर सर्विस के एक अधिकारी के मुताबिक रात करीब 8.50 बजे विभाग को सूचना मिली कि एक महिला मॉल की छत पर पहुंच गई है और वहां से कूदने की कोशिश कर रही है. सूचना मिलते ही फायर विभाग ने बिना देरी किए एक फायर टेंडर को मौके पर भेजा.

महिला की फायर सर्विस टीम ने ऐसे बचाई जान

मौके पर पहुंची फायर सर्विस की टीम ने मॉल के सिक्योरिटी गार्ड और दिल्ली पुलिस के साथ मिलकर महिला को सुरक्षित नीचे उतारने की कोशिश शुरू की. टीमों की करीब 25 मिनट की मशक्कत के बाद रात 9.15 बजे महिला को सुरक्षित बचा लिया गया. महिला को बचाए जाने के बाद उसे आगे की जरूरी कार्रवाई के लिए

दिल्ली पुलिस को सौंप दिया गया. फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है. राहत की बात यह रही कि फायर सर्विस और पुलिस की तत्परता से महिला को समय रहते सुरक्षित बचा लिया गया और एक बड़ा हादसा टल गया.

डिजाइन की एक गलती और मुंबई मेट्रो को 250 करोड़ की चपत, तोड़ा जाएगा 1KM का स्ट्रेच

मुंबई मेट्रो 7ए के एयरपोर्ट कॉलोनी वाले हिस्से में ऊंचाई की डिजाइन चूक से बना ढांचा सुरक्षा सीमा से करीब 2.5 मीटर ऊपर चला गया.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। मेट्रो लाइन के निर्माण में हुई एक डिजाइन की गलती अब मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी यानी MMRDA के लिए बड़ा आर्थिक झटका बन सकती है. इस गलती की वजह से करीब 250 से 260 करोड़ रुपये का नुकसान होने की आशंका है. मामला विले पार्ले ईस्ट में एयरपोर्ट कॉलोनी स्टेशन के पास बने एलिवेटेड वायाडक्ट और ओवरहेड इलेक्ट्रिफिकेशन यानी ह्रश्व सिस्टम की ऊंचाई से जुड़ा है. यह पूरा हिस्सा छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट के अहम एयर फनल जोन में आता है. MMRDA के मुताबिक, एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया यानी AAI ने प्रोजेक्ट के लिए ह्लश्रष्ट दी थी, लेकिन प्रोजेक्ट के जनरल कंसल्टेंट और डिजाइन कंसोर्टियम SYSTRA-CEG-SMCIPL ने OHE सिस्टम की अतिरिक्त ऊंचाई को डिजाइन और प्लानिंग के दौरान पर्याप्त तरीके से ध्यान में नहीं रखा. इसके चलते तैयार किया गया इंफ्रास्ट्रक्चर विमानन अधिकारियों की तय सुरक्षा सीमा से करीब 2.5 मीटर ज्यादा ऊंचा हो गया है. खास बात यह है कि इस गलती का पता 2025 में तब चला, जब निर्माण काफी आगे बढ़ चुका था. 2026 की शुरुआत तक एलिवेटेड वायाडक्ट लगभग पूरा हो चुका है, जबकि एयरपोर्ट कॉलोनी स्टेशन और उसका एलिवेटेड रैंप भी लगभग तैयार है.

मुंबई मेट्रो ने एयरपोर्ट अथॉरिटी से छूट की मांग की

इस हिस्से का निर्माण 2025 से ही रुका हुआ है. MMRDA ने एयरपोर्ट अथॉरिटी से ऊंचाई में छूट देने का अनुरोध किया है और फिलहाल अथॉरिटी की अंतिम तकनीकी रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है. अगरU AAI सुरक्षा मानकों में छूट नहीं देता है तो स्रूक्रष्ठ को करीब 1 किलोमीटर लंबे एलिवेटेड वायाडक्ट को तोड़कर दोबारा बनाना पड़ सकता है. सिर्फ ट्रैक या वायाडक्ट को नीचे करना भी आसान नहीं होगा, क्योंकि इससे मेट्रो के सुरक्षित संचालन के लिए जरूरी ग्रेडिएंट प्रभावित हो सकता है.

मुंबई मेट्रो की डिजाइन और प्लानिंग के दौरान हुई गलती

MMRDA ने डिजाइन कंसल्टेंट को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा है कि विमानन से जुड़े ऊंचाई प्रतिबंधों को डिजाइन और प्लानिंग के दौरान पर्याप्त तरीके से शामिल नहीं किया गया. MMRDA के मेट्रो प्रोजेक्ट्स डायरेक्टर बसवराज एमबी ने कहा कि एयरपोर्ट अथॉरिटी की अंतिम रिपोर्ट मिलने के बाद तकनीकी मूल्यांकन किया जाएगा और उसके आधार पर आगे की कार्रवाई तय होगी. 3.4 किलोमीटर लंबी मेट्रो लाइन 7 अंधेरी ईस्ट को एयरपोर्ट से जोड़ने वाली अहम लाइन है. इसे यात्रियों को अंडरग्राउंड मेट्रो लाइन 3 से जोड़ना है.

बच्चू कडू ने मांगा MPSC चेयरमैन और सचिव का इस्तीफा, Drug Inspector Paper leak में अपनी ही सरकार को घेरा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। शिवसेना के विधान परिषद सदस्य बच्चू कडू ने रविवार को महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग (एमपीएससी) के अध्यक्ष और सचिव से नैतिक आधार पर इस्तीफा देने की मांग की। एफडीए निरीक्षक परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक होने के आरोपों और प्रतियोगी परीक्षाओं को लेकर सामने आए विवादों के बीच उन्होंने यह मांग की है। पुलिस ने इस साल की शुरुआत में हुई औषधि निरीक्षक (समूह-बी) प्रारंभिक परीक्षा के प्रश्नपत्र कथित तौर पर लीक होने के मामले में बुधवार को एमपीएससी के तीन अधिकारियों समेत छह लोगों को गिरफ्तार किया था। अधिकारियों ने बताया था कि आरोपियों ने कथित तौर पर परीक्षा से पहले ही प्रश्नपत्र हासिल कर लिए थे, उन्हें एक अलग सेट में तैयार किया और अनधिकृत लोगों तक पहुंचाया। बच्चू कडू ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि आयोग के शीर्ष पदाधिकारियों को नैतिक जिम्मेदारी स्वीकार करते हुए इस्तीफा दे देना चाहिए। अगर वे ऐसा नहीं करते हैं, तो मैं मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री से उनके इस्तीफे की मांग करूंगा। बच्चू कडु कहा कि एमपीएससी के अध्यक्ष और सदस्यों का किसी भी तरह का राजनीतिक जुड़ाव या संबंध नहीं होना चाहिए। कडू ने यह भी कहा कि आयोग का सचिव राज्य सचिवालय कैडर के अधिकारी के बजाय भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) का वरिष्ठ अधिकारी होना चाहिए। कडू ने आयोग के मौजूदा संयुक्त सचिव और परीक्षा नियंत्रक की नियुक्ति की विस्तृत जांच की भी मांग की।

बिहार के मंत्री ने तेज प्रताप को 50 करोड़ रुपए का मानहानि नोटिस भेजा

-नोटिस में माफी मांगने और लगाए आरोपों का खंडन करने की मांग की गई

पटना (एजेंसी)। बिहार सरकार में लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग मंत्री संजय कुमार सिंह ने जनशक्ति जनता दल (जेजेडी) के अध्यक्ष तेज प्रताप यादव को 50 करोड़ रुपए का कानूनी मानहानि नोटिस भेजा है। नोटिस में तेज प्रताप यादव की ओर से एक्स और फेसबुक पर लगाए गए आरोपों को पूरी तरह झूठा, निराधार, दुर्भावनापूर्ण और मंत्री की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने वाला बताया है। नोटिस में कहा गया है कि सोशल मीडिया पर लगाए गए इन आरोपों से मंत्री की छवि और प्रतिष्ठा को नुकसान हुआ है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कानूनी नोटिस में तेज प्रताप यादव से 7 दिन के अंदर सार्वजनिक रूप से माफी मांगने और लगाए गए आरोपों का खंडन करने की मांग की गई है। नोटिस में साफ कहा गया है कि अगर तय समय में ऐसा नहीं किया तो तेज प्रताप यादव के खिलाफ 50 करोड़ रुपए की मानहानि का सिविल और क्रिमिनल केस दर्ज कराया जाएगा। बता दें तेज प्रताप यादव ने एक्स पर एक पोस्ट कर मंत्री संजय कुमार सिंह पर गंभीर आरोप लगाए थे। तेज प्रताप ने आरोप लगाया था कि मंत्री संजय कुमार सिंह ने दिल्ली दौरे के दौरान एक बड़े होटल में एक महिला कर्मचारी के साथ कथित तौर पर अभद्र व्यवहार किया और उसके साथ शोषण का प्रयास किया। तेज प्रताप यादव ने पूरे मामले की सरकार से निष्पक्ष जांच की मांग भी की थी। उन्होंने यह भी दावा किया था कि मामले को दबाने और रफा-दफा करने के लिए कथित तौर पर 25 लाख रुपए का लेन-देन किया गया। तेज प्रताप यादव की ओर से लगाए गए इन आरोपों की अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। वहीं, मंत्री संजय कुमार सिंह की ओर से भेजे गए मानहानि नोटिस में इन आरोपों को झूठा और निराधार बताया गया है।

भारत-बांग्लादेश सीमा पर महिला तस्कर गिरफ्तार, 25 करोड़ का सोना जब्त

कोलकाता (एजेंसी)। बीएसएफ ने पश्चिम बंगाल के नदिया में भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर एक बार फिर सोने की तस्करी की बड़ी कोशिश नाकाम कर दी है। एक गुप्त सूचना के आधार पर, बीएसएफ की 32वीं बटालियन के जवानों ने बनपुर बॉर्डर इलाके में ऑपरेशन चलाया और एक महिला को हिरासत में लिया। बीएसएफ सूत्रों के मुताबिक, लंबे समय तक नजर रखने के बाद, संदिग्ध गतिविधि दिखने पर महिला को हिरासत में लिया गया। तलाशी लेने पर उसके पास से कुल 15 किलो 607 ग्राम सोना बरामद हुआ। बीएसएफ का दावा है कि जब्त किए गए सोने की अनुमानित बाजार कीमत 24 करोड़ 95 लाख 56 हजार है। बीएसएफ अधिकारी तस्करी की घटना के बारे में महिला से पूछताछ कर रहे हैं। जांचकर्ता यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि इस रैकेट में और कौन-कौन शामिल है, सोना कहाँ से लाया गया था और इसे कहां तस्करी करके ले जाया जाना था। बीएसएफ ने तस्करी रोकने के लिए बॉर्डर पर निगरानी बढ़ा दी है। जांचकर्ताओं का मानना है कि सोने की इतनी बड़ी बरामदगी से तस्करी करने वाले एक बड़े और सक्रिय गिरोह का पता चल सकता है, इसीलिए महिला से पूछताछ की जा रही है।

चीनी मांझे ने ली पूर्व सैनिक की जान, ड्यूटी खत्म होने के बाद लौट रहे थे घर

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू में चीनी मांझे से गला कटने के कारण एक पूर्व सैनिक की मौत हो गई। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि सेवानिवृत्त नायब सूबेदार लखविंदर सिंह रविवार देर रात दोपहिया वाहन से बिश्नाह इलाके से गुजर रहे थे, तभी वह इस जानलेवा मांझे की चपेट में आ गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्होंने बताया कि लखविंदर को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। अधिकारियों के मुताबिक लखविंदर सिंह बाड़ी ब्राह्मण स्थित एक औद्योगिक इकाई में निजी सुरक्षा गार्ड के तौर पर काम करते थे और ड्यूटी खत्म करने के बाद अपने घर लौट रहे थे। प्रशासन ने चीनी पतंग की डोर या मांझे की बिक्री और इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा रखा है। इसके बावजूद प्रतिबंधित सामग्री की चोरी-छिपे बिक्री करने के आरोप में हाल के दिनों में जम्मू में कई दुकानदारों को गिरफ्तार किया गया है। इस ताजा घटना के बाद प्रतिबंध को लागू करने को लेकर चिंता बढ़ गई है। लोगों ने इसके इस्तेमाल करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने कानून की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की पहचान कर उन्हें पकड़ने के लिए प्रयास जारी हैं।

केदारनाथ में उमड़ा आस्था का सैलाब : बारिश भी नहीं रोक सकी लाखों भक्तों की भीड़

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के केदारनाथ धाम में इन दिनों आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। पहाड़ी इलाकों में लगातार हो रही बारिश और बदलते मौसम के बावजूद, बाबा केदार के भक्तों का उत्साह कम नहीं हो रहा है। देश के हर कोने-कोने से श्रद्धालु तमाम चुनौतियों का सामना कर केदारनाथ धाम पहुंच रहे हैं, जिससे यात्रा निर्बाध रूप से जारी है।

जयललिता की राह पर जोसेफ विजय? पीएम पद की चर्चा पर कांग्रेस-डीएमके की कड़ी प्रतिक्रिया

नई दिल्ली, एजेंसी।
चेन्नई,(ईएमएस)। एक ताजा सर्वे में मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय को प्रधानमंत्री पद के लिए 9 प्रतिशत जनसमर्थन मिलने के बाद, उनकी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं पर बहस शुरु हो गई है। इस सर्वे में विजय, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बाद तीसरे स्थान कायम हुए है। इसके बाद सवाल उठने लगा है कि क्या उनकी पार्टी, तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके), पूर्व मुख्यमंत्री जे.जयललिता की 2014 की रणनीति दोहराने पर विचार कर रही है, जब उन्होंने खुद को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित कर 37 लोकसभा सीटें जीती थीं। टीवीके नेताओं के.ए. सेंगोट्टैयन और सी.टी.आर. निर्मल कुमार ने विजय को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाने की संभावना से इंकार नहीं किया है। हालांकि, इस बात पर विपक्षी डीएमके और

विजय की सरकार में सहयोगी कांग्रेस ने कड़ी आलोचना की है। कांग्रेस नेता और उच्च शिक्षा मंत्री पी. विश्वनाथन ने स्पष्ट किया कि राहुल गांधी ही उनकी पार्टी के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार है। कांग्रेस ने यहां तक धमकी दी है कि यदि विजय की पार्टी 2029 में राहुल गांधी का समर्थन नहीं करती है, तब वे विजय की कैबिनेट से हट जाएंगे। कांग्रेस नेता मणिकम टैगोर ने सर्वे के आंकड़ों को खारिज कर कहा कि हर आंकड़ा सच नहीं बताता और हर सर्वे लोगों की आवाज नहीं होता।
क्षेत्रीय सहयोगी जैसे वाइको की एमडीएमके, थोल. थिरुमावलवन की वीसीके और आईयूएलएम शायद इस तरह के अभियान का विरोध न करें और टीवीके गठबंधन में बने रहें, लेकिन राहुल गांधी को आगे बढ़ाने की इच्छुक कांग्रेस के लिए यह स्थिति मुश्किल पैदा कर सकती है। डीएमके नेता आरएस भारती ने टीवीके की बातों का मज़ाक उड़ाकर कहा कि उनकी कल्पना की कोई सीमा नहीं है और वे विजय को संयुक्त राष्ट्र प्रमुख भी बता सकते हैं। गौरतलब है कि टीवीके अभी तक इंडिया गठबंधन का हिस्सा नहीं बनी है, और लोकसभा चुनावों के लिए उसकी रणनीति का भी अभी तक पता नहीं चला है, जो इस पूरे विवाद को और गहराता है।

पटना में जहरीली शराब का कहर : विपक्ष ने सम्राट सरकार को घेरा

पटना (एजेंसी)। पटना जिले के बाढ़ क्षेत्र में कथित तौर पर जहरीली शराब पीने से चार लोगों की मौत हुई है। इस घटना ने राज्य में कानून-व्यवस्था और शराबबंदी पर फिर से सवाल खड़े किए हैं। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने बिहार सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि राज्य में कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है और ऐसी मौतें लगातार हो रही हैं। राजद नेता यादव ने प्रशासन की बड़े पैमाने पर लापरवाही का आरोप लगाकर कहा कि गरीब अपनी जान गंवा रहे हैं और उल्टे उन पर ही मामले दर्ज कर जेल भेजा जा रहा है। उन्होंने इन मौतों की गहन जांच की मांग की। वहीं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस मुद्दे पर गंभीर है और जांच के आदेश दे दिए हैं। दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) के प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा ने भी जहरीली शराब से होने वाली मौतों पर चिंता जाहिर की गई। उन्होंने लोगों से शराब का सेवन छोड़ने की अपील करते हुए कहा कि शराब किसी भी रूप में मौत की ओर ही ले जाती है। उन्होंने भी स्थानीय प्रशासन से मामले की जांच का आग्रह किया।

शुद्धिकरण मामला: वाल्मीकि समाज की शिकायत पर राहुल पर प्राथमिकी दर्ज

-आरोप- राहुल गांधी की टिप्पणी से वाल्मीकि समाज की भावनाएं आहत हुईं

हल्द्वानी, एजेंसी।
उत्तराखंड के हल्द्वानी स्थित रामलीला मैदान में 'शुद्धिकरण' के मामले को लेकर की गई विवादित टिप्पणी के लिए लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने बताया कि हल्द्वानी के वाल्मीकि समाज की शिकायत पर कोतवाली थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है।
मीडिया रिपोर्ट में पुलिस के हवाले से बताया गया है कि शिकायत में राहुल गांधी को आरोपी बनाया गया है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि राहुल गांधी ने इस विवाद को लेकर अपनी टिप्पणी में यज्ञ कार्यक्रम को जातिगत रंग दिया और इससे जुड़े लोगों को 'छुआछूत मानने वाला' और 'दलित विरोधी' बताने की कोशिश की। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी की टिप्पणी से वाल्मीकि समाज की भावनाएं आहत हुई हैं। कुमार ने कहा कि कार्यक्रम में अनुसूचित जाति सहित विभिन्न वर्गों के लोग शामिल हुए थे और इसका कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे या किसी व्यक्ति विशेष से कोई संबंध नहीं था।
पुलिस ने बताया कि शिकायत के आधार पर विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। इसके अलावा प्राथमिकी में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की धाराएं भी जोड़ी गई हैं। इससे पहले शिकायतकर्ता ने शिकायत के साथ पुलिस को संबंधित प्रेस वार्ता की वीडियो रिकॉर्डिंग, सोशल मीडिया पोस्ट और आठ व 11 अगस्त के कार्यक्रमों के फोटो-वीडियो पर संज्ञान लेने तथा संबंधित लोगों के बयान दर्ज करने का अनुरोध किया था। शिकायत की प्रतियां नैनीताल के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और अन्य अधिकारियों के साथ ही राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग को भी भेजी गई थी। बता दें हल्द्वानी के रामलीला मैदान में 8 अगस्त को कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे की जनसभा के बाद 11 अगस्त को कुछ लोगों ने वहां 'शुद्धिकरण यज्ञ' किया था, जिसे लेकर सियासी घमासान शुरू हो गया था। कांग्रेस जहां मामले को बीजेपी की दलित विरोधी सोच बता रही है, वहीं बीजेपी ने यह कहते हुए इसका बचाव किया कि खड़गे की जनसभा में गंदगी फैलाई और ऐसे नारे लगे जो धार्मिक स्थान पर नहीं लगने चाहिए थे।

पीएम मोदी का बाबर के देश में सम्मान, बीजेपी वालो मुबारक हो...

ओवैसी ने प्रधानमंत्री मोदी को उज्बेकिस्तान का सर्वोच्च सम्मान मिलने पर कसा तंज

नई दिल्ली, एजेंसी।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उज्बेकिस्तान के सर्वोच्च मित्रता सम्मान से सम्मानित किए जाने के बाद इस पर सियासत शुरू हो गई है। एआईएमआईएम प्रमुख और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने प्रधानमंत्री को मिले सम्मान को लेकर भाजपा और आरएसएस पर तंज कसा है। ओवैसी ने कहा कि भाजपा को बधाई दी जानी चाहिए कि जिस देश से बाबर भारत आया था, उसी देश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सम्मानित किया है।
ओवैसी ने कहा कि प्रधानमंत्री जहां भी जाते हैं, उन्हें सम्मान मिलता है। उन्होंने भाजपा और संघ परिवार के पुराने राजनीतिक बयानों का जिक्र करते हुए कहा कि जिस बाबर के नाम पर उन्हें गालियां दी जाती थीं, अब उसी क्षेत्र के देश ने प्रधानमंत्री को नागरिक सम्मान दिया है। ओवैसी ने कहा कि ÷मैं मुबारकबाद देता हूं बीजेपी वालों को कि उस देश ने भी प्रधानमंत्री को अवार्ड दे दिया, जहां से

बाबर भारत आए थे।÷ उन्होंने आरएसएस और संघ परिवार से इस मुद्दे पर सोचने की बात कही और उम्मीद जताई कि अब बाबर का नाम लेकर उसी तरह की राजनीतिक बयानबाजी नहीं की जाएगी।

ताशकंद में पीएम मोदी को मिला सर्वोच्च सम्मान

30 अगस्त 2026 को ताशकंद में उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश के सर्वोच्च मित्रता सम्मान 'ओली दाराजाली दोस्तलिक' से सम्मानित किया। यह सम्मान किसी मित्र देश के नेता को दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने में योगदान के लिए दिया जाता है। 'ओली दाराजाली' का अर्थ 'सर्वोच्च स्तर', जबकि 'दोस्तलिक' का अर्थ 'मित्रता' है। प्रधानमंत्री मोदी ने सम्मान मिलने के बाद इसे भारत और उज्बेकिस्तान के बीच मजबूत और स्थायी संबंधों को समर्पित किया।

ताशकंद में पीएम मोदी को मिला सर्वोच्च सम्मान

30 अगस्त 2026 को ताशकंद में उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश के सर्वोच्च मित्रता सम्मान 'ओली दाराजाली दोस्तलिक' से सम्मानित किया। यह सम्मान किसी मित्र देश के नेता को दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने में योगदान के लिए दिया जाता है। 'ओली दाराजाली' का अर्थ 'सर्वोच्च स्तर', जबकि 'दोस्तलिक' का अर्थ 'मित्रता' है। प्रधानमंत्री मोदी ने सम्मान मिलने के बाद इसे भारत और उज्बेकिस्तान के बीच मजबूत और स्थायी संबंधों को समर्पित किया।

मायावती का महिला मतदाताओं से रेवड़ी संस्कृति से सतर्क रहने का आह्वान

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख और पूर्व सीएम मायावती ने महिला मतदाताओं से निजी लाभ वाले लुभावने वादों और मुफ्त सुविधाओं (रेवड़ियों) से सतर्क रहने की अपील की है, क्योंकि ये चुनावों को अनुचित तरीके से प्रभावित करती हैं। उत्तरप्रदेश के सभी मंडल व जिला इकाइयों के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक में उन्होंने आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों और उम्मीदवारों के चयन की प्रगति की समीक्षा की। मायावती का बयान संभवतः सपा की हालिया घोषणा की ओर इशारा था, जिसमें हर गरीब महिला को प्रतिवर्ष 40,000 देने, उन्हें आत्मनिर्भर बनाने और मुफ्त लैपटॉप, साइकिल व मोबाइल फोन वितरित करने की बात कही थी।
बसपा प्रमुख ने कहा कि चुनावी स्वार्थ के लिए मतदान से पहले इसतरह के निजी लाभ पहुंचाने वाली घोषणाओं से चुनाव गलत तरीके से प्रभावित होते हैं। उन्होंने यूपी की जनता को आगाह कर कहा कि चुनाव के बाद सरकार बनने पर देश के कई राज्यों में वादाखिलाफी आम बात है। इसलिए लोगों को विरोधी दलों के खुलेआम छलावे और विश्वासघात से बचकर स्वतंत्र व निष्पक्ष मतदान करना चाहिए। उन्होंने बताया कि वादाखिलाफी और जनहित के प्रति गैर-जिम्मेदारी के खिलाफ बसपा के संघर्ष के साथ, जेन-जी और जेन-अल्फा पीढ़ी के युवाओं को आवाज उठानी पड़ रही है, जिसके कारण उन्हें पुलिस मामलों और सरकारी दमन का सामना करना पड़ता है।
मायावती ने सत्तारूढ़ भाजपा सरकार पर निशाना साधकर कहा कि महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी और पलायन से यूपी की जनता त्रस्त है। केंद्र सरकार की घोषणाएं ऊंट के मुंह में जीरा

साबित हो रही हैं और इनमें समस्या समाधान से अधिक चुनावी छलावा नजर आता है। उन्होंने जोर दिया कि जनहित और जनकल्याण का दायित्व निभाना सभी सरकारों की संवैधानिक जिम्मेदारी है और इसे लगातार जारी रखना चाहिए। बसपा सरकारों ने बिना किसी चुनाव का इंतजार किए इस दायित्व को निभाया और सामाजिक परिवर्तन व आर्थिक मुक्ति के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किए। पूर्व मुख्यमंत्री ने नौ अक्टूबर को बसपा संस्थापक कांशीराम की पुण्यतिथि के कार्यक्रम को पूरी निष्ठा से आयोजित करने का निर्देश दिया। यह कार्यक्रम इस वर्ष केवल लखनऊ में वीआईपी रोड पर स्थित मान्यवर श्री कांशीराम जी स्मारक स्थल में होगा, जहां पूरे प्रदेश से लोग कांशीराम को श्रद्धांजलि देने एकत्र हो।

हमारे तिरंगे और मेरे देश का अपमान न करें, इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी

रिजिजू ने न्यूयॉर्क में तिरंगे का अपमान करने वाले प्रदर्शनकारियों की आलोचना की

नई दिल्ली, एजेंसी।
केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में प्रदर्शन के दौरान भारतीय राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करने वाले प्रदर्शनकारियों की आलोचना की। उन्होंने कहा कि लोगों को आरएसएस, बीजेपी या सरकार की आलोचना करने की आजादी है लेकिन देश और राष्ट्रीय ध्वज का अपमान महंगा पड़ेगा। यह विरोध प्रदर्शन शनिवार को हुआ जब आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विरोध प्रदर्शन का एक वीडियो शेयर किया, जिसमें कथित तौर पर भारतीय राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करते दिखाया गया

है।
रिपोर्ट के मुताबिक एक्स पर पोस्ट में रिजिजू ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा- हमने हमेशा कहा है कि आपको आरएसएस, बीजेपी या सरकार की आलोचना करने की आजादी है, लेकिन हमारे देश को बुरा-भला न कहें। हमारे झंडे और मेरे देश का अपमान न करें। इसकी आपको भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। भागवत ने अमेरिका, कनाडा और यूनाइटेड किंगडम के अपने तीन देशों के दौरे के पहले चरण के तहत यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन को संबोधित किया। वे आरएसएस के शताब्दी वर्ष समारोह के हिस्से के तौर पर वहां के स्थानीय संगठनों के निमंत्रण पर पहुंचे थे।
अपने संबोधन में भागवत ने कहा कि भले ही भारत प्रवासी भारतीयों की जन्मभूमि है, लेकिन जिस देश में वे रहते हैं वह उनकी कर्मभूमि है। इसलिए उन्हें सबसे पहले अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए और उस देश के प्रति वफादार रहना चाहिए जहां वे रहते हैं।

पटाखा फैक्टरी में भीषण आग, 11 की मौत, कई की हालत बेहद नाजुक

कौशाम्बी, एजेंसी।
यूपी के कौशाम्बी जिले के पिपरी थाना क्षेत्र के मनौरी बाजार में सोमवार दोपहर करीब 12 बजे एक पटाखा फैक्टरी में अचानक आग लगने से बड़ा हादसा हो गया। आग लगते ही फैक्टरी में रखे पटाखों में एक के बाद एक तेज धमाके होने लगे। धमाकों की आवाज करीब दो किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। कुछ ही देर में फैक्टरी से उठे धुएं के गुबार ने आसपास के इलाके को ढक लिया, जिससे बाजार में अफरा-तफरी मच गई। धमाके में कई परिवारों के मकान धराशायी हो गए। फिलहाल हादसे में 11 लोगों की मौत हो जाने की सूचना है। वहीं, दर्जनभर से अधिक लोगों की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है। मृतकों का आंकड़ा बढ़ भी सकता है। मौके पर प्रयागराज के एडीजी, आईजी, डीआईजी, अपर पुलिस आयुक्त के अलावा कौशाम्बी के डीएम और एसपी पहुंच गए हैं। झुलसे लोगों को एसआरएन अस्पताल प्रयागराज भेजा गया है।
बताया जा रहा है कि बस्ती से कुछ दूरी पर एक मकान में पटाखा फैक्टरी संचालित हो रही थी। हादसे के समय अंदर करीब दर्जनभर लोगों के मौजूद होने की सूचना है। आग लगने के बाद आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे, लेकिन लगातार हो रहे धमाकों के कारण अंदर जाना मुश्किल रहा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मकान से अचानक धुआं उठने के बाद पटाखों में विस्फोट शुरू हुआ। मकान के ऊपर से बिजली के तार भी गुजर रहे हैं। हादसे में एक दर्जन से अधिक लोगों के गंभीर रूप से झुलसने की सूचना मिल रही है। मौके पर पुलिस अधिकारियों के साथ दो थानों की फोर्स राहत-बचाव में जुटी है। घायलों को एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया जा रहा है।

ब्रिक्स समिट से पहले दिल्ली में होगा मेगा ट्रेड फेयर, मोदी-पुतिन होंगे शामिल !

-इस प्रदर्शनी से औद्योगिक प्रोजेक्ट्स के लिए नए अवसर मिलने की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी।
18वें ब्रिक्स समिट से पहले दिल्ली में 9 से 11 सितंबर के बीच पहला बड़ा भारत-रूस इंटरनेशनल इंडस्ट्रियल ट्रेड फेयर आयोजित होने जा रहा है। इस प्रदर्शनी में पीएम मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के पहुंचने की उम्मीद है। इसकी जानकारी रखने वाले लोगों ने बताया कि इस प्रदर्शनी से दोनों देशों के बीच सीधे व्यापारिक जुड़ाव, टेक्नोलॉजी पार्टनरशिप और संयुक्त औद्योगिक प्रोजेक्ट्स के विकास के लिए नए अवसर मिलने की उम्मीद है। इसी बीच रूसी राष्ट्रपति पुतिन 12-13 सितंबर को होने वाले ब्रिक्स समिट में शामिल होने के लिए भारत आएंगे।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत-रूस संबंधों के जानकारों का कहना है कि मोदी और पुतिन का इस प्रदर्शनी का दौरा यह दिखाता है कि दोनों देशों के बीच औद्योगिक और आर्थिक सहयोग को कितना महत्व दिया जा रहा है। इस कार्यक्रम से जुड़े लोगों ने बताया कि प्रदर्शनी में मैकेनिकल इंजीनियरिंग, रसायन, डिजिटल तकनीक, खनन एवं उत्खनन तकनीक, मानव-केंद्रित तकनीक और द्विपक्षीय व्यापार एवं औद्योगिक सहयोग जैसे क्षेत्रों पर फोकस रहेगा।
जानकारी के मुताबिक रूसी राष्ट्रपति पुतिन ब्रिक्स समिट की बैठक में शामिल होने के लिए नई दिल्ली का दौरा कर सकते हैं। पुतिन का नई दिल्ली दौरा एक साल में दूसरी बार है। वहीं भारत ने इस साल 13 जनवरी 2026 को ब्रिक्स समूह की अध्यक्षता संभाली थी। 14 जनवरी के आसपास भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इस समिट से जुड़े आधिकारिक थीम, लोगो और वेबसाइट का शुभारंभ किया था। इससे पहले पुतिन दिसंबर 2025 में दो दिवसीय दौरे पर भारत आए थे, जहां उन्होंने पीएम मोदी से मुलाकात की और 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में शामिल हुए थे।

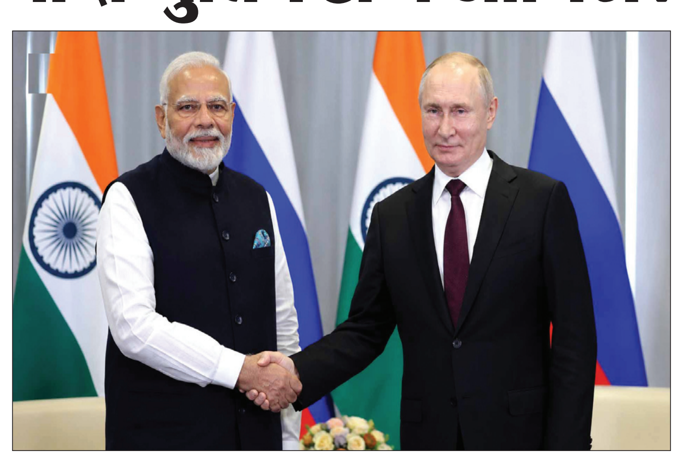

वैश्विक दबाव में सोना-चांदी धड़ामः खरीदारी का शानदार मौका!

24 कैरेट सोना 2,460 और चांदी 2,840 प्रति किलोग्राम सस्ती हुई

नई दिल्ली

वैश्विक बाजारों से मिले कमजोर संकेतों और घरेलू स्तर पर मांग में कमी के चलते भारतीय सर्राफा बाजार में सोमवार को सोने और चांदी की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई। पिछले कुछ दिनों से जारी उतार-चढ़ाव के बाद, दोनों कीमती धातुएं तेजी से नीचे आई हैं, जिससे निवेशकों और खरीदारों में हलचल मच गई है। आज 24 कैरेट सोना 2,460 रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी 2,840 रुपए प्रति किलोग्राम सस्ती हुई है।मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) और प्रमुख हाजिर बाजारों के आंकड़ों के अनुसार, 24 कैरेट शुद्ध सोने की कीमत में करीब 2,460 रुपए प्रति 10 ग्राम की भारी कटौती देखी गई है। इस गिरावट के बाद शुद्ध सोना अब 1,54,390 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर आ गया है। वहीं आभूषण बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाले 22 कैरेट सोने के दामों में भी आनुपातिक कमी आई है। सोने के साथ-साथ चांदी में भी बड़ी गिरावट दर्ज हुई है। चांदी की कीमत 2,840 रुपए प्रति किलोग्राम गिरकर 2,39,350 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है। बाजार विश्लेषकों के मुताबिक इस बड़ी गिरावट की मुख्य वजह वैश्विक स्तर पर अमेरिकी डॉलर का मजबूत होना और अमेरिकी केंद्रीय बैंक (फेडरल रिजर्व) की ब्याज दरों को लेकर अनिश्चितता है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में डॉलर के मजबूत होने से सोने की कीमतों पर दबाव बढ़ता है, जिसका सीधा असर भारतीय बाजार पर भी पड़ा है। हालांकि, स्थानीय सर्राफा व्यापारियों का मानना है कि यह गिरावट आम ग्राहकों और आगामी त्योहारों के सीजन में खरीदारी करने वालों के लिए एक अच्छा अवसर साबित हो सकती है। ग्राहकों को ध्यान देना चाहिए कि ये कीमतें बिना टैक्स की हैं। खुदरा दुकान से फिजिकल सोना या चांदी खरीदने पर 3 फीसदी जीएसटी और ज्वैलर्स का मेकिंग चार्ज अलग से लगता है। विशेषज्ञों ने निवेशकों और खरीदारों को बाजार के रुख पर नजर रखने और सावधानी से कदम उठाने की सलाह दी है।

एसआईपी निवेशकों का रुझान बदला, मिडकैप बना नंबर वन, लार्जकैप लुढ़का

- पिछले पांच साल में पारंपरिक निवेश से हटकर व्यापक बाजार की ओर बढ़े निवेशक

नई दिल्ली ।

पिछले पांच साल में सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के निवेशकों की पसंद में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। अब उनका रुझान पारंपरिक लार्ज कैप और टैक्स-सेविंग फंड्स की बजाय व्यापक बाजार से जुड़ी कैटेगरी की ओर बढ़ रहा है। उद्योग निकाय एम्फी और रेटिंग एजेंसी क्रिसिल की ताजा फैक्टबुक के अनुसार, मार्च 2026 में मिड कैप फंड एसआईपी निवेश की सबसे बड़ी कैटेगरी बनकर उभरे हैं, जबकि पांच साल पहले लार्ज कैप फंड सबसे आगे थे। मार्च 2021 में लार्ज कैप फंड 16 फीसदी हिस्सेदारी के साथ सबसे पसंदीदा थे, लेकिन मार्च 2026 तक इनकी हिस्सेदारी घटकर 10 फीसदी रह गई और यह चौथे स्थान पर आ गए। वहीं, मिड कैप फंड की हिस्सेदारी 12.1 फीसदी से बढ़कर 13 फीसदी हो गई, जिससे यह तीसरे से पहले स्थान पर पहुंच गए। स्मॉल-कैप फंड्स की लोकप्रियता भी तेजी से बढ़ी, इनकी हिस्सेदारी 8.3 फीसदी से बढ़कर 12.1 फीसदी हो गई और यह पांचवें से तीसरे स्थान पर आ गए। फ्लेक्सी-कैप फंड (12.8 फीसदी) दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। सेक्टोरल/थीमैटिक फंड्स की हिस्सेदारी 5.8 से बढ़कर 8.7 फीसदी हो गई, यह आठवें से पांचवें स्थान पर पहुंच गए।

दूसरी ओर, ईएलएलएसएस की हिस्सेदारी 12.1 से घटकर 6.8 फीसदी रह गई। मल्टी-कैप फंड भी 4.1 फीसदी हिस्सेदारी के साथ पहली बार टॉप-10 (नौवें स्थान) में शामिल हुए, जबकि बैलेंस्ड हाइब्रिड/एग्रेसिव हाइब्रिड फंड इस सूची से बाहर हो गए हैं।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 307, निफ्टी 95 अंक गिरा

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसके अलावा अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से भी बाजार नीचे आया है।

विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 307.24 अंक टूटकर 76,957.27 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 95.25 अंक फिसलकर 24,080.40 पर बंद हुआ।

बाजार की व्यापक स्थिति पर नजर डालें तो आज बीएसई पर कुल 4680 शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2571 शेयरों में गिरावट दर्ज की गई, जबकि 1855 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए और 254 शेयरों में कोई बदलाव नहीं रहा। बेंचमार्क इंडेक्स में कमजोरी के बावजूद, निवेशकों के लिए एक सकारात्मक संकेत निफ्टी मिडकैप 100 में देखा गया, जो 0.24 फीसदी की मामूली बढ़त के साथ 64,224.75 पर बंद हुआ। हालांकि, स्मॉलकैप इंडेक्स पर दबाव बना रहा और निफ्टी स्मॉलकैप 100 0.74 फीसदी गिरकर 19,931.65 पर आ गया।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से अधिकांश में कमजोरी हावी रही, जहां केवल 9 शेयर ऊपर चढ़े, जबकि 21 में गिरावट दर्ज की गई। बढ़त वाले प्रमुख शेयरों में सन फार्मा, आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, एसबीआई, बजाज फिनसर्व और टीसीएस शामिल थे। दूसरी ओर, अधिक गिरावट वाले शेयरों में अदाणी पोर्ट्स, आईटीसी, भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक, इंफोसिस और कोटक बैंक जैसे दिग्गज शेयर शामिल रहे, जिन्होंने इंडेक्स को नीचे खींचने में अहम भूमिका निभाई।बाजार में इस गिरावट के पीछे कई प्रमुख कारण रहे। सबसे पहले, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और मध्य-पूर्व में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव ने वैश्विक निवेशकों की धारणा को कमजोर किया। इसके साथ ही, अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा सितंबर में ब्याज दरों में और बढ़ोतरी की संभावना ने भी बाजार को चिंतित किया। जानकारों ने इस संभावना को बल दिया है, जिससे अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में वृद्धि हुई और डॉलर में मजबूती आई, जिससे उभरते बाजारों से पूंजी निकासी का डर बढ़ गया। इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुला। सुबह सेंसेक्स 419.70 अंक गिरकर 76,844.81 पर और निफ्टी 156.60 अंक फिसलकर 24,019.05 पर कारोबार कर रहा था। इसके अलावा, विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली ने भी एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225, शंघाई का एएसई कंपोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग सभी लाल निशान में बंद हुए।

2031 तक 63 लाख यूनिट तक पहुंच सकता है भारत का कार बाजार- भार्गव

वार्षिक बैठक में भार्गव ने कहा- कर सुधारों ने मुश्किल समय में अर्थव्यवस्था को सहारा दिया

नई दिल्ली । मारुति सुजुकी इंडिया के चेयरमैन आरसी. भार्गव ने सोमवार को कंपनी की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में कहा कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में कटौती ने न केवल वाहन उद्योग बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था के कई क्षेत्रों को गति दी है। उन्होंने जोर दिया कि कर सुधारों ने पश्चिम एशिया युद्ध जैसी चुनौतियों के बावजूद अर्थव्यवस्था को बेहतर प्रदर्शन करने में मदद की है। भार्गव ने बताया कि भारतीय अर्थव्यवस्था लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है और जीएसटी संग्रह रिकॉर्ड स्तर पर है। उनका मानना है कि जीएसटी सुधारों के बिना मुश्किल समय में प्रदर्शन इतना बेहतर नहीं होता। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को इन ऐतिहासिक सुधारात्मक कदमों के लिए धन्यवाद दिया और सरकारों से व्यापार को आसान बनाने तथा प्रौद्योगिकी का अधिक उपयोग करने का आग्रह किया, क्योंकि यह भ्रष्टाचार और विलंब कम करता है। मारुति चेयरमैन ने अनुमान लगाया कि भारतीय कार उद्योग 2031 तक 61 से 63 लाख इकाइयों तक पहुंच जाएगा, जिसमें छोटी कारों का बाजार तेजी से बढ़ेगा। इस वृद्धि को पूरा करने के लिए, मारुति अपनी उत्पादन क्षमता का विस्तार कर रही है, जिसका लक्ष्य 2026-27 तक 29 लाख और 2030-31 तक 36.5 लाख इकाइयों की स्थापित क्षमता हासिल करना है। उन्होंने हरियाणा के खरखौदा, गुजरात के हंसलपुर और साणंद में नए संयंत्रों व विस्तार योजनाओं का उल्लेख किया, जिसमें साणंद में लगभग 35,000 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है।

पार्थ जिंदल बने जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के नए चेयरमैन

स्कोडा फॉक्सवैगन के साथ संभावित साझेदारी की बातचीत के बीच हुई नियुक्ति

मुंबई ।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने सोमवार को घोषणा की कि पार्थ जिंदल को तत्काल प्रभाव से कंपनी का चेयरमैन नियुक्त किया गया है। वे पहले कंपनी के निदेशक मंडल में शामिल थे और उनकी नियुक्ति ऐसे महत्वपूर्ण समय पर हुई है जब समूह भविष्य की रणनीतिक साझेदारियों की तलाश में है। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया, जेएसडब्ल्यू समूह और चीन की एसएआईसी मोटर का एक संयुक्त उद्यम है। इसमें जेएसडब्ल्यू की 35 फीसदी, एसएआईसी मोटर की 49 और शेष 16 फीसदी हिस्सेदारी भारतीय वित्तीय संस्थानों, डीलर व कर्मचारियों के पास है। पार्थ जिंदल संयुक्त उद्यम की स्थापना के समय से ही निदेशक मंडल में शामिल रहे हैं। उन्होंने कंपनी की उत्पाद रणनीति, विनिर्माण विस्तार और स्थानीयकरण कार्यक्रमों को आकार देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के चेयरमैन के तौर पर अपनी नई जिम्मेदारी के अलावा, पार्थ जिंदल जेएसडब्ल्यू सीमेंट और जेएसडब्ल्यू पेंट्स के प्रबंध निदेशक, जेएसडब्ल्यू ड्यूलक्स लिमिटेड के चेयरमैन तथा जेएसडब्ल्यू एनर्जी के निदेशक मंडल में भी हैं। वह जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के संस्थापक और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टीम दिल्ली कैपिटल्स के चेयरमैन एवं सह-मालिक भी हैं।

कैशफ्री पेमेंट्स कारोबारियों के लिए एआई एजेंट लॉन्च, फिनटेक कंपनियां करेंगी कमाई

60 घंटे का काम सिर्फ 45 मिनट में होगा, यह लोन रिकवरी जैसे काम भी करेगा

नई दिल्ली।

फिनटेक कंपनी कैशफ्री पेमेंट्स कारोबारियों के लिए एआई एजेंट लॉन्च कर रही है ताकि भुगतान से जुड़े कामों को स्वचालित बनाया जा सके। भारत में फिनटेक कंपनियां भुगतान की प्रोसेसिंग के अलावा कमाई का नया जरिया बनाने के लिए एजेंटिक यूज केस यानी एआई एजेंट वाले समाधान की ओर बढ़ रही हैं। रिले नाम के इस एआई एजेंट का इस्तेमाल कारोबारी कई कामों के लिए कर सकते हैं, जैसे- फेल हुए पेमेंट को दोबारा प्रोसेस करना, अधूरी कार्ट पर फॉलो-अप करना, कैश-ऑन-डिलिवरी ऑर्डर भेजने से पहले पुष्टि करना, फेल सबस्क्रिप्शन का प्रबंध करना और डिस्प्यूट फाइल करना। कंपनी का लक्ष्य ऐसे एजेंट के जरिये 20,000 करोड़ रुपए की गंवाई हुई ग्रॉस मर्चेंडाइज वैल्यू वापस पाना है। ये एजेंट उन ग्राहकों को प्रेरित कर सकते हैं जिनके लेनदेन बीच में ही रोक देने की संभावना है। ये एजेंट ग्राहकों से वॉइस या टेक्स्ट के जरिये बातचीत शुरू कर सकते हैं या उन्हें छूट देकर लेनदेन पूरा करने के लिए राजी सकते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक कैशफ्री पेमेंट्स के इंजीनियरिंग निदेशक ने कहा कि व्यापारियों के पास परिचालन या ग्रोथ टीम होती है जो यह जानने के लिए ग्राहकों को कॉल करती है कि उन्होंने अपनी कार्ट क्यों रोक दी या पेमेंट के दौरान उन्हें क्या दिक्कतें आईं। ये टीमें ग्राहकों को छूट भी दे सकती हैं। अब ये काम एआई एजेंट करेंगे। एक छोटे या मझोले कारोबार को भुगतान से जुड़े कामों में हफ्ते में करीब 60 घंटे लग सकते हैं। कैशफ्री का दावा है कि वह अपने एजेंट के जरिये इस समय को घटाकर 45 मिनट कर सकती है। यह एजेंट बेंगलूरु की कंपनी के इन्फ्रास्ट्रक्चर पर काम करता है। कंपनी ने कहा कि कारोबारी लेनदेन का आंकड़ा बाहर के एआई प्रदाता को नहीं भेजा जाता है।

उन्होंने कहा कि इस एजेंट का इस्तेमाल ई-कॉमर्स के अलावा लोन रिकवरी जैसे कामों के लिए भी किया जा सकता है। इसमें ग्राहकों से कॉल पर बात करना, ई-पेमेंट मैंडेट की जांच करना और ग्राहक से दोबारा संपर्क करने का सही समय तय करना शामिल हो सकता है। इस एजेंटिक सेवा के लॉन्च होने से कैशफ्री जैसी फिनटेक कंपनियों के लिए यह कमाई का एक नया जरिया है, जो भुगतान उद्योग की कड़ी प्रतिस्पर्धा और पेमेंट प्रोसेसिंग के बहुत कम मार्जिन पर काम करती हैं।

1 सितंबर से एलपीजी-पीएनजी में होंगे तीन बड़े बदलाव

नई दिल्ली ।

सितंबर महीने की शुरुआत के साथ ही एलपीजी और पीएनजी उपभोक्ताओं के लिए कई अहम बदलाव लागू होंगे। इनका सीधा असर आपकी रसोई के बजट और गैस सेवाओं पर पड़ेगा, जिनमें सिलेंडर के दामों की समीक्षा, ईकेवायसी की अनिवार्यता और नए कनेक्शन की योजनाएं प्रमुख हैं। ऑयल मार्केटिंग कंपनियां हर महीने की पहली तारीख को घरेलू (14.2 किग्रा) और कमर्शियल (19 किग्रा) एलपीजी सिलेंडर की कीमतें संशोधित करती हैं। अगस्त में घरेलू सिलेंडर स्थिर थे, जबकि कमर्शियल सिलेंडर 192 सस्ता हुआ। उपभोक्ता अब घरेलू गैस के दामों में कटौती की उम्मीद कर रहे हैं। सितंबर में कीमतें घटेंगी, बढ़ेंगी या स्थिर रहेंगी, यह कल ही पता चलेगा। एलपीजी कनेक्शन के लिए आधार-

आधारित बायोमेट्रिक ईकेवायसी कराने का 31 अगस्त अंतिम मौका है। यदि आपने समय रहते ईकेवायसी नहीं कराया, तो 1 सितंबर से आपको सब्सिडी या सिलेंडर आपूर्ति में दिक्कतें आ सकती हैं। इसे आप घर बैठे ऑनलाइन या अपनी गैस एजेंसी पर जाकर पूरा कर सकते हैं।

रुपया 13 पैसे टूटकर 95.56 प्रति डॉलर पर

रुपया शुक्रवार को 95.43 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था

मुंबई ।

कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और वैश्विक तनाव के बीच रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में 13 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.56 पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि सितंबर में फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर बढ़ाए जाने के आसार के बीच अमेरिकी बॉन्ड पर प्रतिफल बढ़ा और डॉलर में व्यापक मजबूती आई। इससे निवेशकों की धारणा और प्रभावित हुई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.56 प्रति डॉलर पर खुला जो पिछले बंद भाव से 13 पैसे की गिरावट है। रुपया शुक्रवार को दो पैसे की मामूली बढ़त के साथ 95.43 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी मुद्रा की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 99.62 पर आ गया।

भारत ने ब्राजील से दवा निर्यात हेतु विश्वसनीय नियामक प्रणाली की मांग की

– मर्कोसुर पीटीए के विस्तार और आधुनिकीकरण पर भी बनी सहमति

नई दिल्ली ।

भारत ने ब्राजील से दवा उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए एक अधिक विश्वसनीय नियामक व्यवस्था की मांग की है। यह मुद्दा हाल ही में ब्रासीलिया में भारत-ब्राजील व्यापार निगरानी प्रणाली (टीएमएम) की आठवीं बैठक के दौरान उठाया गया। इस महत्वपूर्ण बैठक में दोनों देशों ने सीमित मर्कोसुर तरजीही व्यापार समझौते (पीटीए) के विस्तार और आधुनिकीकरण पर भी सहमति व्यक्त की, जिसका उद्देश्य समग्र द्विपक्षीय व्यापार को गति देना है। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, भारत ने भारतीय दवा उत्पादों के लिए बाजार पहुंच सुगम बनाने हेतु मजबूत और पारदर्शी नियामक प्रक्रियाओं की आवश्यकता पर बल दिया। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने इस बैठक में हिस्सा लिया, जहां भारतीय दवा उत्पादों के लिए बाजार पहुंच को आसान बनाने की दिशा में सकारात्मक प्रगति दर्ज की गई। बैठक में भारत-मर्कोसुर तरजीही व्यापार समझौता (पीटीए) के विस्तार और आधुनिकीकरण की अपार संभावनाओं पर भी चर्चा हुई। जून 2009 में लागू यह समझौता

वर्तमान में केवल 450 शुल्क मदों तक सीमित है। दोनों पक्ष अब इसके दायरे को बढ़ाकर इसे एक पूर्ण व्यापार समझौते में बदलने के लिए कार्यक्षेत्र की शर्तों को जल्द अंतिम रूप देने पर सहमत हुए हैं। इसका लक्ष्य वर्ष 2025 तक भारत-मर्कोसुर द्विपक्षीय व्यापार को 20.84 अरब डॉलर तक पहुंचाना है। भारत और ब्राजील के बीच द्विपक्षीय व्यापार 2025-26 में 15.07 अरब डॉलर तक पहुंच गया था, और दोनों देशों ने इसे 2030 तक 30 अरब डॉलर तक ले जाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है।

उर्वरक खरीद को भूमि रिकॉर्ड से जोड़ेगी सरकार

आईएफएमएस डिजिटल निगरानी प्रणाली का दायरा बढ़ाया

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने उर्वरक खरीद को किसानों के भूमि रिकॉर्ड से जोड़ने और सब्सिडी भुगतान की बेहतर निगरानी के लिए एकीकृत उर्वरक प्रबंधन प्रणाली (आईएफएमएस) का विस्तार करने की घोषणा की है। एनआईसी द्वारा संचालित इस डिजिटल मंच पर 14 करोड़ से अधिक आधार-लिंक्ड खरीदार और 2.5 लाख खुदरा विक्रेता पंजीकृत हैं। नए डैशबोर्ड के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर से लेकर खुदरा विक्रेता स्तर तक उर्वरक की आपूर्ति और किल्लत की जानकारी पहले ही मिल सकेगी।सरकार ने रविवार को कहा कि वह उत्पादन से लेकर खुदरा बिक्री तक उर्वरकों की निगरानी करने वाले देशव्यापी डिजिटल मंच का विस्तार कर रही है।

इसके तहत उर्वरकों की खरीद को व्यक्तिगत किसानों के भूमि रिकॉर्ड से जोड़ने और सब्सिडी भुगतान की अधिक करीबी निगरानी के लिए नई सुविधाएं जोड़ी जा रही हैं। उर्वरक विभाग द्वारा राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) की तकनीकी मदद से संचालित एकीकृत उर्वरक प्रबंधन प्रणाली (आईएफएमएस) में 14 करोड़ से अधिक आधार से जुड़े खरीदार और 2.5 लाख से अधिक खुदरा विक्रेता पहले ही दर्ज हैं।

यह प्रणाली हर साल करीब सात करोड़ टन उर्वरक की बिक्री का प्रसंस्करण करती है। इसके तहत करीब दो लाख करोड़ रुपये की सालाना उर्वरक सब्सिडी से जुड़े लेनदेन पर नजर रखी जाती है।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि विभाग नए डैशबोर्ड विकसित कर रहा है, जिनके माध्यम से अधिकारियों को राष्ट्रीय, राज्य, जिला और खुदरा विक्रेता स्तर पर उर्वरक के उत्पादन, आयात, आपूर्ति, भंडार और खुदरा बिक्री की एकीकृत जानकारी मिल सकेगी।

चीनी की जमाखोरी पर सरकार सख्त, मिलों को अब 7 दिन में बेचना होगा कोटा

सितंबर के पहले पखवाड़े के लिए 13 लाख टन चीनी का कोटा निर्धारित

नई दिल्ली ।

बाजार में चीनी की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने और जमाखोरी पर लगाम कसने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इसके तहत, अब चीनी मिलों को अपना आवंटित कोटा रिलीज ऑर्डर मिलने के सात दिनों के भीतर बेचना अनिवार्य होगा, जबकि पहले इसके लिए एक महीने का समय मिलता था। सरकार ने सितंबर 2026 के पहले पखवाड़े (1 से 15 सितंबर) के लिए 13 लाख टन चीनी का कोटा निर्धारित किया है। सरकार के इस नए नियम के तहत, चीनी मिलों को अब एक महीने के बजाय रिलीज ऑर्डर जारी होने के 7 दिनों के भीतर हर हाल में अपना आवंटित चीनी कोटा बाजार में बेचना होगा। रिलीज ऑर्डर एक आधिकारिक अनुमति पत्र होता है, जिसके माध्यम से सरकार यह तय करती है कि कोई भी चीनी मिल एक निश्चित समय-सीमा के भीतर खुले बाजार में कितनी चीनी बेच सकती है। यह व्यवस्था बाजार में चीनी की अत्यधिक आपूर्ति या कमी दोनों को रोकने और कीमतों में स्थिरता बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है। इस कड़े नियम का मुख्य उद्देश्य मिलों को अधिक मुनाफे के लालच में चीनी का स्टॉक दबाकर रखने से रोकना है। गणेश चतुर्थी और ओणम जैसे आगामी त्योहारों के दौरान चीनी की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए यह 13 लाख टन का कोटा पर्याप्त माना जा रहा है। सरकार का मानना है कि इस कदम से बाजार में चीनी की कोई कमी नहीं होगी और कीमतें भी काबू में रहेंगी। इसके अतिरिक्त, सरकार ने हाल ही में थोक खरीदारों (जैसे मिठाई और कोल्ड ड्रिंक निर्माता) पर भी 15 दिनों से अधिक का स्टॉक रखने पर पाबंदी लगाई है, जो नवंबर के अंत तक प्रभावी रहेगी।

अल्फा वेव ने बेचे 1,857 करोड़ के शेयर, बड़े संस्थागत निवेशकों ने की खरीदारी

रिपोर्ट के अनुसार, वैनगार्ड, निप्पॉन इंडिया और बीएनपी पारिबा जैसे खरीदार शामिल

नई दिल्ली ।

लेंसकार्ट सॉल्यूशंस के शेयरों में हाल ही में करीब 1,857 करोड़ रुपये की एक बड़ी ब्लॉक डील देखने को मिली। अल्फा वेव से जुड़ी इकाइयों ने कंपनी के बड़े पैमाने पर शेयर बेचे, वहीं घरेलू और विदेशी संस्थागत निवेशकों ने इस बिकवाली का लाभ उठाते हुए महत्वपूर्ण हिस्सेदारी खरीदी। नुवामा की एक रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है, जो बाजार में लेंसकार्ट के प्रति बढ़ते विश्वास को दर्शाती है। नुवामा की रिपोर्ट के अनुसार, अल्फा वेव से जुड़ी तीन अलग-अलग इकाइयों ने मिलकर लेंसकार्ट सॉल्यूशंस के करीब 2.95 करोड़ शेयर बेचे, जिनकी कुल कीमत लगभग 1,857 करोड़ रुपये रही। ये शेयर मुख्य रूप से 630 रुपये प्रति शेयर के भाव पर बेचे गए। रिपोर्ट में बताया गया है कि पहली इकाई ने करीब 285 करोड़ रुपये के 45.21 लाख शेयर बेचे, दूसरी इकाई ने 296 करोड़ रुपये के 46.94 लाख शेयर निकाले, जबकि सबसे बड़ी बिक्री तीसरी इकाई की रही, जिसने 1,276 करोड़ रुपये के 2.03 करोड़ शेयर बेचे।

इस बड़ी बिकवाली के बावजूद, लेंसकार्ट के शेयरों के लिए खरीदारों की लंबी कतार देखी गई, जिसमें कई प्रतिष्ठित घरेलू और विदेशी संस्थागत निवेशक शामिल थे। घरेलू मोर्चे पर, कोटक म्युचुअल फंड ने लगभग 56 करोड़ रुपये के 8.76 लाख शेयर खरीदे, रेडव्हील ने 59 करोड़ रुपये के 9.37 लाख शेयर और घिसालो मास्टर फंड ने 64 करोड़ रुपये के 9.98 लाख शेयर खरीदे। विदेशी संस्थागत निवेशक भी पीछे नहीं रहे।

बीओएफए ने 38 करोड़ रुपये के 6.07 लाख शेयर, विरिडियन एशिया अपॉर्च्युनिटी फंड ने भी इतनी ही कीमत के शेयर और बीएनपी पारिबा ने 3.93 लाख शेयर 642 रुपये के भाव पर खरीदे। इसके अलावा, कुवैत इन्वेस्टमेंट ने भी लगभग 43 करोड़ रुपये के 6.73 लाख शेयर खरीदे।

खरीदारों में वैनगार्ड और निप्पॉन इंडिया इक्विटी जैसे बड़े नाम भी शामिल थे। निप्पॉन इंडिया इक्विटी ने लगभग 13 करोड़ रुपये के 2 लाख शेयर खरीदे। वैनगार्ड के विभिन्न फंडों जैसे वैनगार्ड एफटीएसई ऑल वर्ल्ड और वैनगार्ड एफटीएसई इमर्जिंग मार्केट ने भी लेंसकार्ट के शेयरों में खरीदारी की।

यह लेनदेन दर्शाता है कि भले ही शुरुआती निवेशकों ने मुनाफावसूली की हो, लेकिन बाजार में लेंसकार्ट के भविष्य को लेकर अभी भी मजबूत भरोसा बरकरार है।

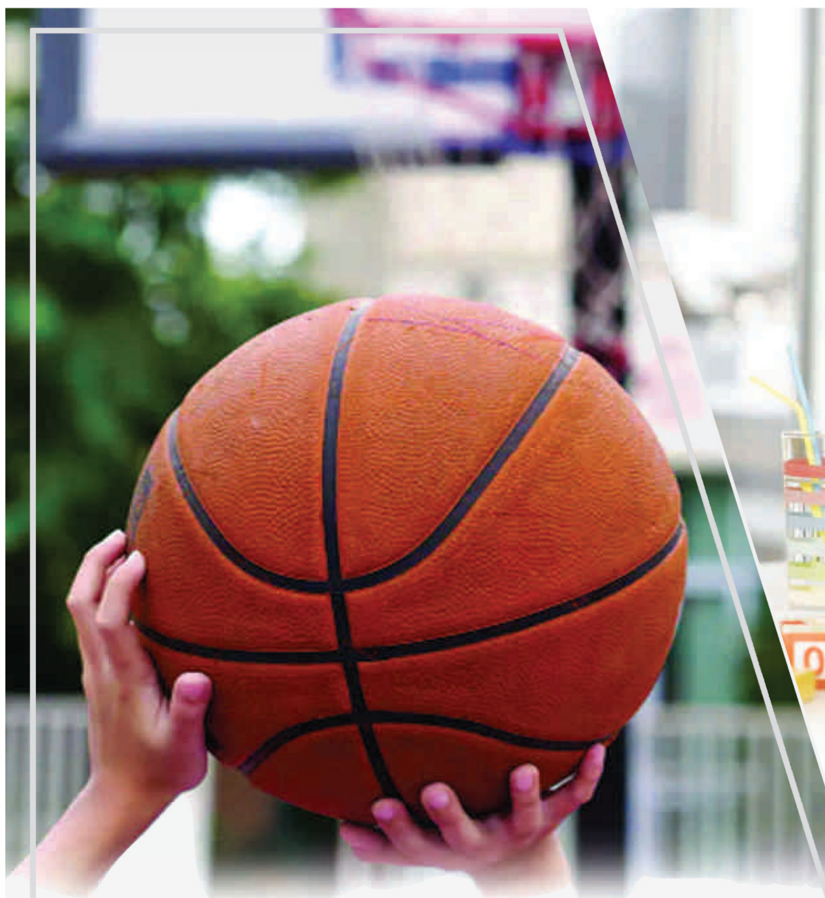

बच्चों के लिए स्कूल में स्पोर्ट्स खेलना जरूरी होता है क्योंकि यह कई तरह से उन्हें फायदा पहुंचाता है।

बच्चे के स्कूल में जरूर होनी चाहिए स्पोर्ट्स फैसलिटी

सिर्फ काम और खेलकूद नहीं, ऐसे तो बच्चा सुस्त बन जाएगा। स्पोर्ट्स से दूर रहने से इंसान फिट नहीं रह पाता है और स्ट्रेस में रहता है और बोरिंग भी बन जाता है। स्पोर्ट्स सिर्फ एंटरटेनमेंट या मजे के लिए ही नहीं होते हैं बल्कि इससे मेंटल और फिजिकल हेल्थ को भी बहुत फायदे मिलते हैं। इसलिए मेंटली और फिजिकली फिट रहने के लिए आपको स्पोर्ट्स को अपनी आदत में शुमार करना चाहिए। अगर आप भी पेरेंट हैं, तो अपने बच्चे को स्पोर्ट्स में हिस्सा लेने के लिए कहें और स्कूल में भी स्पोट्स पर जोर देने की बात करें।

लीडरशिप स्किल्स आते हैं

स्पोर्ट्स से बच्चे में अपनी टीम का नेतृत्व करने का गुण विकसित होता है। इस प्रक्रिया के दौरान बच्चे में निर्णय लेने की क्षमता विकसित होती है। लीडर बनकर बच्चा अपनी टीम के साथ कोऑर्डिनेट करना और सलाह देना और लेना सीखता है। बच्चे को अपनी कमजोरी और ताकत का भी पता चलता है जिससे वो समय के साथ बेहतर होता जाता है।

फिजिकल ग्रोथ होती है

फिजिकल एक्टिविटी और एक्सरसाइज से बच्चे की मांसपेशियों और हड्डियों के विकास को बढ़ावा मिलता है। स्पोर्ट्स खेलने वाले बच्चे अच्छी डाइट भी लेते हैं जिससे उनकी सेहत और एनर्जी लेवल अच्छा रहता है। हेल्दी आदतों से कोशिकाओं और हार्मोंस का लेवल भी संतुलित रहता है। अगर बच्चा फिजिकली फिट होगा, तो वो अपनी पढ़ाई पर भी अच्छे से ध्यान दे पाएगा।

अच्छी नींद आती है

खेलकूद के बाद बॉडी धीरे-धीरे नींद लाने वाले हार्मोंस को ट्रिगर करता है। ये हार्मोंस शरीर को आराम देते हैं जिससे अच्छी नींद आती है। अगर बच्चा ठीक से सोएगा नहीं, तो उसे स्कूल में सुस्ती आएगी और वो पढ़ाई पर ध्यान नहीं दे पाएगा। इसलिए बच्चों के लिए स्पोर्ट्स जरूरी हैं।

आत्मविश्वास बढ़ता है

गेम में बच्चे को अपनी ताकत और क्षमता के बारे में पता चलता है। इससे बच्चा खुद को दूसरों से बेहतर और अलग मानता है। अपनी ताकत को जानकर बच्चे का आत्मविश्वास भी बढ़ता है। जब टूर्नामेंट में बच्चे की तारीफ की जाती है, तो इससे उसका कॉन्फिडेंस बढ़ता है और वो नई चुनौतियों के लिए खुद को तैयार कर पाता है।

टीम में रह कर काम करना

स्पोर्ट्स से बच्चा अपने साथियों के साथ को-ऑर्डिनेट करना सीखता है। एक टीम में अलग-अलग जेंडर, कास्ट, रंग और धर्म के लोग मिलते हैं। यहां बच्चा हर किसी के साथ काम करना और उसका आदर करना सीखता है। उसे कुछ क्रिएटिव और स्मार्ट स्किल्स भी सीखने को मिलते हैं। अब तो आप समझ ही गए होंगे कि स्कूल जाने वाले बच्चों के लिए स्पोर्ट्स कितना जरूरी है। इसका बच्चों को कई तरह से फायदा मिलता है जैसे कि वो फिजिकली फिट बनते हैं और कई तरह के स्किल्स भी सीखते हैं। अगर स्कूल में स्पोर्ट्स नहीं है तो आप स्कूल के स्टाफ से बात करें या आप बच्चे को स्कूल के बाहर किसी एकेडमी में भी कोई स्पोर्ट्स ज्वॉइन करवा सकते हैं।

बच्चों की काबिलियत पर ध्यान दें अभिभावक

माता-पिता बच्चे के जन्म के साथ ही उसके बहुत बड़े अधिकारी बनने के ख्वाब पाल लेते हैं। कई बार तो ये अभिभावक बच्चों की काबिलियत पर भी ध्यान नहीं देते। बड़े अधिकारी का बेटा भी पढ़ाई में बहुत अच्छा होगा, ये जरूरी नहीं है। ऐसे में उस बच्चे से तमाम उम्मीदें बांधना बच्चे के ऊपर कितना बड़ा मानसिक बोझ है!

बच्चों को घर पर छोड़कर आए एक दंपति ने सामने वालों के घर पहुंचते ही कहा कि बच्चे पढ़ने में बिजी हैं, इसलिए खाने पर हम दोनों ही आ गए। बातों ही बातों में उन वैज्ञानिक पति और लेक्चरर पत्नी ने यह भी कह दिया कि आप लोगों ने तो मामूली सरकारी नौकरी की है इसलिए आप लोगों की बात अलग है। लेकिन हम आज जिस मुकाम पर है, उस हिसाब से हमने अपने बच्चों के लिए भी कुछ बेंच मार्क्स तय किए हैं। ताकि वह हमसे भी ज्यादा ऊंचे ओहदे पर पहुंचे!

केस 2

'अरे साब! क्या बात कर रहे हैं, आप तहसीलदार हैं तो रोहित डिप्टी कलेक्टर बनेगा ही। नाक कटवाएगा क्या पिता की'? उधर, तहसीलदार पिता, अपने चापलूस मित्र की बात पर केवल खिसियानी हंसी हंस रहे थे, वे ये नहीं कह पाए कि उनका बेटा अपनी काबिलियत, अपनी रुचि के हिसाब से जो बनना चाहेगा, वही बनेगा। लेकिन बेटा सहम गया। उसे तो सिर्फ उसके आगे आने वाले समय की चिंता थी।

केस 3

'क्यों रोहन, तुम्हारे पापा शहर के इतने बड़े डॉक्टर हैं, और तुम्हें जरा भी नहीं लगता कि अपने पापा की तरह बनो? उनकी तरह क्या, तुम्हें उनसे चार कदम आगे निकलकर दिखाना होगा न'? तुम्हारे दादा होम्योपैथी के डॉक्टर थे और तुम्हारे पापा ने मेडिसिन में नाम कमाया। जरा मन लगाकर पीएमटी की तैयारी करो। रोहन, जिसे मैथ्स, फिजिक्स जैसे विषयों में दिलचस्पी है, पिता के प्रभाव के आगे कुछ बोल नहीं पा रहा था। हां, मगर चिंता में जरूर पड़ गया कि यदि मैं डॉक्टर नहीं बन पाया तो.?

ये किस्सा केवल रोहित या रोहन का नहीं है, बल्कि हमारे समाज के अधिसंख्य बच्चों का है, जिनके माता-पिता बच्चे के जन्म के साथ ही उसके बहुत बड़े अधिकारी बनने के ख्वाब पाल लेते हैं। कई बार

अधिकारी का बेटा भी पढ़ाई में बहुत अच्छा होगा, ये जरूरी नहीं है। ऐसे में उस बच्चे से तमाम उम्मीदें बांधना बच्चे के ऊपर कितना बड़ा मानसिक बोझ है! बच्चा ऐसी इच्छाएं सुनकर ही दहशत में आ जाता है। पढ़ाई के बोझ के साथ-साथ मां-बाप का नाम रोशन करने का बोझ उठाए, न ठीक से पढ़ाई कर पाता है, न ही दिमागी सुकून मिल पाता है उसे। पढ़ाई के समय ये तनाव बच्चों के ऊपर जबर्दस्त तरीके से सवार होता है। इस तनाव के शिकार बच्चे का

तो? जैसी चिंता पर ज्यादा केंद्रित रहता है। नतीजतन, न पढ़ाई हो पाती है, न आराम और न ही अगला पेपर अच्छा हो पाता है।

रिसर्च में भी खुलासा

अमेरिका के मियामी विश्वविद्यालय की एक रिपोर्ट बताती है कि वर्ष 1970 के बाद से बच्चों के प्रति जिस प्रकार अभिभावकों की अपेक्षाएं बढ़ रही हैं, उनसे बच्चों में तनाव का आंकड़ा आश्चर्यजनक रूप से बढ़ा है। प्रो.जेफरी पी.बोस्को का कहना है कि यह ग्राफ वर्ष 70 से लेकर 2000 के बीच में करीब 17 प्रतिशत तक बढ़ा, जो

रहा है। अभिभावकों में बच्चों को पूरे समय पढ़ाते/पढ़ते देखने की अजीबोगरीब रुचि पैदा हो गई है। अधिकांश अभिभावक स्कूल में भी ये शिकायत करते मिल जाएंगे-क्या करें पढ़ता ही नहीं है, टीवी देखता है। अब यदि बच्चे को हर वक्त पढ़ाई में ही जुटा देखने की चाहत अभिभावक की होगी तो उन्हें क्या लगता है, बच्चे सचमुच पढ़ रहे होंगे? ना, बिल्कुल नहीं। पढ़ाई में मन लगने का भी एक निश्चित

है, पढ़िए, जैसे ही मन उचाट हो, किताब बंद कर दीजिए क्योंकि बिना मन के पढ़ाई होगी ही नहीं। मजे की बात, मां-बाप का, बच्चे को खुद से बेहतर बनाने का दवाब अधिकांशत: लड़कों पर ही होता है। इस दवाब की शिकार फिलहाल लड़कियां नहीं हैं। इसके पीछे वही सोच काम कर रही होती है कि लड़की को तो दूसरे के घर जाना है, सो उनका नाम तो लड़के को ही रोशन करना है, तब पूरा ध्यान लड़के पर ही लगाया जाए।

दसवीं का एक बच्चा, जो शाम की क्लास में आता है, उसे मैथ्स नहीं पढ़ना। सबसे कम नंबर उसके मैथ्स में ही आते हैं जबकि दूसरे

माता-पिता उसे बहुत बड़ा इंजीनियर बनाना चाहते हैं और बच्चा अभी से तनाव में है कि यदि उसे किसी भी प्रकार से मैथ्स दिला दी गई, तो वह कैसे पढ़ेगा?

बच्चों की मानसिकता समझें

पिछले दिनों अखबारों में कई समाचार आए बच्चों द्वारा आत्महत्या किए जाने के। सामान्य तौर पर हमारी प्रतिक्रिया होती है-'अरे! पेपर अच्छा नहीं हुआ था तो उसमें मरने की क्या बात? लेकिन ये हम या आप कह रहे होते हैं न? उस बच्चे पर इस इम्तिहान को लेकर, संबंधित विषय को लेकर घर वालों का कितना दबाव रहा होगा, ये उसकी आत्महत्या से हम समझ सकते हैं। मरना बहुत आसान नहीं होता। एक बच्ची ने आत्महत्या के अपने नोट में लिखा- मेरी अंग्रेजी बहुत कमजोर है। मैं इस विषय में पास नहीं हो पाऊंगी। सोचिए उस बच्ची पर अंग्रेजी का कैसा दवाब रहा होगा? तो माता-पिता को चाहिए कि वे बच्चों की रुचियों का ध्यान रखें और उन्हें अपनी रुचि के क्षेत्र में आगे बढ़ने को न केवल प्रोत्साहित करें, बल्कि मौके भी तलाशें। आज चुनिंदा विषय नहीं रह गए हैं पढ़ने को, न ही चुनिंदा राहें। हर विषय के बच्चों के लिए काम के पर्याप्त मौके हैं। बच्चों को उनके अपने सपने पूरे करने दें, उनमें अपना सपना साकार न करें। हमारी ये सोच शायद उन्हें तनावमुक्त कर सकें।

अपनी स्किन प्रॉब्लम के हिसाब से बेसन में मिलाकर लगाएं ये चीजें

मौसम भले कोई भी हो स्किन से जुड़ी समस्याएं होना आम बात है। मगर अक्सर लड़कियां स्किन प्रॉब्लम्स के हिसाब से सही चीजें नहीं चुनती है। इसके कारण समस्या वहीं की वहीं रहती है। वैसे तो स्किन संबंधी समस्याओं से आराम पाने के लिए बेसन का इस्तेमाल करना बेस्ट माना गया है। ऐसे में आज हम आपको कुछ ऐसी चीजों के बारे बताते हैं कि जिसे आप बेसन में मिलाकर लगाने से फायदा मिलेगा। जानते हैं उन होममेड फेसपैक के बारे में...

ऑयली स्किन के लिए बेसन और टमाटर फेसपैक

ऑयली स्किन टाइप वाली लड़कियों को बेसन और टमाटर का फेसपैक लगाना चाहिए। यह चेहरे से एक्स्ट्रा ऑयल साफ करके त्वचा की रंगत निखारने में मदद करता है। इससे चेहरे पर मौजूद दाग-धब्बे, सनटैन की समस्या दूर होने में मदद मिलती है।

ऐसे करें इस्तेमाल

इसके लिए 1 टमाटर को ब्लेंड करके पेस्ट बनाएं। फिर इसमें जरूरत अनुसार बेसन, कुछ बूंदें नींबू के रस की मिलाकर चेहरे पर लगाएं। 15 मिनट या सूखने के बाद फेसपैक को हल्के हाथों से स्क्रब करते हुए उतारे। बाद में ताजे पानी से मुंह धो लें।

दाग-धब्बे हटाने के लिए बेसन और हल्दी फेसपैक

अगर आप चेहरे पर पड़े दाग-धब्बे, कील-मुंहासे आदि से परेशान है तो बेसन में हल्दी मिलाकर लगाएं। इससे स्किन संबंधी समस्याएं दूर होकर चेहरा साफ, निखरा, मुलायम व जवां नजर आएगा। साथ ही त्वचा की रंगत निखरेगी।

ऐसे करें इस्तेमाल

एक कटोरी में 1 बड़ा चम्मच बेसन, चुटकीभर हल्दी और जरूरत अनुसार गुलाब जल या पानी मिलाएं। अब इसे चेहरे व गर्दन पर 10-15 मिनट तक लगाएं। बाद में इसे पानी से साफ करके मॉश्चराइजर लगा लें।

झुर्रियां दूर करने के लिए बेसन और दही फेसपैक

झुर्रियों को कम करने के लिए दही और बेसन का फेसपैक बेस्ट माना जाता है। यह ढीली पड़ी स्किन को टाइट करने उसे ग्लोइंग बनाने में मदद करता है। इसके साथ ही यह त्वचा को नमी देकर बुढ़ापे के लक्षण करता है।

ऐसे करें इस्तेमाल

एक कटोरी में 1 बड़ा चम्मच बेसन और जरूरत अनुसार दही मिलाएं। इसे हल्के हाथों से चेहरे व गर्दन पर लगाएं। 20-30 मिनट के बाद चेहरा धो लें।

ग्लोइंग स्किन के लिए बेसन और शहद फेसपैक

सनटैन से खराब हुई स्किन पर निखार वापस लाने के लिए आप बेसन और शहद का फेसपैक लगा सकती है। बेसन स्क्रब की तरह काम करके डेड स्किन सेल्स को साफ करता है। वहीं शहद क्लींजिंग एजेंट की तरह काम करके ग्लो लाने में मजज करता है। इसके साथ ही त्वचा में होने वाली जलन, खुजली व रूखापन दूर होगा।

ऐसे करें इस्तेमाल

इसके लिए एक कटोरी में 1 बड़ा चम्मच बेसन और जरूरत अनुसार शहद मिलाएं। इसे चेहरे व गर्दन पर स्क्रब करते हुए लगाएं। 15-20 मिनट तक लगा रहने दें। बाद में इसे पानी से साफ कर लें।

मानसून में बनाएं कॉर्न चाट

मानसून में गर्मा-गर्म भुट्टा तो आपने बहुत खाएं होंगे। मगर आज हम आपके लिए खास स्वीट कॉर्न चाय रेसिपी लेकर आए है। इसे आप अपनी मनपसंद सब्जियों से बना सकती है। वहीं स्वीट कॉर्न पोषक तत्व व एंटी-ऑक्सडीटेंस गुणों से भरपूर होती है। ऐसे में इसका सेवन करने से टेस्ट के साथ सेहत भी बरकरार रहेगी। जानते हैं इसे बनाने का तरीका...

सामग्री

फोजन कॉर्न (उबले)- 900 ग्राम, मिर्च पाउडर - 1/2 छोटा चम्मच, भुना जीरा पाउडर - 2 छोटे चम्मच
नमक- आवश्यकता अनुसार, शिमला मिर्च - 2
नींबू का रस -2 बड़े चम्मच, धनिया - 2 बड़े चम्मच
काली मिर्च - 1/2 छोटा चम्मच
काला नमक - 1 छोटा चम्मच, टमाटर - 1 कप
प्याज - 1, तेल- आवश्यकता अनुसार

विधि

- एक बाउल में सभी मसाले मिलाएं।
- अलग बाउल में सब्जियां काट कर मिलाएं।
- पैन में तेल गर्म करके मीडियम आंच पर कॉर्न फ्राई करें।
- अब कॉर्न को सब्जियों में मिलाएं।
- इसमें मसाला, नींबू का रस मिलाएं।
- चाट को सर्विंग प्लेट में निकाल कर धनिया से गार्निश करके सर्व करें।

बच्चों के लिए बनाएं क्रिस्पी चीजी रैप

चीज से आपने बर्गर, पिज्जा तो बहुत खाया होगा। वहीं बच्चों को तो चीज बेहद ही पसंद होता है। चीज प्रोटीन से भरपूर होता है। यह खाने में टेस्टी होने के साथ सेहत को दुरुस्त रखने में मदद करता है। ऐसे में हम आपके लिए खास चीजी रैप की रेसिपी लेकर आए है।

सामग्री

उबले मैश्ड आलू- 1,1/2, प्याज- 1 (बारीक कटा)
शिमला मिर्च-1 (बारीक कटी),
चिली फ्लेक्स- 1 छोटा चम्मच,
ऑरिगेनो- 1/2 छोटा चम्मच, ब्रेड स्लाइस- 4,
चीज- 2 बड़े चम्मच (कद्दूकस किया)
नमक- स्वाद अनुसार, तेल- आवश्यकता अनुसार

विधि

- एक बाउल में आलू, प्याज, शिमला मिर्च, चिली फ्लेक्स, ऑरिगेनो, नमक और चीज डालकर मिलाएं।
- ब्रेड या रोटी को हल्के से दबाकर स्टफिंग भरें।
- ब्रेड पर तेल लगाकर फोल्ड करें।
- पैन में तेल गर्म करके ब्रेड रैंप तल लें।
- इसे सर्विंग प्लेट में निकाल कर टोमैटो सॉस के साथ सर्व करें।

हैल्थ कॉन्शियस है तो खाएं गुजराती खांडवी

बेसन खांडवी गुजरात की फेमस डिशेज में से एक है। यह खाने में टेस्टी और हल्की होती है। इसे खाने से पेट हैल्दी रहता है। मगर अक्सर लोग इसे बनाने में वंफ्यूजर रहते हैं। आप इसे विकेंड में बनाकर खा सकते हैं। ऐसे में आज हम आपके लिए खास गुजराती खांडवी की रेसिपी लेकर आए है। जानते हैं इसे बनाने की रेसिपी...

सामग्री

बेसन- 1 कप
अदरक-हरी मिर्च पेस्ट - 1 बड़ा चम्मच
हल्दी पाउडर - 1/2 छोटा चम्मच
छाछ- 3 कप
हींग- चुटकीभर
राई- 1/2 छोटा चम्मच
नींबू का रस - 1 बड़ा चम्मच
नमक- स्वाद अनुसार
तेल- आवश्यकता अनुसार
नारियल- 2 बड़े चम्मच (कद्दूकस किया)
धनिया- 1 बड़ा चम्मच

विधि

- एक बाउल में बेसन, नमक, हल्दी, नींबू का रस, अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट और छाछ मिलाएं।
- इसे पैन में डालकर लगातार चलाते हुए पकाएं।
- मिश्रण को गाढ़ा घोल होने तक पकाएं।
- अब प्लेट के पिछले हिस्से पर तेल लगाकर मिश्रण पतला सा मिश्रण फैलाएं।
- मिश्रण के ठंडा होने पर इसे दो इंच चौड़ी स्ट्रिप्स में काटकर रोल करें।
- अब अलग पैन में तेल गर्म करके हींग और राई भूनें।
- प्लेट में खांडवी रखकर ऊपर से हींग और राई का तड़का डालें।
- नारियल और धनिया से गार्निश करके सर्व करें।

6,6,6,6,6,6,6 दलीप ट्रॉफी में वैभव सूर्यवंशी की तूफानी बल्लेबाजी

8 रन से शतक से चूके पर तोड़ दिया 57 साल पुराना रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी का रिकॉर्ड तोड़ने का सिलसिला थमने नहीं वाला। मौजूदा चैंपियन सेंट्रल जोन के खिलाफ दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में ईस्ट जोन टीम के लिए खेल रहे इस युवा ओपनिंग बल्लेबाज ने टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे कम उम्र में अर्धशतक लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। उन्होंने 57 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ते हुए 15 साल 157 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की।

कप्तान ईशान किशन की गैर-मौजूदगी में ईस्ट जोन टीम की कप्तानी करने वाले सूर्यवंशी ने सोमवार को जबरदस्त बल्लेबाजी की और अर्धशतक लगाया। सूर्यवंशी ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी शैली को जारी रखते हुए तीन छक्कों और पांच चौकों की मदद से 42 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया। इसी के साथ ही सूर्यवंशी अब दलीप ट्रॉफी में यह बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। हालांकि वह

अपने शतक से 8 रन दूर रह गए नहीं तो वह सबसे कम उम्र शतक लगाने वाले खिलाड़ी जाते।

दलीप ट्रॉफी में अर्धशतक लगाने वाले सबसे युवा क्रिकेटर बने

सूर्यवंशी ने लक्ष्मण सिंह का 57 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 16 साल 23 दिन की उम्र में टूर्नामेंट में अपना पहला अर्धशतक लगाया था। तब वह दलीप ट्रॉफी में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी थी और 57 साल से यह रिकॉर्ड कायम था। लेकिन सूर्यवंशी ने 15 साल 157 दिन की उम्र में अर्धशतक लगाकर इसे धवस्त कर दिया। इस लिस्ट में जाने माने क्रिकेटर पीयूष चावला नाम भी है जिन्होंने जिन्होंने 16 साल 307 दिन की उम्र में अर्धशतक लगाया था।

दलीप ट्रॉफी में सबसे कम उम्र में अर्धशतक लगाने वाले खिलाड़ी

1. वैभव सूर्यवंशी- 15 साल 157 दिन
2. लक्ष्मण सिंह (1969)- 16 साल 23 दिन
3. पीयूष चावला (2025)- 16 साल 307 दिन

पहले दिन अनुभवी तेज गेंदबाज मुकेश कुमार और उनके साथी राइट-आर्म मीडियम पेसर अभिजीत सरकार ने तीन-तीन विकेट लिए और सेंट्रल जोन की टीम को 80.1 ओवर में 266 रनों पर ऑलआउट कर दिया। टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का ईस्ट जोन के कप्तान ईशान किशन का फैसला एकदम सही साबित हुआ। मुकेश (3/56) और सरकार (3/38) ने मिलकर 6 विकेट लिए, जबकि मोहम्मद शमी (2/42) और ऑफ-स्पिनर मोहम्मद कौनेन कुरैशी (2/49) ने 2-2 विकेट लेकर सेंट्रल जोन की पारी समेट दी।

हालांकि, सुबह के सेशन के दौरान दाहिनी कलाई पर चोट लगने के कारण किशन को बीच में ही मैदान से बाहर जाना पड़ा। जब किशन चोट का इलाज कराने के लिए बाहर थे, तो लंच के आस-पास लगभग एक घंटे तक सूर्यवंशी ने ईस्ट जोन की कप्तानी संभाली। बाद में किशन वापस आए और टीम की कमान अपने हाथों में ली।

फुटबॉल प्रीमियर लीग : चेल्सी ने जीत का सिलसिला जारी रखा, ब्राइटन को हराया

मैड्रिड (एजेंसी)। चेल्सी ने प्रीमियर लीग के अपने पहले ही मैच में ब्राइटन पर 4-3 की रोमांचक जीत दर्ज की और इस तरह सीजन की अपनी विजयी शुरुआत का सिलसिला जारी रखा। रोमियो लाविया, पेड्रो नेटो और जोआओ पेड्रो के गोलों ने घरेलू टीम को तीन गोल की बढ़त दिला दी, जिसे ब्राइटन के जुझारू पलटवार और उनकी अपनी कमजोर रक्षात्मक रणनीति ने लगभग खत्म कर दिया।

यूएस ओपन में बड़ा उलटफेर

नोवाक जोकोविच पहले राउंड में हारकर टूर्नामेंट से हुए बाहर

यूएस (एजेंसी)। चार बार के यूएस चैंपियन नोवाक जोकोविच का यूएस ओपन 2026 का सफर शुरू होते ही खत्म हो गया. उन्हें टूर्नामेंट के पहले ही राउंड में अर्जेंटीना के मारियानो नावोने से दर्दनाक हार का सामना करना पड़ा. इसके साथ जोकोविच के रिकॉर्ड 25वां ग्रैंड स्लैम का खिताब जीतने का सपना भी टूट गया।

मारियानो नवोन ने सोमवार को पांच सेटों के रोमांचक मुकाबले में जोकोविच को हराकर बड़ा उलटफेर किया. उन्होंने 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन को 2006 के बाद पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के शुरुआती दौर में हार का स्वाद चखाया. यह मैच चार घंटे 36 मिनट तक चला, जो किसी मेजर टूर्नामेंट का अब तक का सबसे लंबा पहला राउंड था। चौथी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी जोकोविच ने पहला सेट हारने के बाद वापसी की कोशिश की, लेकिन रात भर शारीरिक दिक्कतों से जूझने के बाद आखिरकार वे 6-7, 7-5, 6-4, 2-6, 1-6 से हार गए।

जोकोविच भावुक होकर रो पड़े – आर्थर ऐश स्टेडियम में मैच की शुरुआत से ही जोकोविच को शारीरिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा था. इस दौरान वो कोर्ट पर ही भावुक होकर रो पड़े. खराब मौसम के कारण छत बंद होने से पहले, 39 वर्षीय खिलाड़ी बार-बार अपने सिर पर आइस बैग का इस्तेमाल कर रहे थे. उन्होंने न्यूयॉर्क की उमस भरी गर्मी में सुपरवाइजर से यह भी पूछा कि क्या छत बंद होने के बाद एयर कंडीशनिंग चालू की जा सकती है।

जोकोविच ने सुनहरा मौका गंवाया – जोकोविच के पास यूएस ओपन 2026 जीतकर अपना 25वां ग्रैंड स्लैम जीतने का सुनहरा मौका था, क्योंकि चोट के कारण वर्ल्ड नंबर 1 जैनिक सिनर इस टूर्नामेंट में नहीं खेल रहे हैं. जबकि डिफेंडिंग चैंपियन कार्लोस अल्काराज चोट से ठीक होने के बाद अपना पहला टूर्नामेंट खेलने वाले हैं. लेकिन जोकोविज पहले ही राउंड में बाहर होकर सबको चौंका दिया।

जोकोविच को हराने के बाद नवोन ने क्या कहा?

नवोन ने मैच के बाद कहा, यह अद्भुत है, जिस तरह से हमने गॉट (सर्वकालिक महान खिलाड़ी) के खिलाफ पांच सेट का मुकाबला खेला, उससे मैं बहुत खुश हूं. मुझे नहीं पता, मैं क्या कहूं ?अपने आदर्श खिलाड़ियों में से एक, जोकोविच का पहली बार सामना करने के बारे में नावोन ने कहा, यह अविश्वसनीय है. मेरे लिए इसका बहुत महत्व है. यह एक सपना सच होने जैसा है. सच कहूं तो, 100 प्रतिशत. अब मुझे रिकवर करना है. मुझे लगता है कि लगभग 12 बज चुके हैं, इसलिए हमें सोने जाना होगा।

पाकिस्तान की एक और शर्मनाक हार

इंग्लैंड ने दूसरा टेस्ट 194 रनों से जीतकर सीरीज अपने नाम की

लॉर्ड्स (एजेंसी)। इंग्लैंड ने दूसरे टेस्ट मैच में पाकिस्तान को 194 रनों से हराया। इस जीत के साथ इंग्लैंड ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजय बढ़त बना ली. इंग्लैंड ने पाकिस्तान के सामने जीत के लिए 389 रनों का लक्ष्य रखा था, लेकिन पाकिस्तान अपनी दूसरी पारी में सिर्फ 194 रनों पर ऑल आउट हो गया. इस तरह पाकिस्तान लॉर्ड्स टेस्ट और सीरीज दोनों हार गया. इंग्लैंड के लिए ओली रॉबिन्सन और जोश टोंग ने शानदार प्रदर्शन किया. रॉबिन्सन ने मैच कुल 8 विकेट लिए, जिसकी वजह से उनको प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड दिया गया।

पाकिस्तान की बल्लेबाजी चिंता का विषय – इंग्लैंड दौरे पर पाकिस्तान की बल्लेबाजी चिंता का विषय बन गई है. लॉर्ड्स टेस्ट मैच की पहली पारी में 110 रनों पर ऑल आउट होने के बाद, पाकिस्तान की बल्लेबाजी दूसरी पारी में भी फ्लॉप रही. मिडिल-ऑर्डर के बल्लेबाज सऊद शकील ने जरूर डटकर बल्लेबाजी की और पाकिस्तान को जिताने की कोशिश की, लेकिन उनकी कोशिशें रंग नहीं लाई। दूसरी पारी में पाकिस्तान के लिए सबसे ज्यादा रन सऊद शकील ने बनाए, लेकिन यह खिलाड़ी अपना शतक पूरा नहीं कर सका. जहां शकील ने डटकर बल्लेबाजी की और 97 रन बनाए, वहीं दूसरी तरफ कोई भी खिलाड़ी उनका साथ नहीं दे सका. पाकिस्तान की बल्लेबाजी इतनी खराब रही कि पूरी टीम एक ही दिन में ऑल आउट हो गई और मैच एक दिन पहले ही खत्म हो गया। इससे पहले, मैच के चौथे दिन इंग्लैंड की पूरी टीम दूसरी पारी में 208 रनों पर ऑल आउट हो गई थी. इंग्लैंड के लिए चौथा दिन अच्छा शुरू नहीं हुआ. 7 विकेट पर 177 रनों के स्कोर में सिर्फ 9 रन जोड़ने के बाद, डेन लॉरेंस को मोहम्मद अब्बास ने क्लीन बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया. लॉरेंस ने शानदार बल्लेबाजी की और अर्धशतकीय पारी खेली. उन्होंने 7 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 70 गेंदों में 54 रन बनाए।

एक मेडन, 0 रन, 3 विकेट

एशिया कप टी-20 में दीप्ति शर्मा ने रचा इतिहास

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत की स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने महिला एशिया कप में थाईलैंड के खिलाफ तीन विकेट लेकर इतिहास रच दिया। टीम इंडिया ने महिला एशिया कप 2026 में जीत के साथ शानदार शुरुआत की. उन्होंने रविवार (30 अगस्त) को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में थाईलैंड को 94 रनों से हराया. भारत ने 159 रन बनाने के बाद थाईलैंड को 16.1 ओवर में 65 रन पर ऑल आउट कर दिया. इस मैच में भारत की स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने इतिहास रच दिया।

तीसरी भारतीय महिला क्रिकेटर बनी – ये दीप्ति शर्मा का 150वा टी20 इंटरनेशनल मैच था. जिसके साथ वह हरमनप्रीत कौर (203) और स्मृति मंधाना (172) के बाद 150 या उससे अधिक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली तीसरी भारतीय बन गई. इसके अलावा दुनिया में वह 150 या उससे अधिक टी20 अंतरराष्ट्रीय खेलने वाली केवल 12वीं महिला क्रिकेटर हैं।

अपने 150वें टी20 इंटरनेशनल मैच में, उन्होंने 7 गेंदों में 3 विकेट लेकर महिला टी-20 में सबसे ज्यादा विकेट लेने का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया. इस दौरान उन्होंने थाई स्पिनर टिपचा पुट्ठावोंग का रिकॉर्ड तोड़ा।

महिला टी-20 में सबसे ज्यादा विकेट

दीप्ति शर्मा 150 मैचों में 171 विकेट के साथ महिला टी-20 में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाजों की लिस्ट में टॉप पर पहुंच गई. थाईलैंड की टिपचा पुट्ठावोंग दूसरे नंबर पर हैं. रवांडा की हेनरीट इशिमवे 134 मैचों में 164 विकेट के साथ लिस्ट में तीसरे नंबर पर हैं. इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन ने अब तक 113 टी-20 में 154 विकेट लिए हैं और वह चौथे नंबर पर हैं।

थाईलैंड 65 रन पर ऑल आउट

मैच की बात करें तो पहले बल्लेबाजी करते हुए, अच्छी शुरुआत के बावजूद भारत 9 विकेट खोकर सिर्फ 159 रन ही बना सका. शेफाली वर्मा ने सबसे ज्यादा 64 रन बनाए, जबकि प्रतिका रावल ने 22 रन का योगदान दिया. स्मृति मंधाना 19 रन पर रन आउट हो गईं. जवाब में, थाईलैंड की महिला टीम 16.1 ओवर में 65 रन पर ऑल आउट हो गई. मैच में शानदार पारी खेलने के लिए शेफाली वर्मा को 'प्लेयर ऑफ द मैच' का अवॉर्ड दिया गया।

0 रन देकर 3 विकेट लेने का रिकॉर्ड – दाएं हाथ की ऑफ-स्पिनर दीप्ति ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 1.1 ओवर में एक मेडन, बिना कोई रन दिए तीन विकेट लिए. इसके साथ वो टी20 में सबसे कम रन देकर तीन विकेट ये उससे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड भी अफने नाम कर लिया. इससे पहले ये रिकॉर्ड रेणुका सिंह के नाम था, जिन्होंने 2022 में पांच रन देकर तीन विकेट लिए थे। दीप्ति ने इस उपलब्धि को गर्व का क्षण बताया, लेकिन कहा कि उनका ध्यान अपनी गेंदबाजी में लगातार सुधार करने और टीम के लिए योगदान देने पर है. उन्होंने कहा, 150 से ज्यादा विकेट लेने से भी ज्यादा गर्व की बात भारतीय लोगो के साथ भारतीय जर्सी पहनना है. एक भारतीय खिलाड़ी के तौर पर सही चीजें करना ही सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने आगे कहा, मैं यह नहीं सोचती कि मेरा सामना किस खिलाड़ी या टीम से होने वाला है. मेरा ध्यान इस बात पर रहता है कि मैं खुद को कैसे बेहतर बनाती रहूं और अपनी गेंदबाजी इकाई की कैसे मदद करूं।

हैदराबाद मैराथन के 15वें एडिशन में हजारों लोगों ने लिया हिस्सा, इथियोपिया के धावकों ने मारी बाजी

हैदराबाद (एजेंसी)। देश की सबसे बड़ी मैराथन, एनएमडीसी हैदराबाद मैराथन के साथ हैदराबाद में उत्साह का माहौल रहा. तेलंगाना, दूसरे राज्यों और विदेशों से आए हजारों धावकों ने पूरे जोश के साथ फुल, हाफ और 10किमी मैराथन के 15वें एडिशन में हिस्सा लिया. दौड़ पीपल्स प्लाजा नेकलेस रोड से शुरू हुई और गच्चीबॉवली स्टेडियम पर खत्म हुई।

23 देशों के धावकों ने हिस्सा लिया – आयोजकों ने बताया कि इस मैराथन में 32,000 धावकों ने रजिस्ट्रेशन कराया था और इसमें देश के बड़े शहरों के साथ-साथ 23 देशों के धावकों ने हिस्सा लिया. फुल मैराथन सुबह 4.30 बजे शुरू हुई, जबकि हाफ मैराथन सुबह 5.30 बजे शुरू हुई. मैराथन को त॥ष्ट कमिश्नर आर.वी कर्णन ने हरी झंडी दिखाई। धावकों ने हुसैन सागर झील, लोक भवन, केवीआर पार्क, जुबली हिल्स रोड नंबर 45, दुर्गम चेरुवु केबल ब्रिज और बायोडायवर्सिटी जंक्शन से होते हुए गच्चीबॉवली स्टेडियम पहुचे. कर्णन ने कहा कि यह गर्व की बात है कि शहर में ऐसी मैराथन आयोजित की जाती है। बता दें कि एक फुल मैराथन 42.195 किलोमीटर (26.2 मील) की होती है और हाफ मैराथन 21.0975 किलोमीटर (13.1 मील) की होती है.

हैदराबाद मैराथन के विनर – इथियोपिया की एमाने सेफू महिलाओं की एलीट कैटेगरी में चैंपियन बनीं, उन्होंने मैराथन 2.46.29 में पूरी की. इथियोपिया की त्सेगा डेस्टा 2.46.57 के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि केन्या की टेरेसिया ओमोसा ने 2.47.17 के समय के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। भारतीय महिलाओं में, निर्मबेन ठाकोर सबसे आगे रहीं और उन्होंने 2.50.20 का समय लिया. उनके बाद भागीरथी नॉन (2.51.41), मीनाक्षी नेगी (3.08.43), मारिपल्ली उमा (3¬18¬22) और भगवती डांगी (3.31.28) रहीं। पुरुषों की एलीट कैटेगरी में, इथियोपिया के सेबोका नेगुसे 2.20.57 के समय के साथ चैंपियन बने. केन्या के फेलिक्स किमुताई ने 2.20.57 का समय लेकर दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि उनके साथी फ्रांसिस चेरुइयोट ने 2.21.29 में तीसरा स्थान प्राप्त किया। भारतीय पुरुषों में, गोपी थोनाकल सबसे आगे रहे और उन्होंने कुल मिलाकर चौथा स्थान (2.21.46) हासिल किया. उनके बाद मान सिंह (2.23.56), प्रदीप सिंह चौहान (2.26.12), रंजीत सिंह (2.27.49) और बुगाथा श्रीनू (2.29.56) रहे।

पैरा टेबल टेनिस

भारतीय खिलाड़ियों ने फिनलैंड में जीते 16 पदक, 6 स्वर्ण के साथ अभियान समाप्त

फिनलैंड (एजेंसी)। भारतीय पैरा टेबल टेनिस खिलाड़ियों ने फिनलैंड में आयोजित आईटीटीएफ वर्ल्ड पैरा फ्यूचर लाहटी टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया। भारतीय दल ने प्रतियोगिता में कुल 16 पदक अपने नाम किए, जिसमें छह स्वर्ण, चार रजत और छह कांस्य पदक शामिल रहे। भारतीय खिलाड़ियों ने एकल स्पर्धाओं में 10 पदक जीते। इसके बाद युगल मुकाबलों में भी टीम का शानदार प्रदर्शन जारी रहा और भारत ने दो स्वर्ण, एक रजत और तीन कांस्य समेत कुल छह पदक हासिल किए।

पुरुष युगल में रमेशभाई और सुमित ने जीता गोल्ड

रमेशभाई चौधरी और सुमित सहगल ने पुरुष युगल में भारत को स्वर्ण पदक दिलाया। फाइनल मुकाबले में भारतीय जोड़ी ने दक्षिण अफ्रीका के इब्राहिम अब्दुल्ला और रकन अब्दुल रहमान को सीधे गेमों में 3-0 से हराया। इस जीत के साथ भारतीय जोड़ी ने टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया।

सुमित सहगल ने मिश्रित युगल में भी जीता स्वर्ण

सुमित सहगल ने मिश्रित युगल में भी शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने दीपिका रानी रामनाथन के साथ जोड़ी बनाकर खिताब पर कब्जा किया। फाइनल में सुमित और दीपिका की जोड़ी ने फिनलैंड के टिमो कालावेई और ऐनो तापोला को 3-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। इस तरह सुमित ने टूर्नामेंट में दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए।

सोनल पटेल और रमेशभाई ने जीता रजत

मिश्रित युगल में सोनल पटेल और रमेशभाई चौधरी की जोड़ी ने भी शानदार प्रदर्शन किया और रजत पदक हासिल किया। इसके अलावा भारतीय खिलाड़ियों ने तीन कांस्य पदक भी जीते।

डीपीएल 2026 में साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज ने जीता खिताब

फाइनल में सेंट्रल दिल्ली किंग्स को 7 विकेट से हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज ने शानदार बल्लेबाजी के दम पर सेंट्रल दिल्ली किंग्स को 7 विकेट से हराकर दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया। अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए रोमांचक फाइनल में साउथ दिल्ली ने 183 रन के लक्ष्य को महज 18.2 ओवर में 186/3 बनाकर हासिल कर लिया।

सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने बनाए 182 रन – टॉस के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी सेंट्रल दिल्ली किंग्स की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट पर 182 रन बनाए। समरथ सिंह ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 27 गेंदों में 51 रन की पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में कई शानदार शॉट लगाए। कप्तान जोंटी सिद्धू ने भी तेजी से रन बनाए और सिर्फ 19 गेंदों में 36 रन ठोके। उनकी पारी में तीन छक्के शामिल रहे। युगल सैनी ने 29 गेंदों पर 32 रन बनाए, जबकि मनी ग्रेवाल ने आखिरी ओवरों में सिर्फ 7 गेंदों पर 18 रन की तेज पारी खेलकर टीम का स्कोर 180 के पार पहुंचाया।

दिवांश रावत की शानदार गेंदबाजी – साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज के गेंदबाजों ने सेंट्रल दिल्ली को बड़े स्कोर तक पहुंचने से रोकने में अहम भूमिका निभाई।

अंकुर ने अपना पहला डब्ल्यूटीटी खिताब और युगल में स्वर्ण पदक जीता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी अंकुर भट्टाचार्य ने चेक गणराज्य में आयोजित डब्ल्यूटीटी फीडर ओलोमोक टूर्नामेंट में अपना पहला डब्ल्यूटीटी पुरुष एकल खिताब जीता और आकाश पाल के साथ युगल वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल करके दोहरी सफलता हासिल की। विश्व रैंकिंग में 78वें नंबर के खिलाड़ी अंकुर ने एकल फाइनल में स्लोवेनिया के तीसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी डेनी कोजुल को 3-1 (9-11, 11-4, 11-5, 11-6) से हराया। इससे पहले उन्होंने आकाश के साथ मिलकर पुरुष युगल फाइनल में हंगरी के साबा एंड्रास सैंटोसी और पोलैंड के एलन कुलज़िकी ज़ालेव्स्की को 3-1 (11-8, 4-11, 13-11, 11-9) से हराया था। अंकुर के लिए एकल फाइनल की शुरुआत अच्छी नहीं रही, क्योंकि कोजुल ने पहला गेम 11-9 से जीत लिया। भारतीय खिलाड़ी ने हालांकि जल्द ही अपनी लय हासिल कर ली और अगले तीन गेम जीतकर खिताब अपने नाम कर लिया। पुरुष युगल में अंकुर और आकाश ने पहला गेम 11-8 से जीता, लेकिन सैंटोसी और जालेव्स्की ने दूसरे गेम में 11-4 से जीत हासिल करके स्कोर बराबर कर दिया। तीसरे गेम में कड़ी टक्कर के बाद भारतीय जोड़ी ने 13-11 से जीत हासिल करके फिर से बढ़त हासिल ली और फिर चौथे गेम में भी अपना संयम बनाए रखते हुए 11-9 से जीत दर्ज की। अंकुर ने इस तरह से डब्ल्यूटीटी फीडर सीरीज में शानदार सत्र का समापन किया। यहां खिताब जीतने से पहले उन्होंने 2026 में दो टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल और दो टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई थी।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (मंगलवार)
01 सितंबर 2026

शक्तिमान के लिए रणवीर की इमेज सही नहीं

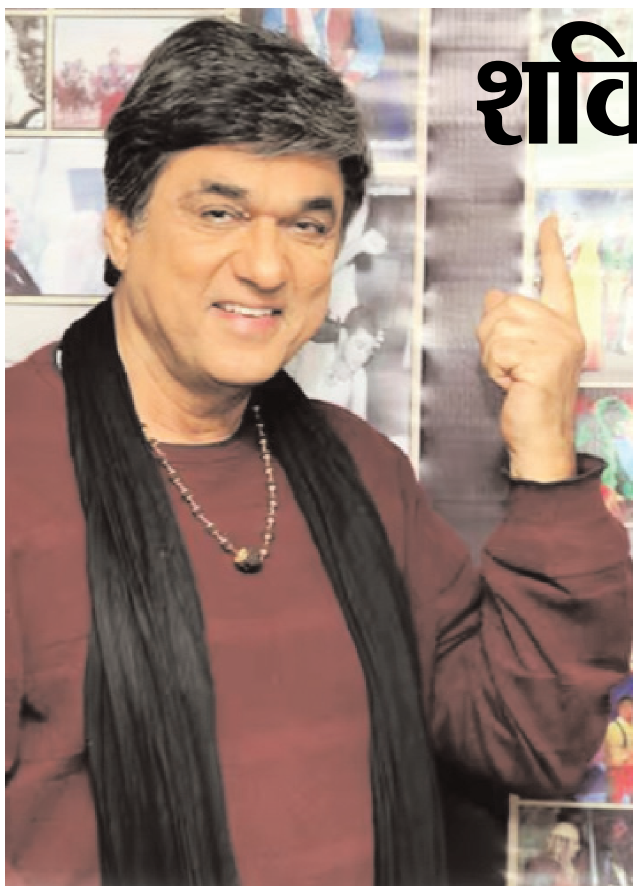

मुकेश खन्ना ने हाल ही में अपने आइकोनिक किरदार शक्तिमान पर खुलकर बात की। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि वह बड़े पर्दे पर 'शक्तिमान' के किरदार के लिए रणवीर सिंह को सही विकल्प नहीं मानते।

'शक्तिमान' पर फिल्म बनाने की चर्चा काफी समय से चल रही है। इस फिल्म के लिए रणवीर सिंह का नाम भी सामने आया था। लेकिन मुकेश खन्ना ने इस कास्टिंग पर अपनी नाराजगी जाहिर की है। एक इंटरव्यू में जब उनसे पूछा गया कि कुछ लोग मानते हैं कि उन्हें अब 'शक्तिमान' के किरदार से आगे बढ़ जाना चाहिए, तो उन्होंने कहा, 'मैं आगे क्यों बढ़ूं? मैंने शक्तिमान बनाया है।'

मुकेश खन्ना ने बताया कि उन्होंने सोनी इंडिया और सोनी इंटरनेशनल को अपनी मंजूरी के बिना फिल्म पर आगे बढ़ने से रोक दिया है। उनके मुताबिक, उन्हें पहले एक पेमेंट मिल चुकी थी, लेकिन जब मेकर्स ने कुछ ऐसी शर्तें रखीं जो उनकी शुरुआती सहमति से अलग थीं, तो उन्होंने अगला चेक रोक दिया। उन्होंने कहा, 'इसमें कोई शक नहीं कि कमर्शियल तौर पर मैं बेवकूफी कर रहा हूं। मैंने लाखों का नहीं, करोड़ों का चेक ठुकराया है।' एक्टर ने बताया कि उनके ऑफिस में मौजूद कुछ लोगों ने उन्हें सलाह दी थी कि पैसे ले लें और बाद में इस मामले को देखेंगे। किन मुकेश खन्ना ने ऐसा करने से इनकार कर दिया। उनके लिए पैसा नहीं बल्कि उनके सिद्धांत ज्यादा जरूरी हैं।

शक्तिमान को डिस्को में नाचते नहीं देख सकता मुकेश खन्ना को इस बात की भी चिंता है कि फिल्म को मॉडर्न बनाने के नाम पर 'शक्तिमान' के किरदार में जरूरत से ज्यादा बदलाव न कर दिए जाएं। उन्होंने कहा कि कल फिल्म में शक्तिमान को डिस्को में नाचते हुए दिखाया जा सकता है और उसके बाद कुछ और भी ऐसा किया जा सकता है, जो इस किरदार की असली पहचान से मेल नहीं खाता।

मुकेश खन्ना ने बताया कि रणवीर ने करीब तीन घंटे तक उन्हें शक्तिमान के किरदार के लिए मनाने की कोशिश की थी। मुकेश खन्ना ने रणवीर की एनर्जी की तारीफ भी की। उन्होंने बताया कि रणवीर बातचीत के दौरान जमीन पर बैठ गए थे और उनकी एनर्जी देखकर उन्हें दिवंगत अभिनेता देव आनंद की याद आ गई थी। हालांकि, शक्तिमान के किरदार के लिए मुकेश खन्ना को रणवीर की इमेज सही नहीं लगती। उन्होंने कहा, 'रणवीर सिंह 'धुरंधर', 'गली बॉय' और खिलजी का किरदार निभा सकते हैं, लेकिन शक्तिमान नहीं।' मुकेश खन्ना के मुताबिक, शक्तिमान के लिए एक खास तरह की इमेज और चेहरा चाहिए। उनका मानना है कि रणवीर का चेहरा शरारती और चालाक नजर आता है, जबकि शक्तिमान का चेहरा और व्यक्तित्व पूरी तरह सकारात्मक होना चाहिए।

रणवीर को इस रोल में देखना चाहते हैं मुकेश

दिलचस्प बात यह है कि मुकेश खन्ना रणवीर सिंह को पूरी तरह फिल्म से बाहर नहीं करना चाहते। उन्होंने रणवीर को किलविश का किरदार ऑफर करने की बात भी कही थी। उनका मानना है कि रणवीर ने 'पद्मावत' में अलाउद्दीन खिलजी का किरदार जिस तरह निभाया था, उसे देखते हुए वह किलविश के रोल में अच्छे लग सकते हैं। बता दें कि किलविश 'शक्तिमान' में विलेन का किरदार है।

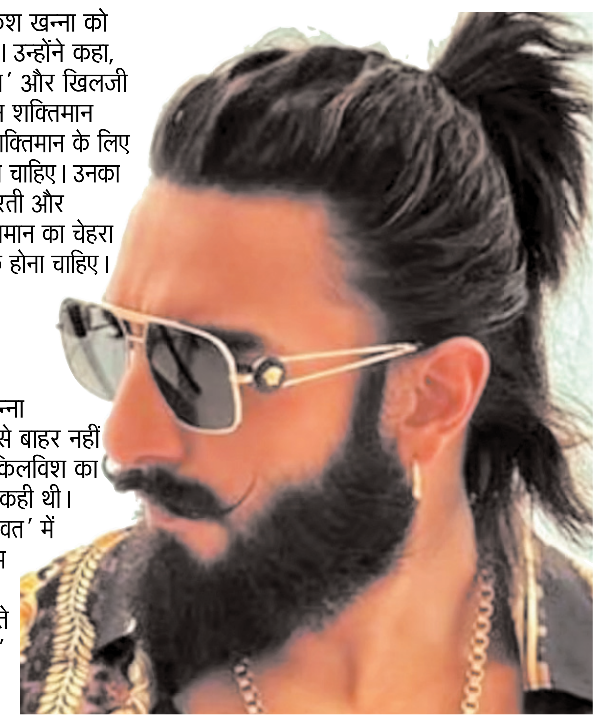

रवि तेजा के साथ काम करना मेरे लिए बहुत अच्छा अनुभव रहा

दक्षिण भारतीय फिल्मों की जानी-मानी अभिनेत्री प्रिया भवानी शंकर इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'इरुमुड़ी' को लेकर चर्चा में हैं। निर्देशक शिव निर्वाण की इस फिल्म में वह अभिनेता रवि तेजा के साथ मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। वह फिल्म में कावेरी का किरदार निभा रही हैं, जो एक अच्छी पत्नी और मां है। अपने किरदार को लेकर उन्होंने कहा कि कावेरी उनके लिए बहुत खास है। प्रिया भवानी शंकर ने कहा, ''कावेरी मेरे लिए बहुत खास किरदार रहा है। जब मैंने कहानी सुनी और शिव निर्वाण की बनाई भावनाओं की दुनिया को समझा, तो मुझे ऐसी सच्ची और दमदार कहानी का हिस्सा बनकर बहुत खुशी हुई। 'इरुमुड़ी कट्टू' के रिश्तों में गर्मजोशी और भावनाएं हैं। इसी वजह से कावेरी का किरदार निभाने का सफर मेरे लिए बहुत खास रहा.' फिल्म में रवि तेजा के साथ काम करने का मौका मिलने पर भी प्रिया काफी खुश नजर आईं। उन्होंने कहा, ''रवि तेजा के साथ काम करना मेरे लिए बहुत अच्छा अनुभव रहा। उनके काम करने के तरीके में सहजता है। इसकी वजह से हमारे साथ वाले

सीन काफी आरामदायक और मजेदार रहे। डायरेक्टर को हर किरदार की भावनाओं को लेकर बहुत साफ समझ थी और उनके विजन के हिसाब से काम करना मेरे लिए बहुत खूबसूरत अनुभव रहा।'' उन्होंने कहा, ''इस सफर के दौरान मैंने अपने साथी कलाकारों और टीम के साथ बहुत सारी यादें बनाई। शूटिंग के दौरान कई मजेदार पल आए, खूब हंसी-मजाक हुआ और टीम के बीच ऐसी बातें भी हुईं, जो मेरे लिए निजी याद बन गईं।''

इंसान की सबसे ज्यादा ग्रोथ तब होती है, जब आप असहज परिस्थिति में होते हैं

'सेक्रेड गेम्स', 'द ट्रायल' और 'सन ऑफ सरदार 2' जैसी सीरीज और फिल्मों में नजर आ चुकीं एक्ट्रेस कुब्रा सैत पर्दे पर जहां बिंदास किरदारों के लिए जानी जाती हैं, वहीं निजी जिंदगी में भी उन्हें खतरों से खेलना पसंद है। एडवेंचर में कुब्रा की जान बसती है, इसलिए वह कभी तंजानिया के किलिमंजारो पर्वत पर ट्रैकिंग करने पहुंच जाती हैं, तो कभी दुनिया की चौथी बड़ी नदी ब्रह्मपुत्र में लहरों से खेलने यानी रिवर राफ्टिंग करने। कुब्रा के मुताबिक, उन्हें खुद को ऐसी असहज परिस्थितियों में डालना पसंद है, क्योंकि इससे उन्हें खुद को जानने का मौका मिलता है।

एडवेंचर ट्रिप से बेहतर टीचर नहीं

बकौल कुब्रा, 'मुझे लगता है कि इंसान की सबसे ज्यादा ग्रोथ तब होती है, जब आप असहज परिस्थिति में होते हैं। अपने कंफर्ट जोन से बाहर होते हैं, इसलिए मुझे खुद को ऐसी परिस्थितियों में डालना अच्छा लगता है क्योंकि इन चीजों से मैं आगे बढ़ पाती हूं। मतलब, जब आप ऐसे ट्रिप्स पर जाते हैं, जहां आपके पास सोने के लिए बेड नहीं होता है। आप टेंट और स्लीपिंग बैग्स में सोते हैं। फिर सुबह साढ़े 7 बजे अपना पूरा बैग पैक करके आपको टेंट से बाहर निकलना है और आपकी सारी उंगलियां सारी सूजी हुई हैं। उस वक्त आप बस यही कोशिश करते हैं कि प्लीज मेरे मुंह से गाली न निकले और मैं 15 मिनट में बैग पैक कर निकल जाऊं तो जो धैर्य आपमें आता है, ये सब बहुत सीख है भाई।'

कुब्रा ने आगे कहा, 'मेरा मानना है कि जब आप जीवन को ऐसे अनुभव करते हैं, तभी एक्टर बन सकते हैं। अगर हर चीज आपके साथ अच्छी रहे कि घर गए, खाना बन गया, सब काम हो गया, तो क्या ही मजा है। इसलिए मैं हर साल ऐसी ट्रिप पर जाती हूं, क्योंकि मुझे खुद को जानने का मौका मिलता है और खुद को जानने का सफर बहुत लंबा है। मुझे लगता है कि मैंने अभी शुरू किया है।'

कुब्रा का परिवार और करियर

कुब्रा सैत की निजी जिंदगी की बात करें, तो वह कर्नाटक के बेंगलुरु शहर एक मुस्लिम परिवार में पैदा हुईं। उनके पिता का नाम मोहम्मद हदीद हैं और मां यास्मिन सेठ एक बिजनेसवुमन हैं। कुब्रा सैत ने मॉडलिंग से अपने करियर की शुरुआत की थी। वह दुबई की माइक्रोसॉफ्ट कंपनी में बतौर अकाउंट मैनेजर भी कार्यरत रहीं।

'द रेवोल्यूशनरीज' में दिखेगा रोहित सराफ का एक बिल्कुल नया और बदला हुआ रूप

बहुप्रतीक्षित फिल्म 'द रेवोल्यूशनरीज' का ट्रेलर रिलीज हो गया है और इसमें रोहित सराफ पूरी ताकत के साथ नजर आ रहे हैं। फिल्म में वह सचिंद्रनाथ सान्याल का किरदार निभा रहे हैं। इस किरदार के जरिए रोहित एक ऐसे दौर और भूमिका में नजर आएंगे, जिसे उन्होंने पहले कभी नहीं निभाया है। यही बात फिल्म को और खास बनाती है। रोहित ने अपने किरदार को बेहतर तरीके से निभाने के लिए अपनी बॉडी और लुक में भी शानदार बदलाव किया है। उनका बदला हुआ शारीरिक रूप और गंभीर अंदाज उनके किरदार को और ज्यादा प्रभावशाली बनाता है। ऐसा लगता है कि रोहित ने सिर्फ यह फिल्म साइन नहीं की है, बल्कि अपने अभिनय में कुछ नया और बड़ा करने का फैसला किया है। ट्रेलर में रोहित के जबरदस्त एक्शन और फाइटिंग सीन्स भी देखने को मिलते हैं। उनके एक्शन सीन काफी दमदार हैं और उनके किरदार की ताकत और जुनून को दिखाते हैं। उनकी एक्टिंग में गुस्सा, जोश और संघर्ष साफ नजर आता है। 'द रेवोल्यूशनरीज' का ट्रेलर रोहित सराफ का एक बिल्कुल नया और बदला हुआ रूप दिखाता है। यह उनके करियर के सबसे अलग और बड़े बदलावों में से एक माना जा सकता है। यह पीरियड ड्रामा उन बहादुर युवा भारतीय क्रांतिकारियों की कहानी पर आधारित है, जो मानते थे कि ब्रिटिश शासन को खत्म करने के लिए हथियार उठाकर लड़ना जरूरी था।

मुश्किल दौर से गुज़र रहे ओरी के लिए खतरों के खिलाड़ी 15 बना भावनात्मक सहारा

'खतरों के खिलाड़ी 15' में अपना शानदार परफॉर्मंस दे रहे ओरी ने हाल ही में शो के अपने अनुभव को याद करते हुए बताया कि यह शो उनके लिए सिर्फ खतरनाक स्टंट्स करने का मंच नहीं था, बल्कि खुद को फिर से खोजने की एक खास यात्रा थी।

अपने सोशल मीडिया प्रेजेंस और सेलिब्रिटी सर्कल के लिए मशहूर ओरी ने यह भी खुलासा किया है कि शो में शामिल होने से पहले वह एक मुश्किल दौर से गुजर रहे थे। एक दर्दनाक अनुभव के बाद वह भावनात्मक रूप से काफी अलग-थलग महसूस करने लगे थे और कई चीजों से उनका जुड़ाव कम हो गया था।

ओरी ने यह भी बताया कि एक समय था जब उन्हें छोटी-छोटी बातों में खुशी मिलती थी, लेकिन धीरे-धीरे वह उत्साह कहीं खो गया। ऐसे में 'खतरों के खिलाड़ी' उनके लिए उन एहसासों को दोबारा महसूस करने का जरिया बन गया। गौरतलब है कि केप टाउन में बिताए इस सफर ने उन्हें डर, घबराहट, हंसी और कई भावनात्मक पलों से रूबरू कराया। हालांकि स्टंट्स से ज्यादा बड़ी चुनौती खुद से दोबारा जुड़ना था। ओरी के मुताबिक, इस अनुभव ने उन्हें फिर से जिंदगी को महसूस करना सिखाया और उन भावनाओं से दोबारा मिलवाया, जिन्हें वह खो चुके थे। ऐसे में केप टाउन उनके लिए सिर्फ एक शूटिंग लोकेशन नहीं, बल्कि आत्म-खोज और नए सिरे से खुद को पाने की एक यादगार यात्रा बन चुका है।

राशि खन्ना फिल्म उद्योग में अपने 13 साल के सफर को याद किया

अभिनेत्री राशि खन्ना, जिन्हें हाल ही में फिल्म '120 बहादुर' में विशेष भूमिका में देखा गया था, ने भारतीय फिल्म उद्योग में अपने 13 साल पूरे कर लिए हैं। अभिनेत्री ने कहा कि 'मद्रास कैफे' से अपने करियर की शुरुआत के बाद से उन्हें ऐसा लगता है कि समय पंख लगाकर उड़ गया क्योंकि उन्होंने हमेशा अपने काम को एक विशेषाधिकार के रूप में देखा है। यह फिल्म 2013 में रिलीज हुई थी और इसी ने राशि खन्ना के लिए चार अलग-अलग फिल्म उद्योगों में काम करने का रास्ता खोला। इसके बाद वह देश की चर्चित फिल्मों और परियोजनाओं का हिस्सा बनीं। अपने सफर को याद करते हुए राशि ने कहा, 'तेरह साल एक लंबा समय होता है लेकिन यह बहुत तेजी से बीत गया क्योंकि काम करना कभी विशेषाधिकार लगना बंद नहीं हुआ। 'मद्रास कैफे' को याद करने पर मुझे एहसास होता है कि मैंने शुरुआत क्यों की थी। इस फिल्म ने मुझे ऐसी कहानियां कहने का अवसर दिया जो मेरे लिए मायने रखती हैं, और मैं उन सभी सहयोगियों की आभारी हूं जिन्होंने इस सफर में मेरा साथ दिया।' अपने डेब्यू के बाद से राशि ने हिंदी, तमिल, तेलुगु और मलयालम सिनेमा में काम करते हुए एक मजबूत पहचान बनाई है। उनकी पीढ़ी के चुनिंदा कलाकारों में से वह एक हैं, जिन्होंने चारों फिल्म उद्योगों में अपनी मौजूदगी कायम रखी है। यह विविधता संयोग नहीं बल्कि उनके सोच-समझकर लिए गए फैसलों का परिणाम है, जिसने उन्हें एक उभरती हुई अभिनेत्री से पैन-इंडिया स्टार तक पहुंचाया। वर्तमान में अभिनेत्री राज और डीके की लोकप्रिय वेब सीरीज 'फर्जी' के दूसरे सीजन की शूटिंग कर रही हैं। इसमें वह एक बार फिर आरबीआई अधिकारी मेघा व्यास की भूमिका में नजर आएंगी। इस सीरीज में उनके साथ शाहिद कपूर और विजय सेतुपति भी दिखाई देंगे। राज और डीके द्वारा निर्मित और निर्देशित यह क्राइम थ्रिलर एक ऐसे कलाकार की कहानी है, जो आर्थिक परेशानियों से निकलने के लिए नकली नोट बनाने के रास्ते पर चल पड़ता है। राशि खन्ना जल्द ही तमिल एक्शन थ्रिलर 'धर्मन' में सुपरस्टार रजनीकांत के साथ नजर आएंगी। इसके अलावा वह निर्देशक अनीस बज्मी की अगली कॉमेडी-ड्रामा फिल्म में अभिनेता अक्षय कुमार के साथ भी दिखाई देंगी।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (मंगलवार)
01 सितंबर 2026

संक्षिप्त समाचार

संघर्षविराम के बावजूद गाजा में इस्राइली सेना के हमले, पांच की मौत

गाजा, एजेंसी। अमेरिका की मध्यस्थता में हुए संघर्षविराम के बावजूद गाजा में इस्राइली सेना के हवाई हमले जारी हैं। शुक्रवार को इन हमलों में पांच लोगों की मौत हुई। स्थानीय अस्पताल अधिकारियों के मुताबिक, खान यूनिस के पास एक घर पर हुए हमले में दो भाइयों समेत तीन लोगों की जान गई। गाजा सिटी में अलग-अलग हमलों में दो अन्य लोगों की मौत हुई। ईरान ने अमेरिकी आर्थिक प्रतिबंधों को 'आर्थिक आतंकवाद' बताया है। दूसरी ओर, फिनलैंड ने यूएनआरडब्ल्यूए को सहायता देने का समझौता आगे नहीं बढ़ाने का फैसला किया है। ब्रिटेन ने गाजा संघर्षविराम निगरानी केंद्र से अपने अधिकारियों को हटाने के किसी भी इस्राइली कदम का विरोध किया है।

एंथ्रोपिक को काली सूची में डालने के पेंटागन फैसले पर संघीय कोर्ट की रोक

पेंटागन , एजेंसी। अमेरिका के एक न्यायाधीश ने रक्षा मुख्यालय पेंटागन की तरफ से एंथ्रोपिक को काली सूची में डालने के फैसले पर रोक लगा दी। कैलिफोर्निया की संघीय अदालत में एंथ्रोपिक के मुकदमे में आरोप लगाया गया है कि रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने अपनी अधिकार-सीमा से बाहर जाकर क्लाउड बनाने वाली कंपनी एंथ्रोपिक को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आपूर्ति श्रृंखला जोखिम करार दिया। हेगसेथ के एक अभूतपूर्व कदम ने एंथ्रोपिक को कुछ सैन्य अनुबंधों से रोक दिया। यह कदम तब उठाया गया जब एंथ्रोपिक ने सेना को अपने क्लाउड एआई मॉडल का इस्तेमाल अमेरिकी निगरानी या ऑटोनॉमस हथियारों के लिए करने की इजाजत देने से इन्कार कर दिया।

इक्वाडोर के पूर्व राष्ट्रपति मोरेनो भ्रष्टाचार मामले में दोषी

इक्वाडोर , एजेंसी। इक्वाडोर की एक अदालत ने पूर्व राष्ट्रपति लेनिन मोरेनो को देश के सबसे बड़े हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट से जुड़े रिश्वत मामले में दोषी मानते हुए पांच साल जेल की सजा सुनाई गई है। अदालत ने उन्हें भविष्य में किसी भी सार्वजनिक पद पर रहने से भी स्थायी रूप से अयोग्य करार दिया है। 73 साल के मोरेनो को चीन की सरकारी कंपनी सिनोहाइड्रो से रिश्वत लेने और हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्लांट के ठेके से जुड़े भ्रष्टाचार नेटवर्क में प्रत्यक्ष भूमिका निभाने का दोषी पाया गया। यह मामला करीब दो अरब डॉलर की लागत से बने 'कोका कोडो सिनक्लेयर हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्लांट' से जुड़ा है। अभियोजन पक्ष के मुताबिक, 2009 से 2018 के बीच फर्जी कंसल्टेंसी कॉन्ट्रैक्ट के जरिए करीब 7.61 करोड़ डॉलर की रिश्वत का लेन-देन किया गया। जांच में आरोप लगाया गया कि इस रकम को विदेशों में खातों और शेल कंपनियों के जरिए पहुंचाया गया।

पाकिस्तान में पुलिस वाहन पर हमला, तीन पुलिसकर्मी घायल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शनिवार को अज्ञात बंदूकधारियों ने पुलिस वाहन पर हमला कर दिया। इस हमले में तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक, हमला टैंक जिले में डेरा इस्माइल खान रोड पर चकन इलाके के पास हुआ। हमलावरों ने घात लगाकर पुलिस वाहन पर गोलीबारी की। फायरिंग के बाद वाहन पलट गया, जिससे उसमें सवार तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए। प्रतिबंधित आतंकी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। पुलिस ने इलाके में जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार, हमले से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच की जा रही है।

ईरान के नए नेतृत्व ने विरोध के खिलाफ सख्त रुख के संकेत दिए

तेहरान, एजेंसी। छह महीने से जारी युद्ध के बाद ईरान का नया नेतृत्व देश के भीतर किसी भी तरह के विरोध को रोकने के लिए सख्त रुख अपना रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, नए सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने अपने आसपास लंबे समय से भरोसेमंद सहयोगियों को महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्त किया है। इनमें ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के नए सचिव मोहसेन रेजाई और बसीज के नए प्रमुख हुसैन ताएब शामिल हैं। खामेनेई ने अभी तक सार्वजनिक रूप से सामने आकर कोई बयान नहीं दिया है। उनके पिता और कई वरिष्ठ नेताओं की 28 फरवरी को युद्ध की शुरुआत में हुए अमेरिकी-इस्राइली हमलों में मौत हो गई थी।

अस्पताल अग्निकांड पर शहबाज सख्त, नवजातों की मौत पर अफसरों पर गिरी गाज; किस-किस पर होगी कार्रवाई?

इस्लामाबाद, एजेंसी। इस्लामाबाद के पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज यानी पीआईएमएस के स्त्री रोग वार्ड में बुधवार को भीषण आग लग गई थी। इस हादसे में 14 नवजात बच्चों की मौत हो गई थी। घटना के कुछ दिन बाद प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने जांच समिति की अंतरिम रिपोर्ट के आधार पर आठ अधिकारियों को उनके पद से हटाने और निलंबित करने का आदेश दिया। प्रधानमंत्री कार्यालय के मुताबिक, इन अधिकारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई के साथ संबंधित कानूनों के तहत आपराधिक कार्रवाई भी शुरू की जाएगी।

किन अधिकारियों पर गिरी गाज : कार्रवाई की जद में पीआईएमएस के कार्यकारी निदेशक डॉ. राणा इमरान सिकंदर, संयुक्त कार्यकारी निदेशक डॉ. मुताहिर शाह और डॉ. चौधरी अवैस अली शाह शामिल हैं। इनके अलावा नवजात विभाग की प्रमुख प्रोफेसर डॉ. सादिया रियाज, वरिष्ठ रजिस्ट्रार डॉ. नगहम और डॉ. नौशिला अमजद पर भी कार्रवाई हुई है। पीआईएमएस के सुरक्षा सहायक निदेशक मोहम्मद उस्मान और राजधानी विकास प्राधिकरण के आपात सेवा महानिदेशक डॉ. अब्दुल रहमान को भी पद से हटाने का आदेश दिया गया है।

क्या अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था पर भी कार्रवाई होगी : प्रधानमंत्री ने अस्पताल की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालने वाली कंपनी और उसके अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई को मंजूरी दी है। इससे साफ है कि सरकार हादसे के लिए केवल अस्पताल के अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करने तक सीमित नहीं रहना चाहती। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, जिन अधिकारियों को उनके पदों से हटाया गया है, उनकी जगह नए अधिकारियों की तत्काल नियुक्ति करने का निर्देश भी दिया गया है।

पीआईएमएस का नया कार्यकारी निदेशक कौन होगा : प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. मोहम्मद सलमान को पीआईएमएस का कार्यकारी निदेशक बनाने की मंजूरी दी है। वह फिलहाल कार्यकारी निदेशक की जिम्मेदारी संभालेंगे। प्रधानमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को हटाए जाने के बाद खाली हुए पदों पर तत्काल नए लोगों की नियुक्ति करने का भी निर्देश दिया है। सरकार का यह कदम अस्पताल के प्रशासन और व्यवस्था को तुरंत सामान्य करने की कोशिश के तौर पर सामने आया है।

बच्चों को बचाने वाली नर्स को क्या सम्मान मिलेगा : हादसे के दौरान एक बच्चे की जान बचाने वाली नर्स रजिया नूरीन को प्रधानमंत्री ने सम्मानित करने का फैसला किया है। उन्हें सितारा-ए-खिदमत पुरस्कार दिया जाएगा और 10 लाख पाकिस्तानी रुपये की राशि भी दी जाएगी। प्रधानमंत्री ने उनकी बहादुरी और मानवता की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना बच्चे को बचाया। उन्होंने कहा कि देश को ऐसी जिम्मेदार और कर्तव्यनिष्ठ नर्स पर गर्व है।

हादसे के बाद सरकार ने पीड़ित परिवारों से क्या कहा : स्वास्थ्य मंत्री मुस्तफा कमाल और संसदीय मामलों के मंत्री डॉ. तारिक फजल चौधरी ने शनिवार को पीआईएमएस के बच्चों के वार्ड का दौरा किया। दोनों मंत्रियों ने आग में अपने बच्चों को खोने वाले परिवारों से मुलाकात की। इस दौरान हादसे में जान गंवाने वाले नवजातों के परिवारों से बातचीत की गई। घटना के बाद सरकार की ओर से जांच और जिम्मेदारी तय करने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है।

फलस्तीन समर्थक छात्रों का अमेरिकी वीजा रद्द नहीं होगा; अफ्रीकी देश नाइजर में सैनिक विद्रोह

गाजा, एजेंसी। अमेरिका की एक संघीय अदालत ने शुक्रवार को अपने फैसले में कहा कि फलस्तीन के समर्थन और इस्राइल की आलोचना करने वाले विदेशी छात्रों के वीजा रद्द करना और उन्हें देश से निकालने की कार्रवाई शुरू करना असांविधानिक है। कैलिफोर्निया के सैन जोस में जिला जज नोएल वाइज ने ट्रंप प्रशासन की वीजा रद्द करने की कार्रवाई की कड़ी आलोचना की। कोलंबिया यूनिवर्सिटी की भारतीय छात्रा रजनी श्रीनिवासन समेत कई छात्रों के वीजा रद्द हुए थे। जज ने अपने फैसले में कहा कि विदेश विभाग और गृह सुरक्षा विभाग ने आव्रजन कानून की धाराओं का इस्तेमाल उन गैर-अमेरिकी नागरिकों के खिलाफ किया, जिनकी राय सरकार दबाना चाहती थी। अमेरिका में सरकार और उसके नेताओं की आलोचना की आजादी लोकतंत्र की मजबूती का प्रमाण है। जब नागरिकों और गैर-नागरिकों को सरकार की कार्रवाई के डर से अपनी बात रोकनी पड़े, तो लोकतंत्र कमजोर होता है। अदालत ने माना कि वीजा रद्द करने का आधार किसी व्यक्ति की विचारधारा या भाषण को बनाना असांविधानिक है।

म्यांमार के प्रवासियों को वापस भेजने की तैयारी: मलयेशिया में रोहिंग्या शरणार्थियों के बीच दहशत, किस बात का डर?

कुआलालंपुर, एजेंसी। मोहिदुजमान धार्मिक उत्पीड़न और गृहयुद्ध से बचने के लिए दो साल पहले अपने देश म्यांमार से भाग निकला था। करीब चार महीने तक जमीनी रास्ते और समंदर का सफर तय करने के बाद मलयेशिया पहुंचा। धान के खेत में काम ढूंढ़ा और पारंपरिक मलय शैली में बने झोपड़ीनुमा घर में रहने लगा। लेकिन अब मलयेशिया के ऐसे प्रवासियों को वापस भेजने की तैयारी से रोहिंग्या शरणार्थियों में भय का माहौल है। भाई मोहम्मद ने बताया कि मोहिदुजमान (35) ने मलयेशिया में संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी के पास शरणार्थी के रूप में पंजीकरण के लिए आवेदन किया था और अपनी बारी का इंतजार कर रहा था। इसी बीच, उसे कुछ समय पहले गिरफ्तार कर डिटेंशन सेंटर में डाल दिया गया था। कुआलालंपुर में रहने वाले और शरणार्थी का दर्जा रखने वाले मोहम्मद (25) ने अपने भाई के मामले पर कहा, म्यांमार वापस भेजने से तो बेहतर है कि हमें मलेशिया में ही मार दिया जाए। वापस भेजे जाने पर वहां जाकर भी मारा ही जाएगा, क्योंकि म्यांमार का सैन्य शासन उसे लड़ने के लिए सीधे युद्ध के मोर्चे पर भेज देगा।

मोहिदुजमान म्यांमार के करीब 10 हजार ऐसे प्रवासियों में शामिल हैं जिनके पास शरणार्थी होने कोई दस्तावेज नहीं है। पिछले महीने मलयेशिया ने लगभग आधे प्रवासियों को वापस उनके देश भेजने की योजना की घोषणा की है। प्रवासियों, उनके परिवारों और मानवाधिकार समूहों का कहना है कि एक बार म्यांमार लौटने पर वहां की सैन्य सरकार उन सभी को सेना में अनिवार्य रूप से भर्ती कर लेगी। रोहिंग्याओं को तो सबसे बुरे की आशंका है जो अपने ही देश में अलग-थलग हैं और उस हिंसा को झेल चुके है जिसे संयुक्त राष्ट्र और अमेरिका ने म्यांमार सेना का नरसंहार करार दिया है।

शरणार्थी दर्जे के बावजूद स्थिति बुरी : पिछले एक दशक में म्यांमार से लाखों लोगों ने जातीय सफाये और क्रूर सैन्य शासन से बचने की उम्मीद में मलयेशिया में शरण ली है। हजारों लोगों के पास शरणार्थी का दर्जा है, फिर भी उन्हें लगातार बढ़ रहे भेदभाव का सामना करना पड़ रहा है।

1500 लोग अगले माह वापस भेजे जाएंगे : मलेशिया के गृह मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा कि प्रवासियों का आना एक बड़ा वित्तीय बोझ बन गया है, सरकार हिरासत केंद्रों में बंद लगभग 1,500 प्रवासियों को अगले माह म्यांमार वापस भेजने की तैयारी कर रही है। एक प्रमुख गैर-लाभकारी संगठन नेशनल ह्यूमन राइट्स सोसाइटी के अध्यक्ष रामासेलवम मणिमुथु ने इस बात पर आपत्ति जताई कि नजरबंद लोगों को शरणार्थी के रूप में पंजीकृत होने का विकल्प दिए बिना निकाला जा रहा है।

कैलाश मानसरोवर यात्रियों की बढ़ी चिंता: बाढ़ के बाद 261 विदेशी लापता, तिब्बत-नेपाल सीमा पर 49 भारतीय भी शामिल

बीजिंग, एजेंसी। तिब्बत-नेपाल सीमा पर 26 अगस्त को आई भीषण बाढ़ के बाद 261 विदेशी नागरिकों का अब तक पता नहीं चल पाया है। चीनी अधिकारियों के मुताबिक, लापता लोगों में 49 भारतीय नागरिक भी शामिल हैं। यह बाढ़ ग्यिरोंग पोर्ट के पास आई थी, जो नेपाल और तिब्बत के बीच प्रमुख सीमा पार मार्गों में से एक है। चीनी सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, लापता 261 विदेशी नागरिक 23 देशों से हैं। यह जानकारी विदेश मामलों, सार्वजनिक सुरक्षा, संस्कृति एवं पर्यटन और आपातकालीन प्रबंधन विभागों की संयुक्त खोज और सूचना मिलान के बाद सामने आई है।

किन देशों के नागरिक लापता हैं : चीनी अधिकारियों के अनुसार, लापता विदेशी नागरिकों में सबसे ज्यादा 104 नेपाली हैं। इसके बाद भारत के 49, लातविया के 33, अमेरिका के 18 और ब्रिटेन के 15 नागरिक शामिल हैं। इसके अलावा कनाडा और ऑस्ट्रेलिया के छह-छह, दक्षिण अफ्रीका के चार, जबकि मलेशिया, जर्मनी और रूस के तीन-तीन नागरिकों का पता नहीं चला है। आयरलैंड, एस्टोनिया, फ्रांस, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड के दो-दो और कजाकिस्तान, फिनलैंड, लिथुआनिया, पुर्तगाल, यूक्रेन, स्पेन और हंगरी के एक-एक नागरिक भी लापता बताए गए हैं।

कैलाश मानसरोवर यात्रा से क्या है कनेक्शन : भारत से बड़ी संख्या में तीर्थयात्री कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए तिब्बत पहुंचे थे। यह यात्रा चीन और भारत के बीच संबंधों में सुधार के बाद दोबारा शुरू हुई थी। बताया जा रहा है कि बाढ़ आने के समय कुछ भारतीय तीर्थयात्री तिब्बत-नेपाल सीमा पर स्थित इमिग्रेशन भवन में मौजूद थे। अचानक आई बाढ़ ने ग्यिरोंग काउंटी में भारी तबाही मचाई और इमिग्रेशन भवन भी इसकी चपेट में आ गया। ग्यिरोंग में आई बाढ़ की भयावहता दिखाने वाले कई वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुए। इनमें विशाल जलधारा को सीमा क्षेत्र के बड़े इमिग्रेशन भवन को अपनी चपेट में लेते हुए देखा गया। चीनी अधिकारियों की ओर से विदेशी नागरिकों की स्थिति को लेकर जारी आंकड़े ऐसे समय सामने आए हैं, जब लापता लोगों के परिवार अपने परिजनों की जानकारी का इंतजार कर रहे हैं।

नाइजर में तख्ता पलट की कोशिश: युवा सैनिकों ने खोला मोर्चा, कई की मौत; राजधानी में रातभर गोलियों की गूंज

नियामे , एजेंसी। पश्चिमी अफ्रीकी देश नाइजर की राजधानी नियामे में सैन्य विद्रोह की कोशिश ने सत्तारूढ़ सैन्य शासन के सामने बड़ा संकट खड़ा कर दिया। राज्य टेलीविजन की रिपोर्ट के मुताबिक, विद्रोह की कोशिश के दौरान कई सैनिक मारे गए या गिरफ्तार किए गए। करीब 24 घंटे तक चली इस उथल-पुथल के दौरान राजधानी में गोलीबारी और धमाकों की आवाजें सुनाई देती रहीं।

क्या नाइजर में फिर तख्ता पलट की कोशिश हुई: युवा सैनिकों के एक समूह ने राजधानी के मुख्य एयरपोर्ट परिसर में स्थित अहम सैन्य अड्डे पर विद्रोह का प्रयास किया। रिपोर्ट के मुताबिक, ये सैनिक देश में लगातार बढ़ती उग्रवादी हिंसा और सुरक्षा बलों में हो रही मौतों से नाराज थे। राज्य प्रसारक आरटीएन ने कई दर्जन, ज्यादातर युवा सैनिकों को

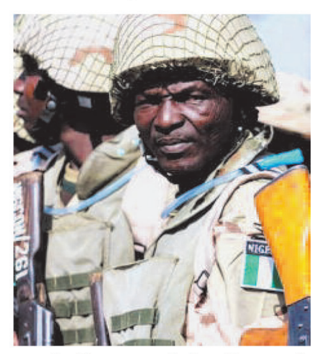

सार्वजनिक रूप से पेश किए जाने की तस्वीरें प्रसारित कीं। रिपोर्ट के अनुसार, सुरक्षा बलों ने कई जगहों पर हुई लड़ाई के बाद हालात पर धीरे-धीरे काबू पाया और विद्रोही सैनिकों को गिरफ्तार किया। हालांकि, अभी तक इस बात की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी कि सुरक्षा बलों ने सैन्य अड्डे पर पूरी तरह नियंत्रण हासिल कर लिया है।

एयरपोर्ट के सैन्य अड्डे में क्या हुआ : नाइजर के रक्षा मंत्री जनरल सलीफू मोदी के मुताबिक, विद्रोही सैनिकों के एक समूह ने सैन्य अड्डे पर कुछ अधिकारियों को बंधक बना लिया था। इसके बाद उन्होंने कुछ संवेदनशील स्थानों पर गोलीबारी की। सरकार ने इसे सैन्य अनुशासन और नियमों का उल्लंघन बताया। यह सैन्य अड्डा रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण है। यहां नाइजर की वायुसेना का बेस होने के साथ-साथ नाइजर, बुर्किना फासो और माली की संयुक्त सैन्य टुकड़ी का मुख्यालय भी है।

रूस के अफ्रीका कॉर्प्स ने जुंटा की मदद की : विश्लेषकों और राजनयिकों के अनुसार, विद्रोह को दबाने में रूस के अफ्रीका कॉर्प्स ने स्थानीय सुरक्षा बलों को हवाई और जमीनी सहायता दी। रूसी मीडिया ने नाइजर में रूस के राजदूत विक्टर वोरोपायेव के हवाले से बताया कि वरिष्ठ नाइजर सैन्य अधिकारियों ने एयरपोर्ट स्थित अफ्रीका कॉर्प्स के बेस का दौरा किया और विद्रोह दबाने में मदद के लिए उसके सैनिकों का आभार जताया। इस बीच, सैन्य शासन के प्रमुख अब्दुरहामाने त्वियानी के ठिकाने को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं थी। नाइजर में सैन्य शासन 2023 के तख्ता पलट के बाद सत्ता में आया था। उस समय जुंटा ने दावा किया था कि निर्वाचित सरकार देश में बढ़ती सशस्त्र हिंसा को रोकने में विफल रही है। सत्ता संभालने के बाद नाइजर ने अपने पुराने पश्चिमी सुरक्षा साझेदारों से दूरी बनाई और रूस के साथ संबंध मजबूत किए। इसके बावजूद देश में उग्रवादी हिंसा और सुरक्षा बलों पर हमले जारी रहे हैं। विश्लेषकों का कहना है कि लगातार बिगड़ती सुरक्षा स्थिति अब सेना के भीतर भी असंतोष को बढ़ावा दे रही है।

नेपाल के बाद चीन में कुदरत का कहर, शिजांग में लैंडस्लाइड में 16 की मौत, 546 हुए लापता, मचा हड़कंप

शिजांग , एजेंसी। चीन के शिजांग क्षेत्र में सीमा के पास स्थित एक बंदरगाह पर भूस्खलन की घटना सामने आई है। हादसे में अब तक 16 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि 546 लोग लापता बताए जा रहे हैं। राहत और बचाव दल लगातार अभियान चलाकर लापता लोगों की तलाश में जुटे हैं। चीन की सरकारी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, शनिवार शाम 6 बजे अचानक शिजांग के पास एक बंदरगाह पर भूस्खलन की घटना हुई। इसमें अब तक 16 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, 546 लोग लापता हैं। लापता लोगों में 49 भारतीय नागरिक भी शामिल हैं। चीनी अधिकारियों ने बताया कि राहत और बचाव दल लगातार अभियान चलाकर लापता लोगों की तलाश में जुटे हुए हैं।

261 विदेशी नागरिकों से संपर्क टूटा : अधिकारियों के मुताबिक, भूस्खलन के बाद 23 देशों के कुल 261 विदेशी नागरिकों से अब तक संपर्क नहीं हो पाया है। इनमें सबसे अधिक 104 नागरिक नेपाल के हैं। इसके अलावा 49 भारतीय, लातविया के 33, अमेरिका के 18 और ब्रिटेन के 15 नागरिक लापता बताए जा रहे हैं। कनाडा और ऑस्ट्रेलिया के 6-6 नागरिकों का भी अभी पता नहीं चल पाया है। वहीं, दक्षिण अफ्रीका के 4, जबकि मलेशिया, जर्मनी और रूस के 3-3 नागरिक भी लापता हैं। आयरलैंड और एस्टोनिया के 2-2 नागरिकों के बारे में भी जानकारी नहीं मिल सकी है। इसके अलावा फ्रांस, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड समेत कई अन्य देशों के नागरिक भी लापता लोगों की सूची में शामिल हैं।

भोटे कोशी नदी में बाढ़ का बहाव तेज : नेपाल के नेशनल डिजास्टर रिस्क रिडक्शन एंड मैनेजमेंट अथॉरिटी ने बताया कि रसुवा के जिला प्रशासन कार्यालय को जानकारी मिली है कि भोटे कोशी नदी में बाढ़ का बहाव तेज होने की आवाज सुनी गई है। इसलिए, हम रसुवा, नुवाकोट और धाडिंग तक नदी के आस-पास के इलाकों में सावधानी बरतने का अनुरोध करते हैं।

धर्म अलग हो सकते हैं लेकिन मानवता एक है, न्यूयॉर्क में मोहन भागवत का बड़ा बयान

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क में 'एक दुनिया, एक मानवता' कार्यक्रम को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि यहां मौजूद सभी दिव्य व्यक्तित्वों, मैं आप लोगों की तरह न तो कोई धार्मिक विद्वान हूं और न ही कोई धार्मिक अधिकारी। लेकिन, मैं एक ऐसे समाज में काम कर रहा हूं, जो पारंपरिक रूप से कहता है कि धर्म भले ही भिन्न हों, लेकिन मानवता एक है। सत्य एक है, और मानवता उस सत्य की उपज है।

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि आज की दुनिया में, धर्मों को काफी हद तक अनुष्ठानों द्वारा परिभाषित किया जाता है। धार्मिक अनुशासन का पालन करने और दिव्यता के मार्ग पर चलने के लिए, अनुष्ठानों का अनुशासन भी आवश्यक है। लेकिन, धर्म का उद्देश्य क्या है? यह हमें सत्य की ओर ले जाता है। इसलिए, यदि मैं उस प्रकाश की ओर इशारा करूं, तो आप मेरी उंगली को इशारा करते हुए देखेंगे और फिर प्रकाश को देखेंगे। लेकिन, यदि आप मेरी उंगली पर टकटकी लगाए रहेंगे, तो आप कभी प्रकाश को नहीं देख पाएंगे। उद्देश्य अलग है। यह परम सत्य, दिव्यता की खोज है, जिसे हम अलग-अलग नामों से पुकारते हैं।

भारत में सभी धर्मों के लोग एक साथ रहते हैं : मोहन भागवत ने कहा कि इतिहास के क्रम में यह सब घटित हुआ। मैं उस क्षण की ओर इशारा नहीं कर सकता। उसके बाद, हमारा समाज और हमारा देश विदेशी आक्रमणों का निशाना बने और बहुत कुछ खो गया। लेकिन, वह परंपरा आज भी कायम है, जो आम लोगों को वही बात सिखाती है। एक दुनिया, एक मानवता। लेकिन, जैसा कि आपने कहा, लोग बेवजह बोझ ढोते हैं। हमारे भारत में

सभी धर्मों के लोग एक साथ रहते हैं क्योंकि, परंपरागत रूप से, भारत ने सभी को आश्रय दिया है।

मोहन भागवत ने कहा कि यदि आप स्वयं को हिंदू कहलाना चाहते हैं, तो आपको यह मानना होगा कि सभी मार्ग एक ही लक्ष्य की ओर ले जाते हैं। प्रत्येक मनुष्य का अपना सम्मान है और मनुष्यों में कोई भेद नहीं है। ये सभी भेद प्रकृति की शोभा बढ़ाते हैं, और हमें इन्हें स्वीकार करना होगा। लेकिन, जो वास्तविकता सदा विद्यमान है, वह यह है कि हम सब एक हैं।

राजनीति अब स्वार्थ का खेल बन गई है : उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के बाद हमें अपना संविधान मिला, और उसमें इस बात पर जोर दिया गया है। लेकिन, ऐसा नहीं हो रहा है क्योंकि ये चीजें राजनीति से नहीं होतीं। मुझे यह कहते हुए खेद है, लेकिन सच्चाई यह है कि राजनीति अब स्वार्थ का खेल बन गई है। और, जैसा कि आपने सही कहा, जहां 'मैं और मेरा' होता है, वहां कोई समाधान नहीं होता। 'हम और हमारा' ही समाधान है। इसलिए, भारत में हमारा अनुभव यह है कि हमें समाज से शुरुआत करनी होगी। हमने इसकी शुरुआत पहले ही कर दी है। 2018 के बाद, मेरे भाषण के बाद, कई लोगों ने प्रतिक्रिया दी।

भारत और उज्बेकिस्तान के बीच जीवंत सेतु की तरह हैं भारतीय समुदाय : पीएम मोदी

ताशकंद, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि भारतीय प्रवासी समुदाय भारत और उज्बेकिस्तान के बीच एक जीवंत सेतु की तरह काम करता है। मध्य एशियाई देश उज्बेकिस्तान की अपनी द्विपक्षीय यात्रा के दौरान ताशकंद में भारतीय समुदाय के बड़े समूह ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'ताशकंद में भारतीय समुदाय के प्यार और स्नेह से अभिभूत हूं। हमारा प्रवासी समुदाय भारत और उज्बेकिस्तान के बीच एक जीवंत सेतु है, जो दोनों देशों की दोस्ती को और मजबूत बना रहा है।' उन्होंने स्वागत समारोह के दौरान प्रस्तुत किए गए भारतीय और उज्बेक संस्कृति के मेल वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी सराहना की और कहा कि ये दोनों देशों के गहरे सांस्कृतिक संबंधों को दर्शाते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर तबला प्रस्तुति की एक झलक साझा करते हुए लिखा, 'भारतीय और उज्बेक संगीत परंपराओं का शानदार संगम! तबला, डोइरा और चांग जैसे वाद्ययंत्रों के साथ बेहद खूबसूरती से घुल-मिल गया। यह भारत और उज्बेकिस्तान के बीच गहरे सांस्कृतिक जुड़ाव को दिखाता है।' भारतीय समुदाय की कुछ महिलाओं ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के दौरान उन्हें राखी भी बांधी।

उन्होंने कलाकारों की ओर से प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम भी देखे। प्रधानमंत्री मोदी बच्चों के नृत्य प्रदर्शन को बड़े ध्यान से देखते नजर आए और कार्यक्रम के बाद उनसे हाथ भी मिलाया। इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने 'यांगी उज्बेकिस्तान स्मारक' का दौरा किया और कहा कि यह

उज्बेकिस्तान के लोगों की आकांक्षाओं और प्रगति का प्रतीक है। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, 'ताशकंद पहुंचने के बाद राष्ट्रपति मिर्जियोयेव के साथ 'यांगी उज्बेकिस्तान स्मारक' पर श्रद्धांजलि अर्पित करने गया। यह स्मारक उज्बेक लोगों की आकांक्षाओं और प्रगति को दर्शाता है। अपनी यात्रा की शुरुआत यहां आकर करने पर खुशी है। प्रधानमंत्री मोदी के साथ उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव भी मौजूद थे। दोनों नेताओं ने यांगी उज्बेकिस्तान पार्क में उज्बेक संस्कृति और इतिहास को दर्शाने वाली कलाकृतियों का अवलोकन किया। प्रधानमंत्री मोदी ने ताशकंद हवाई अड्डे पर मिले गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए राष्ट्रपति मिर्जियोयेव का भी धन्यवाद किया। वह उज्बेकिस्तान की दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर पहुंचे हैं। एक विशेष सम्मान के तौर पर राष्ट्रपति मिर्जियोयेव स्वयं हवाई अड्डे पहुंचे और प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया। यह दोनों देशों के बीच पिछले 12 वर्षों में लगातार मजबूत हुई दोस्ती को दर्शाता है।

ताशकंद पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर लिखा, 'राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव ने ताशकंद में मेरा गर्मजोशी से स्वागत किया। उनके इस विशेष सम्मान के लिए मैं उनका आभारी हूं। यह मेरी उज्बेकिस्तान की चौथी यात्रा है, जो हमारे द्विपक्षीय संबंधों की गहराई और लगातार बढ़ती गति को दर्शाती है।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.